MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 06 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-333

ले डूबी भगवती!

महेश बैंक चुनाव 2025 श्रीमती भगवती देवी बल्दवा के भरोसे महेश बैंक चुनाव की वैतरणी पार करने निकली फाउंडर पैनल की नैया न केवल मझधार में ही डगमगाने लग गयी थीं , बल्कि अब तो वह पूरी तरह डूबती नजर आ रही हैं। दरअसल, श्रीमती बल्दवा ने चुनाव प्रचार की शुरुआत में ही अपनी नेगेटिविटी द्वारा बैंक के बेहद खराब प्रदर्शन का पूरा ठीकरा निवर्तमान चेयरमैन श्री रमेश कुमार बंग और उनकी टीम पर फोड दिया। उन पर करोड़ों की धाँधली के आरोप लगाये गये। ईडी जाँच, आरबीआई की कथित टिप्पणियों के बहाने श्री बंग की छवि को धूमिल करने के लिए मर्यादा की सारी हदें लाँघ दी गयी। पिछले चुनाव की हार और निदेशक मंडल की बैठक में अपने कथित अपमान का बदला लेने के लिए आपने कोई मंच/मौका नहीं छोडा। यहाँ तक कि श्री बंग के परिवार को भी लगातार निशाना बनाया गया।

महेश बैंक चुनाव 2025

बपौती, अपराधी और लुटेरा जैसे शब्द भेदी बाणों से श्री बंग को लहुलूहान कर दिया। हालांकि इन हमलों से श्री बंग से ज्यादा नुकसान आपकी स्वयं की छवि को हुआ।

समाज के लिए कुछ कर गुजरने का माद्दा रखने वाली, सबके ह्रदय पटल पर अपनी अमिट छाप छोड़ चुकी सफल महिला उद्यमी, धर्मनिष्ठ, सर्वश्रेष्ठ प्रखर वक्ता, साहसी नेत्री और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रशंसा प्राप्त श्रीमती बल्दवा से किसी को ऐसे नकारात्मक प्रचार/विचारों की कतई अपेक्षा नहीं थी। आपके कद के आगे सब बौने हैं। ऐसी महान सख्शियतें किसी भी समाज में विरले ही जन्म लेती हैं। आपकी अपनी ही बैंक के खिलाफ आपको आरबीआई, ईडी और कोर्ट-कचहरी की सीढियाँ तक चढनी पडी, इससे बडा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है?

इससे भी दुर्भाग्यजनक है कि आपको अब स्वीकार करना पड रहा है कि बैंक के खिलाफ आरबीआई जाँच और ईडी के छापे डलवाने के लिए आपको अनगिनत चिट्ठियाँ तक लिखनी पडी थीं।साथ ही अब घर-घर जाकर यह सफाई भी देनी पड रही है कि छापे और जाँच बैंक के

विरुद्ध नहीं हुई, बल्कि भ्रष्ट लोगों के खिलाफ हुई। और तो और किसी व्यक्ति विशेष से बदले की ज्वाला में धधक रही आप यह भी भूल गई कि समाज और अंशधारकों को आपसे लाखों उम्मीदें है, उनका क्या होगा? उस वटवृक्ष रुपी महेश बैंक का क्या होगा, जिसे सींचकर आपको उसकी जडें और गहरी करनी थीं? इंतकाम की आग ने क्या आपको इतना अंधा कर दिया कि आप यह भी नहीं सोच रही हैं कि विभिन्न अखबारों और मीडिया में बार-बार करोड़ों के कथित घोटालों की खबरें उछालकर बैंक की रही-सही साख पर भी बट्टा लगाने का अधर्म कर रहीं हैं?

भारत-रूस की दोस्ती ध्रुव तारे की तरह अटल : मोदी

नई दिल्ली, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत दौरे पर आए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी ने करीब 24 घंटे में 3 बार मुलाकात की है। दोनों नेताओं ने साथ में प्राइवेट डिनर, द्विपक्षीय बातचीत, जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस और इंडिया-रूस बिजनेस फोरम की बैठक को संबोधित किया।हालांकि इस दौरान दोनों देशों के बीच भी किसी बड़े डिफेंस डील का ऐलान नहीं किया गया। इससे पहले कई रिपोर्ट्स में भारत-रूस के बीच किसी लड़ाकू विमान या बड़े रक्षा सौदा होने की बात कही जा रही थी।

भारत-रूस के बीच 19 समझौतों पर मुहर लगी हैं। इनका मकसद भारत-रूस व्यापार बढ़ाना है। भारत-रूस के बीच शिप बिल्डिंग, भारतीय नाविकों को बर्फीले (पोलर) समुद्री इलाकों में जहाज चलाने की ट्रेनिंग, नई शिपिंग लेन पर निवेश, सिविल न्यूक्लियर ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) पर समझौते और एमओयू साइन किए गए।पीएम मोदी ने रूस को सबसे करीबी सहयोगियों में से एक बताया है। उन्होंने कहा कि भारत और रूस के बीच दोस्ती को ध्रुव तारे की तरह स्थिर और अटल है। वहीं, पुतिन ने कहा कि उनकी टीम सिर्फ तेल और गैस पर बात करने या सौदे करने के लिए भारत नहीं आई है। वे भारत के साथ हर क्षेत्र में रिश्ते और व्यापार बढ़ाना चाहते हैं।रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि ठढ इंडिया का लॉन्च एक बहुत अहम घटना है। पुतिन ने बताया, यह एक बेहद खास मौका है क्योंकि इससे लाखों भारतीय नागरिक हमारे देश की जानकारी और समाचारों को और करीब से जान सकेंगे।

पुतिन ने कहा कि यह चैनल अपने दर्शकों को रूस और दुनिया में हो रही घटनाओं की सच्ची जानकारी देने का प्रयास करता है।पुतिन ने कहा, यही रूस टुडे का असली मूल्य है। यह कई पश्चिमी मीडिया स्रोतों की प्रचार मशीन से पूरी तरह अलग है।

रूसी पर्यटकों को 30 दिन का फ्री वीजा देंगे
हम सिर्फ तेल-गैस की बात करने नहीं आए : पुतिन

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आधिकारिक रूप से ठढ इंडिया का लॉन्च कर दिया है। इस चैनल के लॉन्च का मकसद भारत और दुनिया भर में रूस की दृष्टिकोण और समाचार को सीधे पहुंचाना है।

पुतिन ने अगले साल मॉस्को में होने वाले भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए पीएम मोदी को न्योता दिया है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि आज दोनों देशों के नागरिकों के लिए टूरिस्ट वीजा में कई अहम फैसले लिए गए हैं। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, टूर ऑपरेटर्स के लिए नए व्यवसाय के अवसर खुलेंगे और रोजगार के नए रास्ते बनेंगे।

मोदी ने कहा कि आज भारत और रूस इनोवेशन, को-प्रोडक्शन और को-क्रिएशन की नई यात्रा शुरू कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य सिर्फ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना नहीं है, बल्कि संपूर्ण मानवता की भलाई सुनिश्चित करना है। इसके लिए वैश्विक चुनौतियों के स्थायी समाधान विकसित करने होंगे।प्रधानमंत्री ने कहा, आइए, मेक इन इंडिया करें, भारत के साथ साझेदारी करें और मिलकर दुनिया के लिए कुछ बड़ा बनाएं।मोदी ने कहा कि भारत अब दुनिया की स्किल्ड कैपिटल के रूप में उभर रहा है। हमारे युवा वैश्विक मांग को पूरा करने की क्षमता रखते हैं। रूस के डेमोग्राफिक और आर्थिक प्राथमिकताओं को देखते हुए, यह साझेदारी दोनों देशों के लिए बेहद फायदेमंद है।

मोदी ने कहा कि जब भारतीय प्रतिभा को रूसी भाषा और सॉफ्ट स्किल्स में प्रशिक्षित किया जाएगा, तो हम मिलकर रसिया-रेडी-वर्कफोर्स तैयार कर सकते हैं, जो दोनों देशों की साझा समृद्धि को तेज करेगा।मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया भर में किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली दवाइयां सप्लाई करता है। इसलिए भारत को 'फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड' कहा जाता है।

उन्होंने कहा कि भारत और रूस मिलकर वैक्सीन डेवलपमेंट, कैंसर थेरेपी, रेडियो फार्मास्युटिकल्स और एपीआई सप्लाई चेन में सहयोग कर सकते हैं। इससे स्वास्थ्य सुरक्षा बढ़ेगी और नए उद्योग भी विकसित होंगेप्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में प्राकृतिक फाइबर से लेकर तकनीकी टेक्सटाइल तक बड़े अवसर हैं, साथ ही डिजाइन, हैंडीक्राफ्ट और कालीन उद्योग में वैश्विक पहचान है।

रूस उन्नत पॉलीमर और सिंथेटिक कच्चे माल का प्रमुख उत्पादक है। दोनों देश मिलकर मजबूत टेक्सटाइल वैल्यू चेन विकसित कर सकते हैं। ▶10 पर

4 दिन में 1200 से अधिक फ्लाइट रद्द, सरकार बैकफुट पर

नई दिल्ली/बेंगलुरु/मुंबई/हैदराबाद , 05 दिसंबर (एजेंसियां)।देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो की पिछले 4 दिनों में 1200 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल होने के बाद केंद्र सरकार शुक्रवार को बैकफुट पर आ गई है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने एयलाइंस, खासकर इंडिगो को 10 फरवरी 2026 तक अस्थायी राहत दी है। वीकली रेस्ट के बदले कोई भी छुट्टी नहीं देने के फैसले को वापस ले लिया।इधर दूसरी एयरलाइन के किराए में उछाल देखने को मिला है। यात्रियों को ऑप्शनल फ्लाइट्स की तलाश में सामान्य से दोगुनी कीमत पर टिकट खरीदने पड़ रहे हैं। बुकिंग साइट मेकमाईट्रिप के अनुसार, 6 दिसंबर को दिल्ली से बेंगलुरु की सबसे सस्ती फ्लाइट का किराया 40,000 रुपए से ज्यादा है, जबकि कुछ फ्लाइट्स का किराया 80,000 रुपए तक हैं।दरअसल इंडिगो शुक्रवार को लगातार चौथे दिन क्रू मेंबर्स की कमी से जूझ रही है। इसके कारण दिल्ली, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद सहित कई एयरपोर्ट पर 500 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हो गईं। यात्री 24-24 घंटे से फ्लाइट का इंतजार कर रहे हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्री पानी, खाना और जरूरी सामानों के लिए स्टाफ और सुरक्षाकर्मियों से बहस करते और झगड़ा करते देखे गए।दिल्ली आईजीआई: दिल्ली में सबसे ज्यादा 225 फ्लाइट्स रद्द हुई हैं। इंडिगो ने दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली सभी घरेलू फ्लाइट्स आज रात 12 बजे तक रद्द कर दी हैं। टर्मिनल पर हजारों सूटकेस पड़े रहे। कई यात्रियों को 12 घंटे से ज्यादा अपना सामान लेने में लगे। भीड़ इतनी बढ़ गई कि यात्री फर्श और सीढ़ियों पर बैठकर घंटों उड़ानों का इंतजार करते रहे। मुंबई: कई फ्लाइट्स रद्द होने के बाद इंडिगो काउंटर पर लंबी कतारें लगीं।रायपुर: बुजुर्गों और छोटे बच्चों को कुर्सियों पर घंटों इंतजार करना पड़ा। कुछ यात्री स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों से बहस करते दिखे।पुणे: यहां के एयरपोर्ट आज सुबह से 32 फ्लाइट्स रद्द हो गईं। रद्द फ्लाइट्स ▶10 पर

पायलट का वीकली रेस्ट नियम वापस
एयरपोर्ट्स पर मारपीट के हालात
दूसरी फ्लाइट्स का किराया दोगुना

एनआईए ने अवैध हथियारों के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को अवैध हथियारों और गोला बारुद की तस्करी के मामलों में तीन राज्यों में कई जगहों पर तलाशी के बाद चार लोगों को गिरफ्तार किया है।एजेंसी की 22 टीमों ने बिहार के नालंदा, शेखपुरा और पटना ज़िलों में सात जगहों, उत्तर प्रदेश के औरैया ज़िले में 13 जगहों और हरियाणा के कुरुक्षेत्र ज़िले में दो जगहों पर एक साथ तलाशी ली।टीमों ने तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में अलग-अलग बोर के हथियार और गोला-बारूद, एक करोड़ रुपये से ज़्यादा नकदी, कई डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जिनमें आपत्तिजनक डेटा था, नकली और संदिग्ध पहचान वाले दस्तावेजों सहित आपत्तिजनक दस्तावेज ज़ब्त किए। एनआईए ने तलाशी के बाद पटना से शशि प्रकाश, शेखपुरा से रवि रंजन सिंह, और कुरुक्षेत्र से विजय कालरा और कुश कालरा को अवैध गोला-बारूद की तस्करी, बिक्री और खरीद में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया। एजेंसी की जांच के मुताबिक इस मामले में गोला-बारूद हरियाणा से उत्तर प्रदेश में तस्करी किया जा रहा था, और फिर साज़िश के तहत बिहार और देश के दूसरे हिस्सों में पहुंचाया जा रहा था। यह मामला इस साल जुलाई में बिहार में शुरू हुआ था, जहां स्थानीय पुलिस ने तलाशी के दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

पान मसाला पर उपकर लगाने वाला बिल लोकसभा में पास, Kavach पर काम जारी

नई दिल्ली, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

संसद के शीतकालीन सत्र का आज पांचवा दिन है। ऐसे में आज भी देखा जाए तो दोनों ही सदनों में कामकाज जरूर हुए। हालांकि अलग-अलग मुद्दों को लेकर दोनों सदनों में विपक्ष ने कई बड़े सवाल खड़े किए और साथ ही साथ हंगामा भी किया जिसकी वजह से कार्यवाही को स्थगित भी करनी पड़ी। इंडिगो विमान के रद्द होने का भी मुद्दा संसद में खूब गुंजा। बावजूद इसके दोनों ही सदनों में आज सामान्य रूप से कामकाज देखने को मिला। वहीं, पान मसाला का विज्ञापन करने वाले अभिनेताओं के पुरस्कार वापस लेने की लोकसभा में मांग उठी। राज्यसभा में भाजपा सदस्य ने मालदा स्थित प्राचीन आदिनाथ हिंदू मंदिर की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। बीजद सांसद ने पुरी निवासियों के लिए जगन्नाथ मंदिर में विशेष 'दर्शन' व्यवस्था की मांग की।

– लोकसभा ने पान मसाला पर उपकर लगाने के प्रावधान वाले विधेयक को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पर हुई चर्चा का जवाब दिया, जिसके बाद सदन ने विभिन्न संशोधनों को खारिज करते हुए विधेयक को ध्वनिमत से स्वीकृति दे दी। चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यह किसी भी वित्त मंत्री की जिम्मेदारी होती है कि राजस्व बढ़ाया जाए ताकि विभिन्न क्षेत्रों में मांग को पूरा किया जा सके, लेकिन यहां एक सरकार है जिसने कर के दायरे को घटाया है।– भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद जगदंबिका पाल ने इंडिगो एयरलाइन की सैकड़ों उड़ानें रद्द होने का मुद्दा शुक्रवार को लोकसभा में उठाते हुए कहा कि सप्ताहांत में कई सांसदों को अपने क्षेत्रों में लौटने में परेशानी आएगी और सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए।

– सरकार ने शुक्रवार को कहा कि हरियाणा में लिंगानुपात में सुधार के मामले में पिछले कुछ सालों में अच्छी प्रगति हुई है और 2022-23 के एसआरएस (नमूना पंजीकरण प्रणाली) के आंकड़ों के अनुसार इनमें 52 अंकों ▶10 पर

रिजर्व बैंक ने रेपो दर 0.25 प्रतिशत घटाई

मुंबई, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सर्वसम्मति से रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर इसे 5.25 प्रतिशत करने का फैसला किया है जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। उन्होंने बताया कि मुद्रास्फीति निम्नतम स्तर पर बनी हुई है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर ऊंची बनी हुई है। इससे केंद्रीय बैंक के पास नीतिगत ब्याज दरों में कटौती का मौका है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए विकास दर अनुमान 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही मुद्रास्फीति का अनुमान घटाकर दो प्रतिशत कर दिया है।

बाजार की उम्मीद के मुताबिक रेपो दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक के बाद शुक्रवार को नीतिगत दरों की घोषणा करते हुए कहा कि समिति ने

कार्टून कॉर्नर

अमित शाह ने स्वदेशोत्सव 2025 का किया उद्घाटन, आत्मनिर्भर भारत के विजन को मिला नया मंच

मुंबई, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को आत्मनिर्भर बनाने के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय मैदान में 'स्वदेश-ोत्सव 2025' का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी भी उपस्थित थे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह राष्ट्रव्यापी एक्सपो 5 दिसंबर, 2025 से 9 दिसंबर, 2025 तक चलेगा। उद्घाटन समारोह के बाद, गृह मंत्री ने स्वदेशी की शक्ति का प्रतीक 'स्वानुभूति प्रदर्शनी' का भी अनावरण किया।इस स्वदेशी उत्सव के दौरान ज्ञान और जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष सेमिनार आयोजित किए गए हैं, ऐसा विज्ञप्ति में कहा गया है। तदनुसार, 5 दिसंबर को उद्घाटन दिवस पर पर्यावरण संकल्प सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। 6 दिसंबर को स्टार्टअप उड़ान 2025 और स्वदेशी संकल्प अभियान पर सत्र निर्धारित हैं। 7 दिसंबर के सत्र मातृशक्ति की भूमिका और साइबर सुरक्षा जागरूकता पर केंद्रित होंगे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 8 दिसंबर को आयुर्वेद और स्वास्थ्य के साथ-साथ बौद्धिक संपदा अधिकारों पर सेमिनार होंगे। अंतिम दिन, 9 दिसंबर को प्राकृतिक खेती और जैविक खेती पर चर्चा होगी। साथ ही, प्रतिदिन शाम 7:00 बजे से रात 10:00 बजे तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।स्वदेशोत्सव ज्ञान, कला और स्वदेशी उत्पादों की एक विस्तृत शृंखला को बढ़ावा देने के लिए एक जीवंत मंच के रूप में कार्य करेगा। विज्ञप्ति के अनुसार, इस अवसर पर स्वर्णिम जागरण मंच के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य अवसंरचना के लिए दी गयी राशि का राज्यों में उपयोग नहीं किया गया : नड्डा

नई दिल्ली, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा ने लोकसभा में शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार की ओर से स्वास्थ्य अवसंरचना के लिए दी गयी धनराशि का राज्यों में पूरी तरह से उपयोग नहीं किया जा रहा है।श्री नड्डा ने आज प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के जवाब में राज्य सरकारों पर स्वास्थ्य अवसंरचना के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की गई धनराशि का उपयोग न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने विभिन्न राज्य सरकारों को स्वास्थ्य अवसंरचना के लिए 64 हजार करोड़ रुपये दिए थे लेकिन उसमें से केवल 30 हजार करोड़ रुपये ही खर्च किए गए। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से 2017 में केंद्र द्वारा सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत खर्च करने के निर्णय के बावजूद अब तक केवल 1.9 प्रतिशत ही खर्च किया गया है। इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि कुपोषण को समाप्त करने के लिए सरकार की ओर से गंभीर प्रयास किये जा रहे हैं। देश का हर बच्चा एनीमिया मुक्त हो उसके लिए हर स्तर पर काम किया जा रहा है। सरकार एक एक बच्चे का डिजिटल निगरानी कर रही है।

आजीवन वर्दी में रहेंगे सबसे शक्तिशाली आसिम मुनीर, कभी नहीं होगी गिरफ्तारी

इस्लामाबाद, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को औपचारिक रूप से देश का पहला चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस (सीडीएफ) नियुक्त कर दिया गया है। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सिफारिश पर उनकी इस पद पर पांच वर्ष के लिए नियुक्ति को मंजूरी दे दी। इस नियुक्ति के साथ ही पुराना पद चेयरमैन जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमिटी (सीजेसीएससी) हमेशा के लिए खत्म हो गया। नया पद पिछले महीने संसद में पारित कानून के तहत बनाया गया था, जिसका उद्देश्य थलसेना, वायुसेना और नौसेना के बीच बेहतर समन्वय बताया गया है। इससे अब उनकी कभी गिरफ्तारी नहीं होगी ओर आजीवन वर्दी में ही रहेंगे। जनरल मुनीर अब एक साथ तीन भूमिकाएं निभा रहे हैं, सेना प्रमुख (सीओएएस), फील्ड मार्शल और चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस।

पाकिस्तानी इतिहास में फील्ड मार्शल का रैंक सिर्फ दूसरी बार दिया गया है, पहली बार 1959 में जनरल अयूब खान को मिला था। नए कानून के तहत सीडीएफ को तीनों सेनाओं पर सीधा कमान, राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में निर्णायक अधिकार, आजीवन वर्दी पहनने की छूट और किसी भी अदालती कार्रवाई या गिरफ्तारी से पूर्ण प्रतिरक्षा प्राप्त है।

इस नियुक्ति से पाकिस्तान में सेना का वर्चस्व और मजबूत हो गया है। देश के 77 साल के इतिहास में करीब आधे समय तक प्रत्यक्ष सैन्य शासन रहा है और वर्तमान व्यवस्था में भी सेना की छिपी ताकत सर्वविदित है। सीडीएफ पद के जरिए अब यह ताकत औपचारिक और कानूनी रूप से नागरिक सरकार से ऊपर स्थापित हो गई है। विपक्ष, खासकर जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने इसे लोकतंत्र का अंत और एक व्यक्ति की तानाशाही करार दिया है। भारत के साथ तनाव के मौजूदा माहौल में जनरल मुनीर की बढ़ती शक्ति को इस्लामाबाद की आक्रामक नीति का संकेत माना जा रहा है। मई 2025 में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी सेना ने जिस तरह झूठा प्रचार चलाया था, उसकी अगुवाई भी जनरल मुनीर ने ही की थी। अब सीडीएफ के रूप में परमाणु कमान चेन में भी उनका स्थान सबसे ऊपर होगा।

न्यूज ब्रीफ

5 साल की मासूम के बच्चे का पिता कौन था बना हुआ है रहस्य

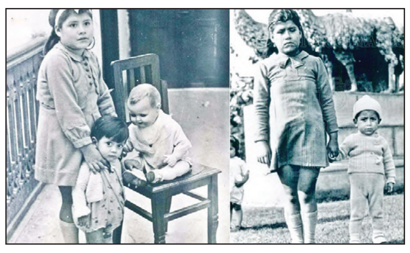

वाशिंगटन। दक्षिण अमेरिका के पेरू देश के एंडीज पर्वत श्रृंखला के एक छोटे से गांव में लीना मार्सेला मेदिना नाम की मात्र 5 साल 7 महीने की बच्ची ने एक बच्चे को जन्म देकर पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया था। करीब 85 साल पहले हुई यह घटना आज भी एक रहस्य बनी हुई है। दुनिया की सबसे कम उम्र की मां बनने का रिकॉर्ड भी बना था। यह घटना 1939 में घटित हुई थी, जब यूरोप में द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत का माहौल बन रहा था। उस समय किसी भी डॉक्टर या वैज्ञानिक ने यह कल्पना भी नहीं की थी कि इतनी कम उम्र की बच्ची गर्भ धारण कर सकती है। लीना का परिवार बेहद गरीबी में जीवन बिता रहा था। जब उसका पेट धीरे-धीरे बढ़ने लगा, तो गांव के लोगों को लगा कि कोई धार्मिक चमत्कार हो रहा है। पड़ोसियों ने उसे 'वर्जिन मैरी' या 'सूर्य देवता' का आशीर्वाद बताया। परिवार ने भी इसे किसी बुरी आत्मा का असर समझकर ओझा-गुनियों और तांत्रिकों की मदद लेनी शुरू कर दी, लेकिन हालत जस की तस रही। अंततः लीना के पिता उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने पहले इसे ट्यूमर समझा, लेकिन जांच में पता चला कि वह सात महीने की गर्भवती थी। यह जानकर पूरा मेडिकल स्टाफ सन्न रह गया कि महज 5 साल की बच्ची गर्भवती कैसे हो सकती है। 14 मई 1939 को लीना ने सर्जरी के माध्यम से एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया, जिसका वजन लगभग 2.7 किलोग्राम था।

बेहद अनोखी योजना लेकर आई फ्रांस की सरकार

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस इन दिनों एक बेहद अनोखी और चर्चित योजना लेकर आई है, जिसे सोशल मीडिया पर लोग मजाक में 'आफ्टर सेलेब्रिटी पास' कह रहे हैं। पेरिस नगर निगम ने एक लॉटरी स्कीम शुरू की है, जिसके तहत आम लोग अपनी मौत से पहले ही यह तय कर सकते हैं कि उनकी कब्र कहां बनेगी और वे किस मशहूर हस्ती के ठीक बगल में दफन होंगे। इस योजना को शहर की तीन सबसे पुरानी और प्रसिद्ध कब्रगाहों में लागू किया गया है पेर लाशैज, मोंटपर्नासे और मोंटमार्टे। ये वे स्थान हैं जहां दुनिया की कई महान हस्तियां दफन हैं, जिनमें ऑस्कर वाइल्ड, जिम मॉरिसन, एडिथ पियाफ और कई प्रसिद्ध कलाकार शामिल हैं। उनकी कब्रों पर आज भी हजारों लोग हर साल फूल, संदेश और मोमबत्तियां छोड़ने पहुंचते हैं। कल्पना कीजिए चाहे जीवन में उनसे कभी मुलाकात न हो सकी हो, पर आखिरी पड़ाव पर उनकी कब्र के ठीक पास आपकी जगह हो सकती है। लेकिन इस 'सेलेब्रिटी पड़ोस' में जगह पाना उतना आसान नहीं है, जितना सुनने में लगता है। यह एक प्रीमियम अवसर है और इसके लिए मोटी रकम खर्च करनी पड़ती है। सरकारी जानकारी के अनुसार, किसी प्रसिद्ध व्यक्ति के बगल वाली जगह पाने के लिए लगभग 4000 यूरो यानी करीब 4 लाख रुपये भुगतान करने पड़ते हैं। इसके साथ ही, कब्र की सफाई, आसपास की देखरेख और रखरखाव जैसी जिम्मेदारियां भी खरीदार को निभानी होंगी।

एमएच370 के 239 यात्रियों और क्रू का आखिर क्या हुआ नहीं चल सका पता

कुआलालंपुर। मलेशिया एयरलाइंस फ्लाइट एमएच370 दुनिया की सबसे रहस्यमय विमान

दुर्घटनाओं में से एक बन चुकी है। इस विमान को गायब हुए दस साल से ज्यादा हो गए, लेकिन आज भी दुनिया यह नहीं जानती कि 239 यात्रियों और क्रू का आखिर क्या हुआ। अब एक बार फिर इसे खोजने की उम्मीद लौट आई है। मलेशिया सरकार ने कहा है कि अमेरिकी मरीन रोबोटिक्स कंपनी ओशियन इन्फिनिटी 30 दिसंबर से समुद्र की गहराई में दोबारा खोज शुरू करेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एमएच370 एक बोइंग 777 प्लेन था जो 8 मार्च 2014 को सुबह कुआलालंपुर से बीजिंग के लिए निकला था। उड़ान भरने के 39 मिनट बाद ही विमान एयर ट्रैफिक रडार से गायब हो गया। पायलट का आखिरी संदेश था- 'गुड नाइट, मलेशियन थ्री सेवन जीरो'। इसके बाद विमान वियतनामी एयरस्पेस में संपर्क नहीं कर पाया। कुछ मिनट बाद उसका ट्रांसपोंडर भी बंद हो गया। मिलिट्री रडार ने दिखा कि विमान ने अपनी दिशा बदल ली और अंदमान सागर के ऊपर मुड़कर दक्षिण की ओर उड़ने लगा। सैटेलाइट डेटा के मुताबिक वह कई घंटों तक हवा में रहा और शायद फ्यूल खत्म होने के बाद दक्षिणी हिंद महासागर में गिरा। सालों तक इसे लेकर अंतरराष्ट्रीय खोज चलती रही, लेकिन अब तक मुख्य मलबा नहीं मिला।

चीनी पर्यटक की हरकत से जापान में भारी आक्रोश

टोक्यो, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

हाल ही में एक चीनी पर्यटक की हरकत ने जापान में भारी आक्रोश पैदा कर दिया। यह घटना टोक्यो के प्रसिद्ध सेंसोजी मंदिर में घटी, जहां हजारों लोग प्रतिदिन दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर में स्थापित दानपात्र में श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार पैसा डालते हैं! इसके बाद भाग्य बताने वाली 'ओमिकुजी' छड़ी निकालते हैं, जिसे जापानी संस्कृति में शुभ-अशुभ का प्रतीक माना जाता है। मंदिर के अंदर मौजूद एक चीनी युवक ने जब दानपात्र में पैसे डालने की बजाय 'हेल मनी' डाल दी, तो आसपास मौजूद लोगों ने इसे जापानी परंपरा का अपमान माना। यह पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगी। वीडियो में युवक का साथी उसे यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वह 'धोखा दे रहा है', जबकि वह हंसते हुए इस हरकत को मजाक बताता रहता है। इसके बाद युवक ओमिकुजी की छड़ी चुनता है और कागज निकालने से पहले कहता है कि 'जापानी शुभ-अशुभ बताने वाली छड़ियाँ चीनी लोगों को आशीर्वाद नहीं देतीं।

आशीर्वाद के लिए चीनियों का अपना तरीका होता है।' उसके इस बयान ने विवाद को और बढ़ा दिया। रिपोर्टों के अनुसार, आमतौर पर श्रद्धालु मंदिर के दानपात्र में 100 येन डालते हैं, लेकिन 'हेल मनी' वास्तविक मुद्रा नहीं होती। चीनी परंपरा के अनुसार, यह मृतकों की आत्मा को परलोक में बेहतर जीवन देने के लिए जलाए जाने वाली प्रतीकात्मक राशि होती है। इसे अशुभ माना जाता है और इसे घर या यात्रा में रखना अपशकुन माना जाता है। इसलिए जापानी लोगों ने इसे धार्मिक स्थल के प्रति अनादर की संज्ञा दी। वीडियो में मौजूद युवक का दोस्त भी टोकते हुए कहता है कि वह 'शैतानों को धोखा दे रहा है।' गौरतलब है कि चीन में 'शैतान' शब्द का इस्तेमाल कई बार जापानी सैनिकों के लिए किया जाता है, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान चीन में अत्याचार किए थे। इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के कारण दोनों देशों के बीच भावनात्मक तनाव अक्सर सतह पर आ जाता है। इस घटना ने जापानी सोशल मीडिया में तीखी प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न कर दी हैं। कई यूजर्स ने इसे जानबूझकर किया गया अपमान बताया, जबकि कुछ का कहना है कि यह धार्मिक स्थल की पवित्रता के खिलाफ एक असंवेदनशील व्यवहार है। मालूम हो कि चीन और जापान के रिश्तों के बीच दशकों से चले आ रहे तनाव और ऐतिहासिक कटुता भी दोनों देशों के लोगों के व्यवहार में दिखाई देती है।

लंबी नींद लेने के बाद भी कमजोरी रहे तो हो जाए सावधान

लंदन। जरूरत से ज्यादा नींद यानी ओवरस्लीपिंग कई बार मानसिक स्थिति, जीवनशैली, दवाइयों के साइड-इफेक्ट या गंभीर मेडिकल कंडीशंस का संकेत होती है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसका सही कारण जानना बेहद जरूरी है, ताकि समय रहते समस्या को रोका जा सके। बीमारी के दौरान शरीर ज्यादा आराम मांगता है। फ्लू, वायरल या कोविड जैसे संक्रमण से लड़ते समय इम्यून सिस्टम कुछ ऐसे रसायन रिलीज करता है जो नींद बढ़ाने का काम करते हैं। इसलिए लंबी नींद लेने के बाद भी कमजोरी बनी रहती है, क्योंकि शरीर अपनी ऊर्जा बीमारी से लड़ने में खर्च कर देता है। वहीं शराब और नशे वाले पदार्थ दिमाग के उन कैमिकल्स को धीमा कर देते हैं जो जागे रहने में मदद करते हैं और नींद की गुणवत्ता खराब कर देते हैं, जिससे दिनभर सुस्ती और चक्कर रह सकते हैं। नींद खराब होने का एक बड़ा कारण बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल भी है। देर रात फोन चलाना, नाइट शिफ्ट, बार-बार नींद टूटना या परिवार की जिम्मेदारियों के कारण पर्याप्त नींद न मिलना शरीर को 'स्लीप डेट' में धकेल देता है। ऐसे में मौका मिलते ही शरीर लंबे समय तक सोने की कोशिश करता है और धीरे-धीरे नींद का पूरा पैटर्न बिगड़ जाता है। कई दवाइयां जैसे एंटीहिस्टामिन, एंटीडिप्रेसेंट, पेनकिलर और मसल रिलैक्सेंट सिडेशन बढ़ाती हैं, जिससे जरूरत से ज्यादा नींद आती है। यदि नई दवा शुरू करने के बाद ऐसी समस्या बढ़ जाए तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। इसके अलावा, हाइपोथायराइड, डायबिटीज, फाइब्रोमायल्जिया, क्रॉनिक पेन, और क्रॉनिक फैटीग सिंड्रोम जैसी बीमारियां भी शरीर की एनर्जी का स्तर गिरा देती हैं, जिससे शरीर ज्यादा आराम मांगता है। मानसिक स्वास्थ्य भी नींद को बहुत प्रभावित करता है। डिप्रेशन या एंग्जायटी के मरीज अक्सर सामान्य से ज्यादा सोते हैं, जिसे 'हाइपरसोम्निया' कहा जाता है, लेकिन फिर भी तरोताजा महसूस नहीं करते क्योंकि दिमाग लगातार भावनात्मक तनाव में रहता है। अगर आप रोज 9-10 घंटे या उससे ज्यादा सोकर भी थकान, भारीपन, नींद और ऊर्जा की कमी महसूस करते हैं, तो इसे नजरअंदाज न करें। यह ओवरस्लीपिंग का गंभीर संकेत हो सकता है।

विमान दुर्घटना में ब्रिटेन भेजे गए शवों को संभालते समय लंदन शवगृह के कर्मचारी विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आए

लंदन, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। एअर इंडिया के विमान के अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद ब्रिटेन भेजे गए शवों को संभालते समय लंदन के शवगृह के कर्मचारी "खतरनाक रूप से उच्च" स्तर के विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आए थे। एक वरिष्ठ कोरोनर (न्यायिक अधिकारी) ने इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट में बताया गया कि लंदन के वेस्टमिंस्टर सार्वजनिक शवगृह में लाए गए शवों में फॉर्मलिन की अत्यधिक मात्रा मिली। फॉर्मलिन अत्यधिक विषाक्त पदार्थ होता है, जो श्वसन तंत्र में गंभीर समस्या पैदा करता है। डॉ. विलकॉक्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा, "अभी तक किसी भी मृत्यु-जांच (इनक्वेस्ट) की सुनवाई शुरू नहीं हुई है। यह रिपोर्ट मेरे उस दायित्व के आधार पर तैयार की गई है, जो विनियम 28 के तहत लागू होता है। दायित्व का इस्तेमाल किया गया, क्योंकि जिन मृत व्यक्तियों के शवों को ब्रिटेन वापस भेजा गया, उन्हें जिस तरीके से संरक्षित किया गया और लाया गया, उसने शवगृह में काम करने वाले सभी लोगों के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न किया। उन्होंने कहा, "फॉर्मलिन का स्तर अत्यंत खतरनाक मिला तथा शवगृह में कार्बन मोनोक्साइड और सायनाइड भी खतरनाक मात्रा में मिले। यह स्थिति तब आई, जब ताबूत खोले गए और विदेश से लाए गए मृतकों के शवों की पट्टियां हटाई गईं।"

डॉ. विलकॉक्स ने कहा, "शवगृहों में फॉर्मलिन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य खतरों को लेकर पर्याप्त जागरूकता नहीं है। यह खतरा शवगृह का उपयोग करने वाले सभी लोगों के लिए होता है।"

रिपोर्ट में कोरोनर ने भविष्य में होने वाली मौतों को रोकने के लिए कार्रवाई करने का आह्वान किया है। उन्होंने ब्रिटेन के स्वास्थ्य एवं सामाजिक देखभाल तथा आवास, समुदाय और स्थानीय सरकार विभागों से 56 दिनों के भीतर जवाब देने की अपेक्षा की है। ब्रिटिश सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा, "इस हादसे में मारे गए सभी लोगों के परिवारों के साथ हमारी गहरी संवेदनाएं हैं।" प्रवक्ता ने कहा, "यह एक बेहद चौंकाने वाला मामला है।

आने वाले 5 से 10 साल में दुनिया तीसरा विश्व युद्ध देख सकती है - मस्क

वाशिंगटन। वैश्विक टेक और कारोबारी जगत के सबसे शक्तिशाली नामों में गिने जाने वाले एलन मस्क का कहना है कि आने वाले 5 से 10 साल में दुनिया तीसरा विश्व युद्ध देख सकती है. मस्क के अनुसार, साल 2030 तक दुनिया किसी बड़े पैमाने के संघर्ष का सामना कर सकती है जो कि संभावित रूप से परमाणु युद्ध का रूप भी ले सकता है। दरअसल एक्स पर हंटर ऐश नाम के एक यूजर ने थ्रेड में लिखा कि जब देशों पर कोई बाहरी दबाव नहीं रहता और देशों के बीच बड़े युद्ध का खतरा कम हो जाता है तो सरकारें भी उतनी गंभीरता से काम नहीं करती है. इसका जवाब देते हुए मस्क ने लिखा कि आने वाले 5 या 10 सालों में वैश्विक स्तर पर न्यूक्लियर वॉर होने की संभावना है. हालांकि इसके बाद मस्क ने आगे कुछ लिखा नहीं और इस बात को लेकर कई सारी संभावनाएं लगाए जाने लगे। इस थ्रेड पोस्ट के बाद से इंटरनेट पर इसकी चर्चा तेज हो गई है। कई लोग ये अनुमान लगा रहे हैं कि शायद इस बात से मस्क इस ओर इशारा करना चाह रहे हैं कि भविष्य में आने वाले संकट को लेकर सभी सरकारों को अपनी कमर कसनी पड़ सकती है।

नेपाल में आम चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंचीं

काठमांडू, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

नेपाल में संसदीय चुनाव अगले साल मार्च में होने हैं, जिसमें अब केवल 90 दिन शेष रहने के साथ ही तैयारियां तेज़ी से आगे बढ़ रही हैं। निर्वाचन आयोग ने अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं, जबकि राजनीतिक दलों ने भी आंतरिक कार्य योजनाएं सक्रिय रूप से आगे बढ़ाई है। आयोग के प्रवक्ता नारायण प्रसाद भट्टराई के अनुसार आयोग 6 दिसंबर से समानुपातिक निर्वाचन प्रणाली कार्यक्रम लागू करने जा रहा है। तय कार्यक्रम के अनुसार राजनीतिक दलों को 7 दिसम्बर को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच अपनी समानुपातिक निर्वाचन प्रणाली से सम्बन्धित आवेदन जमा करना होगा।

आवेदन देने वाले दलों की सूची 10 दिसम्बर को प्रकाशित की जाएगी। आवेदन देने वाले दल अपनी बन्द सूची 28 और 29 दिसम्बर को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक जमा कर सकते हैं।

समानुपातिक प्रतिनिधित्व के अन्तिम सूची 13 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी।

प्रत्यक्ष निर्वाचन कार्यक्रम अन्तर्गत उम्मीदवार नामांकन 20 जनवरी को दर्ज किए जाएंगे और उसी दिन नामांकित उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित होगी। नामांकन के विरुद्ध शिकायतें 21 जनवरी को दर्ज की जा सकेंगी। उम्मीदवारों की प्रारम्भिक सूची 22 जनवरी को प्रकाशित की जाएगी। उम्मीदवार 23 जनवरी को अपना नाम वापस ले सकेंगे, जिसके बाद अन्तिम सूची प्रकाशित की जाएगी और निर्वाचन चिह्न आवंटित किए जाएंगे।

चुनाव प्रचार प्रसार के लिए 3 मार्च तक का समय दिया गया है। 3 मार्च की शाम 5 बजे से मौन अवधि शुरू हो जाएगी। 5 मार्च को सुबह 7 बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। शाम 7 बजे तक मतदान का देने की प्रक्रिया जारी रहेगी। निर्वाचन आयोग के मुताबिक मतदान के बाद सभी मतपेटिकाएं जिला मुख्यालय स्थित मतगणना केंद्र पर एकत्रित कर ली जाएगी और उसके तुरंत बाद ही मतगणना की शुरुआत हो जाएगी।

यूक्रेनी बच्चों की तुरंत वापसी का प्रस्ताव पारित, भारत ने मतदान से बनाई दूरी

न्यूयॉर्क, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक अहम प्रस्ताव भारी बहुमत से पारित कर रूस पर कड़ा दबाव बनाया। प्रस्ताव में रूस से मांग की गई है कि वह हजारों यूक्रेनी बच्चों को, जिन्हें 2014 के बाद जबरन रूसी क्षेत्रों या रूस में ले जाया गया है, तुरंत, सुरक्षित और बिना किसी शर्त के उनके परिवारों को लौटाए। 193 सदस्यीय महासभा में इस प्रस्ताव के पक्ष में 91 वोट पड़े, जबकि केवल 12 देशों ने इसका विरोध किया। 57 देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया, जिनमें भारत, चीन, ब्राजील, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, मिस्र और बहरीन शामिल हैं। प्रस्ताव में यूक्रेनी बच्चों के जबरन निर्वासन, परिवारों से अलगाव, रूसी नागरिकता थोपने, दत्तक ग्रहण या फॉस्टर केयर में डालने की प्रक्रिया को तुरंत रोकने और ऐसे मामलों में जिम्मेदार लोगों की जांच कर जवाबदेही तय करने को कहा गया है। 2022 के बाद रूस द्वारा लाए गए उन कानूनी बदलावों की भी निंदा की गई है, जिनसे यूक्रेनी अनाथ या अभिभावक-विहीन बच्चों को रूसी नागरिकता लेना आसान बना दिया गया। यूक्रेन की उप विदेश मंत्री मारियाना बेट्सा ने प्रस्ताव पेश करते हुए बताया कि अक्टूबर 2025 तक कम से कम 6,395 बच्चों के जबरन स्थानांतरण या निर्वासन की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 20,000 से अधिक मामलों की जांच अभी चल रही है। दूसरी ओर, रूस की उप स्थायी प्रतिनिधि मारिया जाबोलोत्स्काया ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा कि कई बच्चे युद्ध क्षेत्रों से सुरक्षित निकाले गए थे या स्वेच्छा से आए थे। रूसी नागरिकता देने की प्रक्रिया पूरी तरह वैकल्पिक और दबाव-मुक्त है। उन्होंने प्रस्ताव के समर्थकों पर झूठ और टकराव को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। भारत ने इस प्रस्ताव पर भी अपनी पुरानी नीति बरकरार रखी और मतदान से दूर रहा। यह फैसला रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की संभावित भारत यात्रा से ठीक पहले आया है, जिससे कूटनीतिक संतुलन बनाए रखने की भारत की मंशा साफ झलकती है। महासभा की अध्यक्ष जर्मनी की विदेश मंत्री अन्नालेना बैरबॉक ने कहा कि फरवरी 2022 में रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद से यह आठवां प्रस्ताव है, जिसमें महासभा ने रूस से तत्काल और बिना शर्त पीछे हटने की मांग की है।

ब्रिटेन ने 2018 के 'नर्व एजेंट हमले को लेकर रूस की खुफिया एजेंसी 'जीआरयू पर प्रतिबंध लगाया

लंदन। ब्रिटेन ने 2018 के 'नर्व एजेंट हमले को लेकर बृहस्पतिवार को रूस की खुफिया एजेंसी 'जीआरयू पर प्रतिबंध लगा दिया और मॉस्को के राजदूत को तलब किया। ब्रिटेन ने यह कदम एक जांच में निकले निष्कर्ष के बाद उठाया है, जिसमें दावा गया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 2018 में ब्रिटेन की भूमि पर हुए 'नर्व एजेंट हमले के लिए जिम्मेदार थे। 'नर्व एजेंट ऐसे जहरीले रसायन हैं जो सीधे तंत्रिका तंत्र पर असर करते हैं। ये मस्तिष्क तक जाने वाले संकेतों को बाधित कर देते हैं, जिससे शरीर ठीक तरह से काम करना बंद कर देता है। ब्रिटिश सरकार ने कहा कि सैलिसबरी शहर में हुए उस हमले के लिए जीआरयू पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जा रहा है, जिसमें ब्रिटेन आए पूर्व सोवियत एजेंट सर्गेई स्क्रिपल को निशाना बनाया गया था। 'नोविचोक नर्व एजेंट के संपर्क में आने से एक ब्रिटिश महिला डॉन स्टर्गेस की मौत हो गई थी। स्टर्गेस की मौत की जांच का नेतृत्व करने वाले ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एंथनी ह्यूजेस ने कहा कि स्क्रिपल पर हमले को पुतिन द्वारा ''उच्चतम स्तर पर अधिकृत किया गया होगा।

वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने के मामले में सोनिया गांधी के खिलाफ रिवीजन पिटीशन, 9 दिसंबर को सुनवा

नई दिल्ली, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ मतदाता सूची में कथित रूप से बिना नागरिकता हासिल किए नाम शामिल कराए जाने के मामले में शुक्रवार को रिवीजन पिटीशन दाखिल की गई है।

इस प्रकरण में राऊज एवेन्यू कोर्ट में रिवीजन पिटीशन दाखिल की गई है। अधिवक्ता विकास त्रिपाठी की ओर से यह पिटीशन दायर की गई है, जिस पर कोर्ट 9 दिसंबर को सुनवाई करेगा। इससे पहले, मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सितंबर 2025 में दायर उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच कराने की मांग की गई थी। अब इस आदेश को चुनौती देते हुए रिवीजन पिटीशन दाखिल की गई है। याचिका में दावा किया गया था कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता प्राप्त की थी, जबकि उनका नाम 1980

की नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल था। याचिका में यह सवाल उठाया गया था कि 1980 की वोटर लिस्ट में उनका नाम कैसे शामिल हुआ। याचिका में यह भी पूछा गया कि जब नागरिकता 1983 में प्राप्त की गई, तो 1980 में वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने के लिए कौन से दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया? क्या वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने के लिए फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया गया?

याचिका में यह भी उल्लेख किया गया कि 1982 में सोनिया गांधी का नाम वोटर लिस्ट से डिलीट कर दिया गया था और इस हटाए जाने के पीछे की वजहों की भी जांच की मांग की गई थी।

बता दें कि बिना नागरिकता हासिल किए वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने के आरोप में सोनिया गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच कराने की मांग वाली याचिका को मजिस्ट्रेट कोर्ट सितंबर मे खारिज कर दिया था। अब 9 दिसंबर को राऊज एवेन्यू कोर्ट में होने वाली सुनवाई में यह स्पष्ट होगा कि आगे की कानूनी प्रक्रिया क्या मोड़ लेती है।

गोदाम व घर में भीषण आग, फायर विभाग ने पाया काबू, बड़ी दुर्घटना टली

गाजियाबाद, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद के न्यू गांधीनगर के तहसील कॉम्पलेक्स क्षेत्र में बीती रात अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। घटना 4 दिसंबर 2025 की रात लगभग 9:58 बजे की है, जब फायर सर्विस को सूचना मिली कि एक घर और उसके भीतर बने जूते के गोदाम में आग धधक रही है। सूचना मिलते ही एफएस कोतवाली से एफएसओ के नेतृत्व में दो फायर टेंडर तुरन्त मौके के लिए रवाना किए गए। फायर यूनिट जैसे ही घटनास्थल पर पहुंची, उन्होंने देखा कि आग सेकंड फ्लोर और तीसरी मंजिल पर बने अस्थायी टीन शेड वाले गोदामों में तेजी से फैल रही है। आग की तेज लपटें और घना धुआं देखते हुए स्थिति विकराल बनती जा रही थी। फायर कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए तीन दिशाओं से होज पाइप लगाकर आग बुझाने का अभियान शुरू कर दिया। आग की तीव्रता को देखते हुए तुरंत कोतवाली और वैशाली से अतिरिक्त फायर टेंडर भी बुलाए गए। गाढ़े धुएं और बढ़ती गर्मी के बीच फायर टीम ने बीए सेट पहनकर अंदर घुसकर लगातार पानी की बौछारें डालीं, जिससे आग को अन्य मंजिलों और आसपास के रिहायशी मकानों में फैलने से रोका जा सका।करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया। आग में सेकेंड फ्लोर और तीसरी मंजिल पर बने गोदामों में रखे जूते, दवाइयों का स्टोरेज, परफ्यूम और अन्य सामग्री पूरी तरह जलकर राख हो गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस भीषण आगजनी में कोई जनहानि नहीं हुई। फायर कर्मियों की त्वरित कार्रवाई और समन्वय से एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

आग पूरी तरह बुझाने के बाद फायर टेंडर और यूनिट वापस एफएस कोतवाली लौट आई। घटना की जांच जारी है, जबकि आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

15 दिसंबर के बाद प्रधानमंत्री मोदी कर सकते हैं जेवर का दौरा : धीरेंद्र सिंह

ग्रेटर नोएडा, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। गौतमबुद्ध नगर जिले में जेवर विधानसभा क्षेत्र से विधायक धीरेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि 15 दिसंबर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जेवर का दौरा कर सकते हैं। धीरेंद्र सिंह ने बताया कि फिलहाल जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर तैयारियां की जा रही हैं। विधायक धीरेंद्र सिंह ने शुक्रवार को आईएएनएस को बताया कि क्षेत्र के लोग अपने देश के प्रधानमंत्री के दूसरी बार जेवर दौरे के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का जेवर आना हम सभी के लिए बहुत खुशी की बात है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन को लेकर धीरेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि अभी तक एयरोड्रम लाइसेंस नहीं मिला है। इसके मिलने के बाद ही प्रधानमंत्री मोदी के जेवर आने की तारीख तय होनी थी।

उन्होंने बताया कि उद्घाटन के समय एयरपोर्ट की तरफ आने वाले सभी रास्तों को दुरुस्त कराया जाएगा। इसके अलावा, पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी। कुछ रास्ते, जो एयरपोर्ट बनने के समय बंद किए गए हैं, उन्हें खोलने के लिए बोला जाएगा। इन सभी तैयारियों को लेकर उन्होंने गुरुवार को एयरपोर्ट साइट पर सभी संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की।विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि जेवर में तैयार हो रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पूरे उत्तर प्रदेश के लिए ग्रोथ इंजन बनेगा। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट निर्माण के बीच मल्टीनेशनल कंपनियों ने जेवर की तरफ उद्योग शुरू किए हैं, जो 'गेम चेंजर' साबित होंगे। इस एयरपोर्ट के निर्माण के बाद पूरे राज्य में खुशहाली आएगी। युवाओं को भी रोजगार के असंख्य अवसर मिलेंगे।भाजपा विधायक ने कहा कि यह दशकों से हमारी अभिलाषा थी कि कब जेवर क्षेत्र में तरक्की आएगी। हम अपनी आशाओं को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। जेवर इतना आगे निकल चुका है कि वह भविष्य में विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। आने वाले समय में उत्तर प्रदेश के ग्रोथ इंजन के साथ-साथ पूरे देश की अर्थव्यवस्था में भी अपना रोल निभाएगा।

लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल की कस्टडी बढ़ाई गई, एनआईए मुख्यालय में हुई सुनवाई

नई दिल्ली, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष एनआईए कोर्ट ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई की

कस्टडी बढ़ा ही है। अनमोल बिश्नोई की एनआईए कस्टडी को 7 दिन के लिए बढ़ा दी गई है। हाई-प्रोफाइल और सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत संवेदनशील मामला होने के कारण एनआईए जज खुद एनआईए मुख्यालय पहुंचे और वहीं पर बंद कमरे में सुनवाई की। अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से अवैध तरीके से रहने के आरोप में हाल ही में डिपोर्ट किया गया था। भारत आने के बाद एनआईए ने उसे कड़ी सुरक्षा में हिरासत में लिया है और उससे कई गंभीर मामलों में पूछताछ जारी है।

बता दें कि एनआईए ने अमेरिका से प्रत्यर्पण कर 19 नवंबर को भारत पहुंचते ही अनमोल बिश्नोई को गिरफ्तार कर लिया था। 2022 से फरार चल रहे अनमोल को एनआईए के मोस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल था। उस पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। वह लॉरेंस के टेरर सिंडिकेट से जुड़ा 19वां आरोपी है।

अनमोल को नवंबर 2024 में कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो में अवैध प्रवेश के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जहां एफबीआई ने डीएनए और वॉयस सैंपल से उसकी पहचान की थी। उसके बाद लंबी डिपोर्टेशन प्रक्रिया चली थी। इससे पहले, मार्च 2023 में एनआईए ने लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व में टेरर-गैंगस्टर साजिश मामले में अनमोल के खिलाफ 1200 पेज की चार्जशीट दाखिल की थी।

जांच में पाया गया कि 2020 से 2023 के बीच अनमोल ने गोल्डी बराड़ और लॉरेंस के इशारों पर भारत में कई आपराधिक गतिविधियां अंजाम दीं। वह अमेरिका से ही गैंग को निर्देश देता था और शूटरों को शरण, हथियार और लॉजिस्टिक सप्लाई मुहैया कराता था। पंजाब के फाजिल्का का रहने वाला अनमोल नेपाल, दुबई और केन्या के रास्ते अप्रैल 2022 में फर्जी पासपोर्ट पर अमेरिका भागा था।

अनमोल का नाम कई हाई प्रोफाइल केसों से जुड़ा है। अक्टूबर 2024 में मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या में वह मुख्य साजिशकर्ता था।

हिमाचल प्रदेश: सोलन में अधिवक्ता दिवस धूमधाम से मनाया गया, वकीलों ने एकजुटता का दिया संदेश

सोलन, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के सोलन में अधिवक्ता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। बार एसोसिएशन सोलन ने जिला न्यायालय परिसर में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें सैकड़ों वकीलों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वकीलों की समाज और न्याय व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना और उनके अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बार एसोसिएशन सोलन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक ठाकुर ने कहा कि अधिवक्ता न्याय का चौथा खंभा हैं और बिना उनकी सक्रिय भागीदारी के न्याय प्रणाली अधूरी है। उन्होंने बताया कि आम आदमी को उसका हक दिलाना और संविधान की रक्षा करना वकीलों का परम कर्तव्य है। ठाकुर ने युवा अधिवक्ताओं से अपील की कि वे हमेशा ईमानदारी, अनुशासन और सेवा भाव के साथ अपने पेशे का निर्वहन करें, क्योंकि एक गलत कदम पूरे समुदाय की साख को नुकसान पहुंचा सकता है। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ताओं का विशेष सम्मान किया गया, जिन्होंने दशकों तक न सिर्फ अदालतों में न्याय की लड़ाई लड़ी, बल्कि गरीब और जरूरतमंद लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता भी दी। सम्मानित होने वाले वकीलों में कई ऐसे नाम शामिल थे, जिन्होंने अपने लंबे करियर में सैकड़ों मुकदमों में गरीबों का पक्ष मजबूती से रखा। इस मौके पर मौजूद सभी अधिवक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि वकालत कोई धंधा नहीं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम है।

कार्यक्रम में संविधान, कानून के शासन और न्यायिक व्यवस्था में सुधार को लेकर गहन चर्चा हुई। वक्ताओं ने यह भी चिंता जताई कि आज के दौर में वकीलों पर हमले बढ़ रहे हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना सरकार का दायित्व है। अंत में सभी अधिवक्ताओं ने एकता की शपथ ली और आपसी भाईचारे को और मजबूत करने का संकल्प लिया।

बार अध्यक्ष अभिषेक ठाकुर ने सभी साथियों को अधिवक्ता दिवस की हार्दिक बधाई दी और भरोसा दिलाया कि बार एसोसिएशन सोलन भविष्य में भी वकीलों के हितों और सम्मान के लिए हर मंच पर आवाज उठाता रहेगा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। उपस्थित सभी अधिवक्ताओं के चेहरों पर गर्व और संकल्प साफ झलक रहा था।

प्रतिबंधित कफ सिरप मामले में आरोपियों पर जल्द हो कठोर कार्रवाई : रागिनी सोनकर

लखनऊ/नपुर, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। कफ सिरप मामले पर जांच एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं।इस बीच सपा विधायक रागिनी सोनकर ने सरकार से आरोपियों पर जल्द से जल्द कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। मीडिया से मुखातिब रागिनी सोनकर ने कहा, यह बहुत गंभीर मामला है और मेरा मानना है कि यह सामूहिक हत्या है।देश के हर कोने से बच्चों की मौत हुई है और बुजुर्ग लोगों ने भी अपनी जान गंवाई है।सरकार को सीधे या परोक्ष रूप से जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और उन्हें न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। घटना में जितने लोग भी जुड़े हैं, चाहे वे प्रत्यक्ष रूप से हों या अप्रत्यक्ष रूप से हों, सरकार किसी को छोड़े नहीं। जो लोग सीधे तौर पर जुड़े हैं, वे अभी पुलिस पकड़ से बाहर हैं। रागिनी सोनकर ने कहा, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कुछ दिन पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और मीडिया के माध्यम से इस मुद्दे को उठाया था। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने भी यही मामला उठाया।

हिमाचल सरकार के खिलाफ भाजपा का धर्मशाला में शक्ति प्रदर्शन : राधे-राधे की गूंज, सुक्खू सरकार पर भाजपा नेताओं का हमला तेज

धर्मशाला, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के तीन साल पूरे होने पर भाजपा ने गुरुवार को धर्मशाला के जोरावर स्टेडियम में बड़ा प्रदर्शन किया। प्रदेशभर से भारी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ जोरदार नारे लगाए। भाजपा विधायक दल भी विधानसभा से निकलकर रैली स्थल पहुंचा।

'राहुल को खुश करने के लिए सुक्खू सरकार अपमान कर रही सनातन को' - श्रीकांत शर्मा प्रदर्शन में भाजपा के प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सुक्खू सरकार बच्चों को 'राधे-राधे' बोलने से रोक रही है और राहुल गांधी को खुश करने के लिए सनातन संस्कृति का अपमान किया जा रहा है।

उन्होंने कहा- कांग्रेसियों कान खोलकर सुन लो, हिमाचल इगझ का था, है और 2027 में फिर भाजपा का होगा। इस बार मोदी के नेतृत्व में हर बूथ पर कमल खिलेगा।

उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने जनता को धोखा देकर सत्ता हासिल की, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदेश को दो बार आपदा राहत के लिए बड़ा पैकेज दिया-पहले 5500 करोड़ और हाल ही में 1500 करोड़ का।

भीड़ ने भरी हुंकार, कांग्रेस को 'झूठी और भ्रष्ट' बताया

जोरावर स्टेडियम भाजपा समर्थकों से खचाखच भरा रहा। भाजपा नेताओं ने इसे हिमाचल में कांग्रेस की नकम्मी और भ्रष्ट सरकार के खिलाफ जनाक्रोश बताया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि कांग्रेस सरकार लोगों को रैली में आने से रोकने के लिए जगह-जगह नाके लगवा रही है।उन्होंने कहा-5 लाख सरकारी नौकरियों का वादा किया था, अब पशु मित्र और रोगी मित्र भर्ती कर रहे हैं। यह व्यवस्था परिवर्तन नहीं, सत्ता का पतन है।

'हिमाचल में देश की सबसे भ्रष्ट सरकार' - संजय टंडन

भाजपा सह प्रभारी संजय टंडन ने कहा कि सुक्खू सरकार किसी एक भी वादे पर खरी नहीं उतरी।उन्होंने आरोप लगाया कि- स्कूल, कॉलेज, दफ्तर और ट्रेजरी बंद किए जा रहे हैं। लोग बेरोजगार हो रहे हैं। यह देश की सबसे निकम्मी सरकार है।

कांगड़ा से सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने भी कहा कि सरकार बुनियादी संस्थान बंद कर रही है, इसलिए इसे हटाना जरूरी है।

28 लाख महिलाओं के 1500-1500 रुपए बकाया: इगझ

डॉ. बिंदल ने दावा किया कि सरकार ने 28 लाख महिलाओं के 36 महीनों के 1500-1500 रुपए अब तक नहीं दिए हैं।उन्होंने कहा कि कर्मचारियों और पेंशनरों पर भी सरकार का 10 हजार करोड़ का बकाया है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शांतिपूर्ण प्रदर्शन में सरकार ने हस्तक्षेप किया, तो उसकी जिम्मेदारी भी सरकार की ही होगी।

-इतझ पर हुए लाठीचार्ज की निंदा

डॉ. बिंदल ने -इतझ कार्यकर्ताओं पर हुए हालिया पुलिस लाठीचार्ज को लोकतंत्र की हत्या बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार युवाओं की आवाज दबा रही है और भाजपा इसे बर्दाश्त नहीं करेगी।

सुक्खू सरकार हर क्षेत्र में फेल: संजीव कटवाल

भाजपा महामंत्री संजीव कटवाल ने कहा कि कांग्रेस सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है- प्रदेश कर्ज में डूबा, लीकर पॉलिसी असफल, हजारों करोड़ के प्रोजेक्ट ठप, आपदा प्रभावित सहायता की राह देखते रहे।

जोरावर स्टेडियम बना पुलिस छावनी

भाजपा के बड़े प्रदर्शन को देखते हुए जोरावर स्टेडियम और विधानसभा परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। जगह-जगह बैरिकेडिंग, कड़ी सुरक्षा प्रदर्शनकारियों को विधानसभा की ओर जाने से रोका गया।

रैली में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, सांसद अनुराग ठाकुर सहित छह सांसद, श्रीकांत शर्मा और सभी भाजपा विधायक मौजूद रहे।

अखिलेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एसआईआर प्रक्रिया को लेकर योगी सरकार पर सीधा सवाल

लखनऊ, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एसआईआर प्रक्रिया को लेकर योगी सरकार पर सीधा सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब तक कितने प्रतिशत एसआईआर पूरा हुआ है, इसकी स्पष्ट जानकारी सरकार को आज ही सार्वजनिक करनी चाहिए। उन्होंने बीएलओ पर बढ़ते दबाव को लेकर भी गंभीर चिंता जताई। अखिलेश यादव ने 'एक्स' पोस्ट के जरिए कहा कि बीएलओ पर 'जानलेवा दबाव' तुरंत हटाया जाए और समय के अनुसार अतिरिक्त अधिकृत कर्मचारियों की तैनाती की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष और उससे जुड़े लोग पिछले दरवाजे से इस प्रक्रिया में दखल दे रहे हैं। यादव ने मांग की कि ऐसी गतिविधियों को तुरंत रोका जाए और सुनिश्चित किया जाए कि आगे भी ऐसा न हो।

इसके साथ ही उन्होंने एक और बड़ा आरोप लगाया कि कई विधानसभा क्षेत्रों में पीडीए (पिछड़े-दलित-अल्पसंख्यक) समाज के लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि हर विधानसभा में इसकी गहन जांच-पड़ताल होनी चाहिए और किसी भी हालत में ऐसी कोशिशों को रोका जाना चाहिए।

ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रदेशभर के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को एसआईआर को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्वक पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में अब तक 12.69 करोड़ से अधिक (लगभग 82 प्रतिशत) मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन पूरा किया जा चुका है। इसके साथ ही 28,491 बूथों पर बीएलओ द्वारा शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न कर लिया गया है।उन्होंने राज्य के सभी पात्र मतदाताओं से अपील की कि जो नागरिक अभी तक अपना गणना प्रपत्र बीएलओ को उपलब्ध नहीं करा सके हैं, वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना शीघ्र गणना प्रपत्र भरकर जमा कर दें। रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने एसआईआर की समयसीमा बढ़ाकर 11 दिसंबर 2025 कर दी है।बता दें कि गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बीएलओ की मौतों के मामलों पर बेहद सख्त रुख अपनाया। तमिलनाडु की राजनीतिक पार्टी टीवीके की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट को बताया गया कि देशभर में अब तक 35-40 बीएलओ की मौतें अत्यधिक काम के दबाव के कारण हो चुकी हैं। याचिकाकर्ता ने पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की भी मांग की थी।कोर्ट ने कहा था कि अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की जाए ताकि कार्य के घंटे कम हो सकें।

लंदन के 'सीन्स इन द स्क्वायर' में शाहरुख-काजोल का स्टैच्यू, सिमरन संग पोज देते दिखे राज

अभिनेता शाहरुख खान और एक्ट्रेस काजोल की सुपरहिट फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' को इस साल रिलीज हुए 30 साल पूरे हो चुके हैं। इस खास मौके पर इस फिल्म को दुनिया के सबसे बड़े सम्मानों में से एक मिला है। लंदन के मशहूर लीसेस्टर स्क्वायर में 'सीन्स इन द स्क्वायर' स्टैच्यू ट्रेल में राज और सिमरन की ब्रॉन्ज स्टैच्यू का अनावरण किया गया। यह पहली बार है जब किसी भारतीय फिल्म को यह सम्मान मिला है। शाहरुख खान ने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस खास पल की तस्वीरें पोस्ट करते हुए कैप्शन भी दिया। तस्वीरों के साथ 'डीडीएलजे' के 'राज' ने लिखा, बड़े-बड़े देशों में, ऐसी छोटी-छोटी बातें होती रहती हैं, सेनोरिटा। लंदन के लीसेस्टर स्क्वायर में राज और सिमरन की ब्रॉन्ज स्टैच्यू का अनावरण करके बहुत खुश हूं। डीडीएलजे के 30 साल पूरे होने का जश्न।

'किंग खान' ने खुशी जाहिर करते हुए आगे लिखा, बहुत खुशी की बात है कि 'डीडीएलजे' पहली भारतीय फिल्म है, जिसे सीन्स इन द स्कायर ट्रेल में स्टैच्यू से सम्मानित किया गया। इसे मुमकिन बनाने के लिए यूके में सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। अगर आप लंदन में हों तो 'राज' और 'सिमरन' से जरूर मिलें। हम चाहेंगे कि आप 'डीडीएलजे' के साथ और भी यादें बनाएं।

वहीं, स्टैच्यू में शाहरुख (राज) और काजोल (सिमरन) आइकॉनिक पोज में हैं। सीन्स इन द स्कायर में हॉलीवुड के बड़े-बड़े सितारे जैसे हैरी पॉटर, बॅटमैन, मिस्टर बीन, और लॉरेल एंड हार्डी की स्टैच्यू पहले से हैं। अब इसमें राज-सिमरन की जोड़ी भी शामिल हो गई है। यह जगह लंदन घूमने आने वाले हर टूरिस्ट के लिए फेवरेट स्पॉट में से एक है।

डीडीएलजे, 20 अक्टूबर 1995 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। आदित्य चोपड़ा के निर्देशन में बनी फिल्म में शाहरुख और काजोल के साथ अनुपम खेर, मंदिरा बेदी, फरीदा जलाल, अमरीश पुरी, परमीत सेठी, अचला सचदेव, ललित तिवारी, हिमानी शिवपुरी समेत अन्य एक्टर्स अहम भूमिकाओं में हैं।

विधु विनोद चोपड़ा की क्लासिक रोमांटिक फिल्म 1942: ए लव स्टोरी की सिनेमाघरों में शानदार वापसी

साल 1995 की फिल्म '1945: अ लव स्टोरी' ने अपने समय में रिलीज होने के बाद दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी। फिल्म की शानदार कहानी, बेहतरीन संगीत और दमदार अभिनय की वजह से यह आज भी लोगों की पसंदीदा फिल्मों में शुमार है। विधु विनोद द्वारा निर्देशित फिल्म अब फिर से सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला, अनुपम खेर, डैनी डेंजोंग्पा और प्राण मुख्य भूमिका में नजर आए थे। इस फिल्म के गाने सुपरहिट हुए थे। कुमार सानू की आवाज में इसके गीत आज भी लोगों की जुबान पर हैं। फिल्म के फिर से रिलीज होने की खुशी जाहिर करते हुए जैकी श्रॉफ ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म का पोस्टर रिलीज किया, जिसके साथ उन्होंने 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा', ऐड किया। पोस्ट कर उन्होंने लिखा, फिल्म '1945: ए लव स्टोरी' 16 जनवरी को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज की जाएगी।

फिल्म का गाना 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' आज भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता रहता है। गाने को कुमार सानू ने अपनी शानदार आवाज में गाया, जबकि लिरिक्स जावेद अख्तर ने लिखे हैं और संगीत राहुल देव बर्मन ने तैयार किया था।

आरडी बर्मन को इस फिल्म के बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर का तीसरा फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था। हालांकि फिल्म रिलीज से चार महीने पहले ही उनका निधन हो गया था। वहीं, जावेद अख्तर को उनके गाने 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' के लिए सर्वश्रेष्ठ गीतकार, कविता कृष्णमूर्ति को गाने 'प्यार हुआ चुपके से' के लिए सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायिका और कुमार सानू को 'एक लड़की को देखा...'' के लिए सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक का पुरस्कार मिला था।

अभिनेता जैकी श्रॉफ की बात करें तो वे जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा' में नजर आएंगे। फिल्म में उनके साथ नीना गुप्ता, कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे भी होंगी। फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होगी।।

पति आदित्य की फिल्म धुरंधर के रिलीज के दिन भावुक हुईं यामी गौतम

विवादों के बाद फाइनली रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, आर माधवन, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, और सारा अर्जुन स्टारर फिल्म 'धुरंधर' शुक्रवार को रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म का निर्माण और डायरेक्शन दोनों ही आदित्य धर ने किया है। अब पति आदित्य के महत्वपूर्ण दिन पर यामी गौतम ने उनकी मेहनत को सराहा है और दर्शकों से भी फिल्म पर ढेर सारा आशीर्वाद लुटाने की अपील की है। यामी गौतम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पति आदित्य के साथ एक प्यारा सा फोटो शेयर किया है। उन्होंने पोस्ट में आदित्य की मेहनत का भी जिक्र किया है कि कैसे एक फिल्म बनाने में उन्होंने खुद को पूरा समर्पित कर दिया। उन्होंने लिखा, आज धुरंधर दिवस है। कुछ सबसे मेहनती और अनमोल लोग जिन्हें मैं जानती हूं और उन्हें अपना परिवार कहने पर गर्व करती हूं, आपने अपना पूरा दिल, समर्पण, लगन, इरादा, जुनून, पसीना, खून, आंसू इस फिल्म के लिए दिए हैं, आदित्य। ये इमोशन आपने कभी किसी के सामने नहीं दिखाए।

उन्होंने आगे लिखा, आज बहुत सारी भावनाएं उमड़ रही हैं, कई दिल एक साथ धड़क रहे हैं, आप लोग अपनी शक्ति में धुरंधर हैं। धुरंधर 2025 का विदाई गिफ्ट नहीं है, बल्कि दुनिया भर में हम सभी इसे 2026 के स्वागत के रूप में देखेंगे। अब यह आपकी फिल्म है, दर्शकों। बता दें कि फिल्म 'धुरंधर' को बनाने में आदित्य धर ने लगभग 2-3 साल का वक्त लिया था। पहले उन्होंने फिल्म के लिए बहुत सारी रिसर्च की और फिर फिल्म की स्टारकास्ट को फाइनल करने में बहुत मेहनत की। फिल्म 'धुरंधर' का हर किरदार अपने आप में अलग है और सबकी कहानी भी अलग है। फिल्म में रणवीर सिंह के किरदार को लेकर सस्पेंस बरकरार है, लेकिन बाकी किरदार किसी न किसी से प्रेरित हैं।

माना जा रहा है कि रणवीर सिंह के लिए ये फिल्म करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हो सकती है। 'धुरंधर' के मल्टीस्टारर होने के बाद भी फिल्म का सारा फोकस रणवीर के किरदार पर है। फिल्म को देशभक्ति से प्रेरित बताया जा रहा है, जिसमें रणवीर सिंह की एक्टिंग की तारीफ हो रही है।

काशिका कपूर ने हाथ से कढ़े गाउन में बिखेरी ओल्ड-हॉलीवुड ग्लैमर की चमक

कभी-कभी फैशन कपड़े और कढ़ाई से आगे बढ़कर एक कहानी बन जाता है - और काशिका कपूर का यह लुक बिल्कुल वैसा ही एक पल है। काले रंग के दिलकश गाउन में, जिस पर बारीकी से की गई चांदी की कढ़ाई सितारों की तरह चमक रही थी, काशिका ने ओल्ड-हॉलीवुड की एलिगेंस और आधुनिक जादू का ऐसा मिश्रण रचा कि नज़रें ठहर जाएँ। उनका गाउन, पूरी तरह तराशा हुआ, उनके व्यक्तित्व के साथ ऐसे बहता है जैसे उनके इर्द-गिर्द रोशनी की नदी बह रही हो। हर पैटर्न, हर चमक उनके हर कदम के साथ जीवंत हो उठती है। हर तस्वीर मानो किसी सदाबहार फिल्म का स्थिर फ्रेम लगती है - संजीदा, खूबसूरत और बेमिसाल शालीनता से भरा हुआ। लेकिन इस लुक की असली खूबसूरती काशिका की मौजूदगी है। वह सिर्फ गाउन नहीं पहनतीं - वह उसे जीवन दे देती हैं। जब उनके हाथ नरम, बैले-सी मुद्रा में ऊपर उठते हैं और ठोड़ी हल्के-से प्रकाश की ओर झुकती है, तो पूरा माहौल एक मंच की तरह महसूस होने लगता है। उनके मुलायम कर्ल्स, नाज़ुक और सुरुचिपूर्ण ज्वेलरी, और मेकअप की हल्की, चमकती आभा - सब मिलकर एक ऐसा रूप रचते हैं जो एक साथ क्लासिक भी है और खगोलीय भी।

और फिर आता है सबसे दिल पिघला देने वाला पल - वह तस्वीर जहाँ क्रीम-रंग के नन्हे पप्पीज़ का घेरा उन्हें ऐसे घेरे हुए है मानो वह उनकी चाँद हों। वैभव और मासूमियत का ऐसा संगम दुर्लभ है, लेकिन काशिका इसे सहजता और सादगी से निभा लेती हैं। हाई-ग्लैम गाउन और पप्पीज़ की कोमल चंचलता के बीच जो विपरीतता है, वही इस तस्वीर को आइकॉनिक बनाती है - ऐसा दृश्य जो आपकी स्क्रोलिंग रुकने के बाद भी मन में बसा रहता है।काशिका हमेशा से ही अपने फैशन पलों में भावना घोल देने के लिए जानी जाती हैं, लेकिन यह शूट उनकी विकसित होती पहचान का जश्न सा लगता है - एक ऐसी स्टार जो जानती है कि एलीगेंस और गर्मजोशी, ग्लैमर और आत्मा के बीच परफेक्ट संतुलन कैसे रचा जाता है। यह लुक सिर्फ एक कूट्योर स्टेटमेंट नहीं; यह उस जादू की याद दिलाता है जो उनके हर कदम में होता है - असलियत को छोड़े बिना चमक बिखेरने का हुनर।हर प्रोजेक्ट, हर अपीयरेंस और हर फ्रेम के साथ, काशिका कपूर अपनी कहानी लिखती जा रही हैं - एक चमकते गाउन और एक अविस्मरणीय पल के साथ।

शोले के री-रिलीज से पहले सामने आया फिल्म का मजेदार ट्रेलर

कल्ट क्लासिक फिल्म 'शोले' पर्दे पर एक बार फिर रिलीज के लिए तैयार है और दर्शकों के बीच एक बार फिर शोले की पुरानी यादों को ताजा करने के लिए मेकर्स ने शोले: द फाइनल कट का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर में इस बार म्यूजिक की बीट को बिल्कुल ही बदल दिया गया है। कल्ट क्लासिक फिल्म शोले: द फाइनल कट 12 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस बार फिल्म 4के रिस्टोर्ड वर्जन के साथ पर्दे पर दिखाई जाएगी। फिल्म के री-रिलीज से पहले ट्रेलर ने धमाका मचा दिया है। ट्रेलर की शुरुआत पुरानी ट्रेन की सीटी और डाकुओं से होती है, जो ट्रेन को लूट रहे हैं, लेकिन तभी एंट्री होती है धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन की, जो कोई भी काम बिना पैसों के नहीं करते हैं। ट्रेलर में ठाकुर जय और वीरू के स्वभाव के बारे में भी बताते हैं कि दोनों बदमाश हैं लेकिन दिल के बुरे नहीं हैं। शोले: द फाइनल कट के ट्रेलर ने दर्शकों की पुरानी यादें ताजा कर दी हैं और वे फिल्म के सिनेमाघरों में री-रिलीज का इंतजार नहीं कर पा रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा, क्या ही शानदार ट्रेलर है, ऐसा लग रहा है जैसे सिनेमाघरों में कोई नई फिल्म रिलीज हो रही हो। खासकर इलेक्ट्रिक गिटार के साथ मेन थीम म्यूज़िक का मिक्स वाकई कमाल लग रहा है।एक अन्य यूजर ने लिखा, धर्मेंद्र जी के जाने के बाद एक बार फिर जय-वीरू की जोड़ी को पर्दे पर देखने का इंतजार नहीं हो रहा है।

बता दें कि भारत की सबसे प्रसिद्ध ब्लॉकबस्टर फिल्म 'शोले' की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर फिल्म को री-रिलीज किया जा रहा है। फिल्म को सबसे पहले 15 अगस्त 1975 के दिन सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। रिलीज के शुरुआती दिन फिल्म कुछ खास नहीं चली, मेकर्स को लगने लगा कि फिल्म फ्लॉप है, लेकिन धीरे-धीरे फिल्म ने रफ्तार पकड़ी और फिल्म लगभग 5 साल तक थिएटर में लगातार चली। बताया जाता है कि मुंबई के मिनर्वा थिएटर में फिल्म 5 साल तक लगी थी। फिल्म की सफलता को देखते हुए साल 2004 में फिल्म के 30 साल पूरे होने पर दोबारा रिलीज किया गया, जिसके बाद साल 2014 में 3डी वर्जन में और फिर अब 2025 में फॉर के रिस्टोर्ड वर्जन के साथ रिलीज होने वाली है।

गुरु गोचर मिथुन राशि में, कई राशियों की चमकने वाली है किस्मत

गुरु गोचर मिथुन राशि में आज यानी 5 दिसंबर को हो रहा है। गुरु वक्री चाल से चलते हुए मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। इस राशि गुरु का गोचर अब मई 2026 तक रहेगा। इस दौरान गुरु 11 मार्च को मिथुन राशि में मार्गी भी होंगे। ऐसे में गुरु के मिथुन राशि में वक्री मार्गी गोचर का असर दिसंबर 2025 से मई 2026 मई तक सभी राशियों पर व्यापक रूप से दिखेगा। ऐसें में आइए जानते हैं गुरु के मिथुन राशि में व्रकी गोचर से किन–किन राशियों के लिए जीवन में सफलता के द्वार खुलेंगे।

मेष राशि हानि की संभावना

मेष राशि के लोगों के लिए गुरु का गोचर उनके साहस और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला साबित होगा। करियर की बात करें तो अगर आप जल्दबाजी में नौकरी बदलने का फैसला कर सकते हैं। लेकिन, यह बदलाव आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। व्यापारियों को भी हानि होने की संभावना हैं। आपने जितना सोचा है उससे कम ही लाभ आपको मिलेगा। आपको इस दौरान यात्राओं में आर्थिक नुकसान भी हो सकता है

वृषभ राशि अचानक मिलेगा लाभ

गुरु का गोचर वृषभ राशि के लोगों के दूसरे भाव में हुआ है। ऐसे में आप अचानक लाभ पा सकते हैं। जो लोग व्यापार कते हैं उन्हें बहुत ज्यादा फायदा नहीं मिलेगा। साथ ही बिजनेस पार्टनर से भी मतभेद हो सकते हैं। आर्थिक रूप से इस समय आपकी आमदनी कम और खर्च ज्यादा रह सकते हैं। ऐसे में हो सकता है कि आपके लिए सेविंग्स कर पाना थोड़ा मुश्किल हो जाए।

मिथुन राशि खुशी और सहयोग मिलेगा

गुरु का गोचर मिथुन राशि के लोगों के लिए सातवें भाव में होगा। आपके जीवन में कई मामलों में ,सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। इस समय बच्चों से आपको खुशी और सहयोग मलेगा। करियर के लिहाज से देखें तो आपको कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक लिहाज से देखें तो आपके लिए कमाई के अच्छे योग बन सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी के साथ खुशहाल पल बीताएंगे।

कर्क राशि सफलता मिलने की संभावनाएं

कर्क राशि के लोगों के लिए वक्री गुरु का गोचर उनके 12वें भाव में होने जा रहा है। ऐसे में करियर के क्षेत्र में आपको मध्यम ही परिणाम मिलेंगे। आपको नींद की कमी जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। करियर के लिहाज से देखें तो आपको मध्यम स्तर पर परिणाम मिल सकते हैं। यदि आप पहले से योजना बनाकर कार्य करेंगे तो सफलता मिलने की संभावनाएं अधिक हैं।

सिंह राशि अच्छी सफलता मिल सकती है

गुरु का गोचर सिंह राशि के लोगों के ग्यारहवें भाव में होगा। इसके परिणाम स्वरूप आप अपने प्रयासों में अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे। अपने कार्यों में आप आसानी से सफलता हासिल कर लेंगे। करियर के क्षेत्र में यह समय आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आप अब आसानी से सफलता हासिल कर लेंगे। आपका अपने जीवनसाथी के साथ काफी अच्छा तालमेल देखने को मिलेगा।

कन्या राशि अच्छे अवसर मिलेंगे

करियर के मामले में देखे तो गुरु वक्री गोचर आपके लिए अच्छा रहने वाला है। गुरु का गोचर आपके 10वें भाव में होगा। ऐसे में आपको खुद पर विशेष ध्यान देना होगा ताकि आप अच्छी सफलता हासिल कर सकें। इस दौरान आप रिश्तों को मजबूत और सही ढंग से विकसित करने में सफल रहेंगे। करियर के लिहाज से बात करें तो आपको अच्छे अवसर प्राप्त होंगे।

तुला राशि भाग्य नहीं देगा साथ

गुरु गोचर कन्या राशिवालों के 9वें भाव में होने जा रहा है। ऐसे में आपको भाग्य का कम ही साथ मिलेगा। जिससे विकास की गति थोड़ी धीमी पड़ सकती है। साथ ही यात्राओं में रुकावट या परेशानियां भी सामने आ सकती हैं। करियर में आपको काफी रुकावट का सामना करना पड़ सकता है। आप अपनी आर्थिक स्थिति से पूर्ण रूप से संतुष्ट नहीं रह पाएंगे।

वृश्चिक राशि भाग्य नहीं देगा साथ

गुरु का गोचर वृश्चिक राशि के लोगों के लिए आठवें भाव में होगा। ऐसे में आपकी रुचि आध्यात्मिकता में बढ़ेगी। आपको अचानक ही धन लाभ भी मिल सकता है। करियर के क्षेत्र में देखें तो आप पर काम का दबाव काफी ज्यादा रहने वाला है। आर्थिक मोर्चे पर देखें तो आपकी आमदनी मध्यम स्तर पर रहेगी। आपको सलाह है कि धैर्य और संयम से काम लें विशेष रूप से अपने जीवनसाथी से बात करते समय।

धनु राशि जीवनसाथी का रखें ख्याल

गुरु का गोचर धनु राशिवालों के सातवें भाव में होगा। ऐसे में इस दौरान आपको काफी ज्यादा यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। जो लोग विदेश से जुड़े कामकाज करते हैं उन्हें कई सुनहरे मौके मिल सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी के साथ खुशियां साझा करने में कामयाब रहेंगे। आपको अपने जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है।

मकर राशि मेहनत का मिलेगा फल

गुरु का गोचर आपके छठें भाव में होने जा रहा है। ऐसे में आपको सफलता पाने के लिए काफी ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। आपकी इस दौरान दूसरी की मदद करने और उनकी सेवा करने में अधिक रुचि रहेगी। व्यापारियों को पैतृक संपत्ति आदि से अच्छा मुनाफा मिल सकता है। आप अपने जीवनसाथी के साथ ईमानदारी से विचार साझा करेंगे। आप अपनी ईमानदारी और लगन से अच्छा सफलता हासिल करेंगे।

कुंभ राशि भविष्य की रहेगी चिंता

गुरु का गोचर कुंभ राशि के लोगों के लिए पांचवे भाव में होने वाला है। ऐसे में आप अपने बच्चों को भविष्य को लेकर काफी चिंतित रहेंगे। हालांकि, इस अवधि में आपकी कुछ अधूरी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं। व्यापारियों को इस दौरान थोड़ा संभलकर रहना होगा। आपको लापरवाही करने सा नुकसान हो सकता है। बच्चों की सेहत आपको थोड़ा परेशान कर सकती है।

मीन राशि संपत्ति से जुड़ी समस्याएं रहेंगी

गुरु गोचर मीन राशिवालों के चौथे भाव में होगा। आपको इस दौरान संपत्ति से जुड़ी कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान आपके कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपको पैरों और कंधे में दर्द की शिकायत हो सकती है। साथ ही आप अपने जीवनसाथी के साथ खुशियां भी साझा नहीं कर पाएंगे। साथ ही आपके घर परिवार में शुभ कार्य भी नहीं कर पाएंगे।

घर की इस दिशा में लगा आईना बना देगा कंगाल, जानिए क्या कहता है वास्तु शास्त्र

वास्तु शास्त्र में घर को अत्यंत महत्व दिया गया है। घर में रखे हर सामान का घर में रहने वाले लोगों पर अलग–अलग प्रभाव पड़ता है। घर के आईने को वास्तु शास्त्र में बेहद ही महत्वपूर्ण माना गया है। घर में रखा शीशा सिर्फ देखने के लिए ही नहीं होता, बल्कि यह घर की ऊर्जा को भी प्रभावित करता है। कई बार लोग घर को सजाने के लिए भी घर में बड़े–बड़े आईने खरीदकर जहां जगह दिखे वहीं पर रख देते हैं, लेकिन वास्तु मान्यताओं के अनुसार इसे हर दिशा में नहीं लगाना चाहिए। गलत दिशा में लगा हुआ आईना जीवन में कई प्रकार की बाधाएं और नकारात्मक परिस्थितियां उत्पन्न कर सकता है।

वास्तु के अनुसार, घर में गोल आकार के आईने का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसे अशुभ माना जाता है। यह मानसिक भ्रम और जीवन में अस्थिरता पैदा करता है। इसके बजाय, आयताकार या वर्गाकार आईने शुभ माने जाते हैं जो घर में स्थिरता और संतुलन लाते हैं। आईने का आकार ही नहीं, बल्कि उसे लगाने की दिशा भी बहुत महत्वपूर्ण होती है। जैसे, उत्तर दिशा में लगा आयताकार या वर्गाकार आईना वित्तीय विकास को बढ़ावा देता है।

इन दिशाओं में न लगाएं आईना

वास्तु शास्त्र के अनुसार, दक्षिण दिशा, पश्चिम दिशा और दक्षिण–पूर्व की दीवारों पर आईना लगाना बेहद अशुभ माना जाता है। कहा जाता है कि इन दिशाओं में लगा शीशा घर की ऊर्जा को असंतुलित कर देता है और घर के सदस्यों में तनाव, विवाद और मानसिक बेचैनी पैदा हो सकती है। यदि आपके घर या ऑफिस में पहले से इन दिशाओं में आईना लगा हुआ है, तो इसे तुरंत हटा दें। अगर किसी कारणवश आईना हटाना संभव नहीं है, तो उसे कपड़े से ढककर रख दें।

किस दिशा में लगाएं शीशा?

वास्तु के अनुसार, दक्षिण और पश्चिम दिशाएं स्थिरता, शक्ति और नियंत्रण का प्रतीक मानी जाती हैं। इन दिशाओं में आईना लगाने से यह अस्थिर हो जाती है। इससे से घर में कलह और विवाद बढ़ने लगते हैं। ऐसे में परिवार के सदस्यों के खर्च बढ़ते हैं और धीरे–धीरे कंगाल होने तक की नौबत आ जाती है। घर की उत्तर दिशा में लगा आयताकार या वर्गाकार आईना वित्तीय विकास को बढ़ावा देता है।

टूटा हुआ शीशा न रखें घर में

वास्तु में टूटे हुए शीशे को अत्यंत अशुभ माना गया है। ऐसा माना जाता है कि टूटे हुए आईने से नकारात्मक ऊर्जा निकलती है। इससे आर्थिक वृद्धि रुक सकती है और जीवन में परेशानियां बढ़ने लगती हैं। इसलिए टूटे हुए शीशे को घर में रखने के बजाय तुरंत बाहर फेंक देना चाहिए।

पौष माह की संकष्टी चतुर्थी कल जानें पूजा विधि और शुभ मुहूर्त

हिन्दू धर्म में भगवान गणेश को प्रथम पूजनीय देवता माना गया है। किसी भी मंगल कार्य की शुरुआत गणेश पूजा के बिना अधूरी मानी जाती है। भगवान गणेश की कृपा पाने के लिए संकष्टी चतुर्थी को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। पंचांग के अनुसार, हर महीने दो बार चतुर्थी तिथि आती हैं। पूर्णिमा के चौथे दिन पड़ने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है, जबकि अमावस्या के बाद आने वाली चतुर्थी विनायक चतुर्थी कहलाती है। इस दिन व्रत करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं और घर में शांति बनी रहती है।

चतुर्थी के दिन गौरी पुत्र गणेश जी की पूजा करने से समस्त कष्ट दूर होते हैं और व्यक्ति को सुख, शांति और सफलता प्राप्त होती है। इस दिन सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक उपवास रखा जाता है और रात को चंद्रमा के दर्शन के बाद व्रत खोला जाता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार, पौष माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 7 दिसंबर 2025 को शाम 6 बजकर 24 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 8 दिसंबर 2025 को शाम 4 बजकर 03 मिनट पर समाप्त हो जाएगी।

संकष्टी चतुर्थी पर शुभ मुहूर्त

संकष्टी चतुर्थी को पूरे विधि–विधान से शुभ मुहूर्त में भगवान गणेश की पूजा की जाती है। इस दिन पूजा के लिए सुबह 8 बजकर 19 मिनट से दोपहर 1 बजकर 31 मिनट तक शुभ मुहूर्त है। वहीं शाम को 5 बजकर 24 मिनट से रात 10 बजकर 31 मिनट तक शुभ मुहूर्त रहेगा। चतुर्थी का चांद रात 7.55 मिनट पर निकलेगा. इस दिन चंद्रोदय का समय लगभग रात 07 बजकर 55 मिनट रहेगा।

संकष्टी चतुर्थी पूजा विधि

इस दिन सूर्योदय से पहले उठ कर स्नान कर साफ़ और धुले हुए कपड़े पहन लें।

इस दिन लाल रंग का वस्त्र धारण करना बेहद शुभ माना जाता है।

सबसे पहले भगवान गणेश को फूलों से अच्छी तरह से सजा लें।

इसके बाद गणेश जी को रोली लगाएं, फूल और जल अर्पित करें।

भगवान गणपति को तिल के लड्डू और मोदक का भोग लगाएं।

चांद के निकलने से पहले आप गणपति की पूजा करें और संकष्टी व्रत कथा का पाठ करें।

पूजा समाप्त होने के बाद प्रसाद बांटे।

रात को चांद देखने के बाद व्रत खोलें।

मंगल गोचर धनु राशि में, मेष सहित अन्य राशियों के लिए शुभ रहेगा नया साल

मंगल गोचर धनु राशि में 7 दिसंबर को होने जा रहा है। मंगल का गुरु की राशि धनु में गोचर कई राशियों के लिए शुभ फलदायी साबित होगा। इसी के साथ आदित्य मंगल राजयोग का निर्माण भी होगा। क्योंकि, धनु राशि में सूर्य भी मौजूद रहेंगे। वहीं, धनु राशि में शुक्र और बुध भी पहुंच जाएंगे। इसी के साथ धनु राशि पर गुरु की दृष्टि भी रहेगी जिससे सभी ग्रहों के प्रभाव में और भी सकारात्मकता आएगी। साथ ही मंगल, सूर्य के साथ साथ गुरु भी शुभ फल देंगे। मंगल गोचर से साल 2026 की शुरुआत से मेष, मिथुन सहित 5 राशियों को करियर में सफलता के साथ साथ आर्थिक लाभ मिलने के भी योग हैं। आइए जानते हैं मंगल गोचर से किन–किन राशियों को अच्छा लाभ मिलने वाला है। जानें मंगल गोचर से किन–किन राशियों को लाभ मिलने वाला है।

मेष राशि बड़ा लाभ मिल सकता है

मंगल का गोचर मेष राशिवालों के नौवें भाव में होने जा रहा है। इस अवधि में मेष राशि के जातकों को वाहन का सुख मिल सकता है। साथ ही अगर कोर्ट कचहरी से संबंधित मामलों में आपको अच्छा लाभ मिल सकता है। इस राशि के जो लोग सोना चांदी से जुड़े कारोबार करते हैं उन्हें अच्छी लाभ मिलेगा। होटल से संबंधित कारोबार करने वालों को बड़ी मात्रा में आर्थिक लाभ मिलने के योग हैं।

मिथुन राशि मिलेगी बड़ी सफलता

मंगल के गोचर से मिथुन राशि के जातकों के लिए करियर में बड़ी सफलता लेकर आएगा। मंगल के इस गोचर से मिथुन राशिवालों का समसप्तक योग बनेगा। इस अवधि में आपको धार्मिक यात्राओं से अच्छा लाभ मिलेगा। साथ ही कहीं तीर्थ यात्रा पर जाना हो सकता है। जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। कामकाज के सिलसिले में आपको विदेश जाने का मौका भी मिल सकता है। यहां आपको कुछ ऐसे अवसर मिलेंगे जो आपके जीवन में ढेर सारी खुशियां लेकर आएगा।

सिंह राशि कमाई बहुत अच्छी रहेगी

मंगल का गोचर सिंह राशिवालों के पांचवे भाव में होगा। मंगल का गोचर सिंह राशि के लोगों के लिए सकारात्मक और खुशियों से भरा रहना वाला है। आपके घर में कोई शुभ कार्य हो सकता है। साथ ही परिवार में ढेर सारी खुशियां रहेंगी और आप अच्छा धार्मिक माहौल का अनुभव कर पाएंगे। आप अध्यात्म की तरफ आकर्षित होंगे। आर्थिक जीवन की बात करें तो इस समय आपकी कमाई बहुत ही अच्छी रहेगी। नौकरीपेशा वर्ग के लोग नई उपलब्धियां पा सकते हैं। जो लोग निवेश करते हैं उनके लिए समय काफी अच्छा रहने वाला है। सेहत में भी सुधार होगा।

धनु राशि करियर में मिलेगी खूब सराहना

मंगल का धनु राशिवालों के पहले भाव में होने जा रहा है। इसी के फलस्वरूप आप इस दौरान अपने बच्चे के भविष्य और धार्मिक आध्यात्मिक बातों को लेकर ज्यादा सोच सकते हैं। आपको करियर में अपने काम के लिए खूब सराहना मिलेगी। आपके कामकाज की तारीफ की जाएगी। आप व्यापार के सिलसिले में यात्रा पर भी जा सकते हैं। आर्थिक जीवन के लिहाज से देखे तो आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। बात करें आपकी लव लाइफ की तो आपके अपने जीवनसाथी के साथ रिश्ते पहले से बेहतर होंगे। जीवनसाथी के बीच प्यार और समझदारी बनी रहेगी। इस दौरान आप खुद को स्वस्थ और मजबूत महसूस करेंगे।

मीन राशि मेहनत का फल मिलेगा

मीन राशि के लोगों के लिए मंगल का गोचर दसवें भाव में होगा। ऐसे में मीन राशि के लोगों को अपनी मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। साथ ही नौकरी में बदलाव करने का मन बना रहें है तो आपको उसमें सफलता मिल सकती है। साथ ही आपको जमीन जायदाद का सुख भी मिलेगा। व्यापारी वर्ग के लोग अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकलेंगे और अच्छा नाम और मुनाफा कमाएंगे।

वसुमान योग से कर्क, सिंह सहित कई राशियां बनेंगी धनवान

आज यानी 6 दिसंबर 2025, शनिवार को चंद्रमा के मिथुन राशि में रहने और चंद्रमा से छठे भाव में शुक्र और बुध का गोचर हो रहा है। इस शुभ संयोग से वसुमान योग का निर्माण हो रहा है। इस योग के प्रभाव से जातक की वाणी मधुर होती है और निर्णय क्षमता बेहतर रहती है। व्यापार से जुड़े लोगों के लिए यह योग लाभदायक अवसर लेकर आएगा। बुध और शुक्र का छठे भाव में होने से विरोधियों पर विजय मिलेगी और रुकावटें दूर होंगी। यह योग कर्क, सिंह सहित कई राशियों के लिए धन लाभ और सफलता लेकर आएगा।

मेष – मेष राशि के जातकों को जीवन साथी का सहयोग और सानिध्य प्राप्त होगा। राशि का स्वामी मंगल–पाप ग्रहों की संगति में है। ऐसे में कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। पंचम भाव दूषित होने के कारण संतान पक्ष से निराशा जनक समाचार मिल सकता है। सायंकाल के समय कोई रुका काम बनने की संभावना है। रात्रि के समय प्रियजनों से भेंट होगी। इस दौरान मौज–मस्ती और मनोरंजन में आपका समय बीतेगा।

वृष –आज का दिन वृष राशि वालों का संतोष और शांति से गुजरने वाला है। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का आपको लाभ मिलता हुआ दिख रहा है। नए अनुबंधों के द्वारा पद, प्रतिष्ठ में वृद्धि होगी। रात्रि में कुछ अप्रिय व्यक्तियों से मिलने से अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। संतान पक्ष से कुछ राहत मिल सकती है।

मिथुन –मिथुन राशि के जातकों का दिन आज थोड़ा परेशान करने वाला दिख रहा है। राशि स्वामी की व्यग्रता के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की संभावना बनी रहेगी। संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा। सायं काल में कोई रुका कार्य पूरा होगा। रात्रि में उत्साहवर्धक मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

कर्क – कर्क राशि द्वादश भाव में चंद्रमा उत्तम संपत्ति का संकेत दे रहा है। आज के दिन आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य–मान–प्रतिष्ठा में वृद्धि होती दिख रही है। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभदायक रहेगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक प्रिय व्यक्तियों का दर्शन व शुभ समाचार मिलेगा।

सिंह – राशि का स्वामी सूर्य मित्र ग्रहों के बीच में आ गया है। ऐसे में सिंह राशि के जातकों की आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको समाज में सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगी। सूर्य के कारण अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। इस दौरान आंखों से जुड़ी समस्या होने की संभावना है। आपके शत्रु आपस में लड़कर ही नष्ट हो जाएंगे।

कन्या – कन्या का राशि स्वामी बुध सुख की वृद्धि कर रहा हैं। ऐसे में रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी आज आपको संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदमों में जीत आपके लिए खुशी का कारण बन सकती है। शुभ खर्चा व कीर्ति की वृद्धि होगी।

तुला – आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन–देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा। विरोधियों की पराजय होगी। हालांकि, इस दिन पास व दूर की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित हो जाएगा। जीवनसाथी के साथ रिश्ते गहरे और मजबूत होंगे।

वृश्चिक – आपकी राशि से एकादश–द्वादश त्रिग्रही योग अभी कुछ दिन और चलेगा। इसके फलस्वरूप कुछ आंतरिक विकार आपको परेशान कर सकते हैं। आज का दिन इस सबकी जांच कराने का है। अच्छा रहेगी कि आज किसी अच्छे डॉक्टर से इस विषय में सलाह मशविरा कर लें। रोग की अवस्था में भी आपका चलना फिरना काफी ज्यादा होता दिख रहा है।

धनु – आज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। धनु राशि के जातकों को शासन और सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ मिलता हुआ दिख रहा है। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है। सायंकाल से लेकर रात्रि तक का समय सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने में बीतेगा।

मकर –आज मकर राशि के जातकों को पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास लाभदायक साबित होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा। सायंकाल के समय किसी झगड़े विवाद में न पड़ें। रात्रि में प्रिय अतिथियों के स्वागत का योग बना रहेगा। माता–पिता का विशेष ध्यान रखें।

कुंभ – आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि अब मार्गी चल रहा है। ऐसे में बिना वजह के विवाद उतपन्न हो सकते हैं। इस दौरान अपनी बुद्धि द्वारा किए कार्यों में हानि और निराशा हो सकती है। कोई विपरीत समाचार सुनकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। इसलिए सावधान रहें और झगड़े या विवाद से बचें।

मीन – आज का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। दांपत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। बहनोई और साले से आज लेन–देन न करें सम्बन्ध खराब होने का खतरा है। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्चा हो सकता है। यात्रा में सावधान अवश्य रहें। बृहस्पति का त्रिकोण योग मूल्यवान वस्तुएं चोरी करा सकता है।

संपादकीय

मुनीर का क्या होगा?

पाकिस्तान के तनाव, संकट और विस्फोटक हमलों के सिलसिले अभी थमे नहीं हैं। फिलहाल यह अच्छी खबर सामने आई है कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जिंदा हैं। उनसे 20 मिनट की मुलाकात के बाद बहिन डॉ. उज़्मा खानुम ने पुष्टि की कि उनकी सेहत ठीक लगती है, लेकिन उन्हें मानसिक प्रताडऩा दी जा रही है। उन्हें लगभग पूरा दिन जेल के 'सेल' में बंद, अकेले रखा जाता है। किसी से कोई बातचीत नहीं, लिहाजा इमरान बहुत गुस्से में हैं। इन हालात के लिए उन्होंने आसिम मुनीर को दोषी करार दिया है। बहरहाल पाकिस्तान की सियासी, फौजी, हुकूमती पटकथा यहीं समाप्त नहीं होती, बल्कि यहां से नया मोड़ लेती है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ही संसद में 27वां संविधान संशोधन पारित कराया था और फील्ड मार्शल मुनीर के लिए 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस' (सीडीएफ) का नया पद सृजित किया था। मुनीर को पाकिस्तान का 'नया तानाशाह' बनाने की प्रक्रिया थी, क्योंकि संविधान संशोधन के बाद उन्हें राष्ट्रपति से भी ताकतवर बनाया जाना था। उन्हें सेनाओं का 'नया सुप्रीम कमांडर' भी बनाया जाना था। उनके खिलाफ कोई अदालती, कानूनी केस दायर नहीं किया जा सकता, ऐसी छूट भी उन्हें दी जानी थी, लेकिन मुनीर प्रशासनिक तौर पर 'तानाशाह' एक सरकारी अधिसूचना जारी होने के बाद ही बन पाते। प्रधानमंत्री शहबाज और उनके बड़े भाई, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने खेला करा दिया। मुनीर यह खेला समझ नहीं पाए अथवा इससे बड़ा खेला उन्होंने सोच रखा है! मुनीर सेना प्रमुख के पद से 29 नवंबर को रिटायर हो गए और सीडीएफ की अधिसूचना जारी नहीं हुई, क्योंकि प्रधानमंत्री शहबाज बहरीन, यमन के प्रवास के बाद लंदन चले गए। वहां तीन दिन रहे। कहा जाता है कि वहां उन्होंने अपने मेडिकल टेस्ट कराए। पाकिस्तान लौटे, तो लाहौर में उतरे और बड़े भाई नवाज के साथ गुफ्तगू की। उसी दौरान मुनीर को लेकर रणनीति तय की गई, क्योंकि 'तानाशाह' बनाने की आलोचना दुनिया भर में हो रही है। यह मामला संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के स्तर पर उठाया गया। रूस और चीन ने भी आगाह किया, क्योंकि वे किसी भी कीमत पर अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत को हटा कर अमरीका का दोबारा हस्तक्षेप नहीं चाहते। चूंकि मुनीर विधिवत रूप से रिटायर हो गए और नई नियुक्ति तय नहीं हुई, लिहाजा संवैधानिक और सरकारी तौर पर मुनीर आज किसी भी पद पर नहीं हैं। प्रधानमंत्री शहबाज इस्लामाबाद भी लौट आए, लेकिन मंगलवार रात्रि तक उन्होंने सीडीएफ की फाइल पर दस्तखत नहीं किए थे, लिहाजा अधिसूचना भी जारी नहीं की जा सकी। प्रधानमंत्री ने मुनीर से मुलाकात भी नहीं की। क्या इसके मायने साफ हैं कि मुनीर के 'तानाशाह' बनने के मंसूबे अधर में ही लटक कर रह गए हैं? पाकिस्तान के अनुभवी पत्रकारों और हुकूमत के अंदरूनी जानकारों के दावे हैं कि अब नवाज शरीफ प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं। उपचुनावों में उनकी पार्टी ने छह में से 5 सीटें जीत ली हैं। नवाज ने मुनीर की नई नियुक्ति के लिए शर्त रखी है कि इमरान खान को खत्म किया जाए अथवा देशनिकाला देकर विदेश जाने को बाध्य किया जाए, ताकि उनके प्रधानमंत्री बनने का रास्ता निष्कंटक हो सके। मुनीर का कहना है कि यह इतना आसान नहीं है। इमरान को तोडऩा लगभग असंभव है। हालांकि उसके खिलाफ कई और मामले ऐसे हैं, जिनमें लंबी सजा हो सकती है। इमरान के समर्थन में पाकिस्तान की अवाम का सैलाब किस कदर सडक़ों पर है, यह शरीफ भाई और मुनीर दोनों ही पक्ष देख रहे हैं। ऐसे में इमरान का बाल भी बांका किया गया, तो पाकिस्तान में 'आग' और हिंसा के बेकाबू हालात होंगे। गृहयुद्ध के आसार बने ही हुए हैं। यह आकलन पाकिस्तान की हुकूमत ने भी किया है। अब मुनीर के सामने सीमित विकल्प हैं। सवाल है कि क्या मौजूदा हालात में वह शहबाज शरीफ का तख्तापलट कर सकेंगे? फौज में ही कई अंतर्विरोध हैं। नौसेना और वायुसेना प्रमुख भी अंदरूनी तौर पर मुनीर के खिलाफ हैं और सीडीएफ को लेकर वे हुकूमत से अपना विरोध भी जता चुके हैं। क्या मुनीर का तख्तापलट का प्रयास कामयाब होगा।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ही संसद में 27वां संविधान संशोधन पारित कराया था और फील्ड मार्शल मुनीर के लिए 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस' (सीडीएफ) का नया पद सृजित किया था। मुनीर को पाकिस्तान का 'नया तानाशाह' बनाने की प्रक्रिया थी, क्योंकि संविधान संशोधन के बाद उन्हें राष्ट्रपति से भी ताकतवर बनाया जाना था। उन्हें सेनाओं का 'नया सुप्रीम कमांडर' भी बनाया जाना था। उनके खिलाफ कोई अदालती, कानूनी केस दायर नहीं किया जा सकता, ऐसी छूट भी उन्हें दी जानी थी, लेकिन मुनीर प्रशासनिक तौर पर 'तानाशाह' एक सरकारी अधिसूचना जारी होने के बाद ही बन पाते। प्रधानमंत्री शहबाज और उनके बड़े भाई, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने खेला करा दिया। मुनीर यह खेला समझ नहीं पाए अथवा इससे बड़ा खेला उन्होंने सोच रखा है! मुनीर सेना प्रमुख के पद से 29 नवंबर को रिटायर हो गए और सीडीएफ की अधिसूचना जारी नहीं हुई, क्योंकि प्रधानमंत्री शहबाज बहरीन, यमन के प्रवास के बाद लंदन चले गए। वहां तीन दिन रहे। कहा जाता है कि वहां उन्होंने अपने मेडिकल टेस्ट कराए। पाकिस्तान लौटे, तो लाहौर में उतरे और बड़े भाई नवाज के साथ गुफ्तगू की। उसी दौरान मुनीर को लेकर रणनीति तय की गई, क्योंकि 'तानाशाह' बनाने की आलोचना दुनिया भर में हो रही है। यह मामला संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के स्तर पर उठाया गया। रूस और चीन ने भी आगाह किया, क्योंकि वे किसी भी कीमत पर अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत को हटा कर अमरीका का दोबारा हस्तक्षेप नहीं चाहते।

पुतिन की भारत यात्राः तेल की धार पर कूटनीति की तलवार

ट्रंप टैरिफ के साये में पुतिन की भारत यात्रा

योगेश कुमार गोयल

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की 4-5 दिसम्बर की दो दिवसीय भारत यात्रा केवल एक प्रोटोकॉल विजिट नहीं बल्कि भू-राजनीति के नए शतरंज पर चली जाने वाली निर्णायक चाल मानी जा रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, रूस पर पश्चिमी प्रतिबंध और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत तक बढ़ाए गए टैरिफ के बीच यह यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है। सोवियत दौर से लेकर आज के रूस तक, मास्को भारत का सबसे स्थायी रणनीतिक साझेदार रहा है, 1971 के युद्ध में कूटनीतिक बैकिंग से लेकर दशकों तक हथियारों, मिसाइलों और परमाणु ऊर्जा सहयोग तक लंबा इतिहास गवाह है। आज भी अनुमानतः 60-70 प्रतिशत भारतीय सैन्य प्लेटफॉर्म (फाइटर जेट, टैंक, पनडुब्बियां, एयर-डिफेंस सिस्टम इत्यादि) किसी न किसी रूप में रूसी मूल के हैं लेकिन 2022 के बाद समीकरण बदल गए हैं। यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद रूस ने तेल एशियाई बाजारों की ओर भारी छूट पर मोड़ दिया और भारत रातों-रात रूस के सबसे बड़े तेल ग्राहकों में बदल गया। 2021 में जहां रूसी तेल भारत के कुल आयात का मुश्किल से 1-2 प्रतिशत था, वहीं 2024 तक यह हिस्सेदारी 30-35 प्रतिशत तक जा पहुंची और रूस भारत का शीर्ष कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया। यही ऊर्जा समीकरण आज भारत-रूस व्यापार का मेरुदंड है। द्विपक्षीय व्यापार महामारी-पूर्व लगभग 10-13 अरब डॉलर से उछलकर करीब 70 अरब डॉलर तक जा पहुंचा लेकिन इसका बड़ा हिस्सा केवल तेल और ऊर्जा आयात है जबकि भारत का रूस को निर्यात लगभग 5 अरब डॉलर के आसपास सिमटा हुआ है। ट्रंप प्रशासन ने रूसी तेल की खरीद को बहाना बनाकर भारत के ऊपर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ थोप दिए, जिससे कई आइटम्स पर कुल ड्यूटी 50 प्रतिशत तक जा पहुंची। तर्क यह कि भारत सस्ते रूसी तेल के जरिए 'मॉस्को की वॉर मशीन को फंड' कर रहा है। नतीजा यह कि भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार और महंगा तथा अनिश्चित हो गया। स्पष्ट है कि यह सिर्फ व्यापारिक व्यवस्था नहीं, राजनीतिक दबाव का औजार भी है। सवाल यह नहीं कि भारत रूस से तेल खरीदे या नहीं बल्कि सवाल यह है कि क्या वाशिंगटन किसी तीसरे देश को चुनकर उसकी ऊर्जा और रणनीतिक आजादी पर शर्तें तय कर सकता है और दिल्ली इसे कितनी दूर तक सहन करेगी। पुतिन की यह यात्रा इसी टैरिफ-दबाव की पृष्ठभूमि में हो रही है। अमेरिका खुलकर चाहता है कि भारत रूसी तेल पर निर्भरता घटाए, साथ-साथ अमेरिकी हथियार और उत्पादों के लिए अपने बाजार और ज्यादा खोले। भारत को अब यह संतुलन बेहद बारीकी से साधना है और यही इस शिखर मुलाकात की असली कसौटी होगी। कच्चे तेल पर शुरुआती 'जबरदस्त छूट' अब सिकुड़कर मामूली मार्जिन तक आ गई है। ऐसे में केवल 1.5-2 डॉलर प्रति बैरल के लाभ के लिए भारत अपनी छवि को 'युद्ध फाइनेंसर' की तरह पेश नहीं होने दे सकता, यह बात दिल्ली और मॉस्को, दोनों को समझनी होगी।

रूस-यूक्रेन युद्ध, रूस पर पश्चिमी प्रतिबंध और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत तक बढ़ाए गए टैरिफ के बीच यह यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है। सोवियत दौर से लेकर आज के रूस तक, मास्को भारत का सबसे स्थायी रणनीतिक साझेदार रहा है, 1971 के युद्ध में कूटनीतिक बैकिंग से लेकर दशकों तक हथियारों, मिसाइलों और परमाणु ऊर्जा सहयोग तक लंबा इतिहास गवाह है। आज भी अनुमानत: 60-70 प्रतिशत भारतीय सैन्य प्लेटफॉर्म (फाइटर जेट, टैंक, पनडुब्बियां, एयर-डिफेंस सिस्टम इत्यादि) किसी न किसी रूप में रूसी मूल के हैं लेकिन 2022 के बाद समीकरण बदल गए हैं। यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद रूस ने तेल एशियाई बाजारों की ओर भारी छूट पर मोड़ दिया और भारत रातों-रात रूस के सबसे बड़े तेल ग्राहकों में बदल गया।

ऊर्जा सहयोग जरूरी है पर शर्तों पर पुनर्विचार भी उतना ही जरूरी है, दीर्घकालिक व पारदर्शी तेल-समझौते, कीमत, बीमा, शिपिंग और भुगतान पर साफ फार्मूला, ताकि हर तिमाही पर भू-राजनीति के हिसाब से अनिश्चितता न बनती रहे। एलएनजी, कोयला और परमाणु ऊर्जा में भी संतुलित साझेदारी जरूरी है, कुडनकुलम जैसे प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ें, नए रिएक्टरों पर स्पष्ट टाइमलाइन बने ताकि सहयोग केवल कच्चा तेल तक सीमित न रहे। ऊर्जा भारत के लिए जीवनरेखा है लेकिन यह रिश्ता तभी टिकाऊ होगा, जब इसके बदले में भारत को भी रूस के बाजार में वास्तविक और बड़े पैमाने पर जगह मिले, केवल भावनात्मक दोस्ती के भरोसे नहीं। आज की हकीकत यह है कि भारत रूस से कच्चा तेल, गैस, कोयला, उर्वरक और हीरे का भारी आयात करता है जबकि बदले में दवाएं, कुछ मशीनरी, केमिकल और सीमित उपभोक्ता वस्तुएं ही भेज पाता है। नतीजा यह कि रूस से आयात 60 अरब डॉलर से ज्यादा और रूस को निर्यात महज 5 अरब डॉलर के आसपास है। ऐसे में तमाम दिग्गज विश्लेषकों का मानना है कि दिल्ली को पुतिन के सामने दो टूक बात रखनी होगी कि हम केवल 'तेल आयातक' नहीं रह सकते। रूस को फार्मा, हैल्थकेयर इक्विपमेंट, आईटी सर्विसेज, ऑटो पार्ट्स, कृषि-उद्यानिक उत्पाद, मसाले, चाय-कॉफी, प्रोसेस्ड फूड, मोबाइल-इलैक्ट्रॉनिक्स और प्रोफैशनल सर्विसेज के लिए भारत को प्राथमिक सप्लायर बनाना होगा। आज रूस अपनी ज्यादातर नॉन-एनर्जी जरूरतों के लिए चीन की ओर देखता है, वहां प्रोडक्ट सस्ते हैं, लॉजिस्टिक नेटवर्क पुराना और मजबूत है लेकिन भारत को अपने 'डिमांड कार्ड' का इस्तेमाल करके मॉस्को को यह संदेश देना होगा कि यदि भारत रूसी ऊर्जा और हथियारों के लिए खुला बाजार बना रहता है तो बदले में रूस को भी भारतीय सामान और सेवाओं के लिए अपने बाजार को संरचनात्मक रूप से खोलना पड़ेगा। यही संतुलन भारत को अमेरिकी टैरिफ-दबाव से आंशिक राहत दिला सकता है। जब रूस भारत से बड़े पैमाने पर आयात बढ़ाएगा, तब कम से कम एक धुरी पर भारतीय निर्यातकों के लिए नया और अपेक्षाकृत सुरक्षित बाजार बनेगा। रूस के साथ रक्षा सहयोग इस यात्रा का दूसरा बड़ा स्तंभ होगा। भारत ने एस-400 एयर-डिफेंस सिस्टम के लिए 2018 में समझौता किया, तीन स्क्वाड्रन मिल चुके हैं, दो की सप्लाई अभी बाकी है। यूक्रेन युद्ध, प्रोडक्शन प्रायोरिटी और लॉजिस्टिक बाधाओं के चलते डिलीवरी टाइमलाइन बार-बार खिसकती रही है। इसी तरह एसयू-30एमकेआई अपग्रेड, कलपुर्जों की सप्लाई, पनडुब्बियों और टैंकों के रखरखाव से जुड़े मुद्दे भी हैं। भारत अब एकल सप्लायर-निर्भरता से निकलकर फ्रांस, अमेरिका, इजराइल सहित कई स्रोतों से खरीद कर रहा है। इसका सीधा मतलब है कि रूस को क्लियर टाइमलाइन, पक्के सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट और जॉइंट प्रोडक्शन के ठोस प्रस्ताव देने होंगे और भारत को यह स्पष्ट संकेत देना होगा कि भरोसेमंद सप्लाई चेन और टैक्नोलॉजी ट्रांसफर ही तय करेगा कि अगली पीढ़ी के सौदों में रूस की हिस्सेदारी कितनी रहेगी। एसयू-57 जैसे पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट पर भी बात होगी लेकिन भारत अब किसी एक प्रोजेक्ट पर आंख मूंदकर दांव लगाने की स्थिति में नहीं है। यह संवाद तभी सार्थक होगा, जब रूस को भी यह समझ आ जाए कि भारत आज खरीदार से ज्यादा भागीदार बनना चाहता है। अमेरिकी वित्तीय प्रतिबंधों के बाद भारत-रूस व्यापार ने डॉलर से हटकर दिरहम, रुपये और युआन जैसे विकल्पों की ओर रुख किया है। आज कच्चे तेल के भुगतान का बड़ा हिस्सा यूएई दिरहम के जरिए निपटता है, कुछ हिस्सा रुपये में और कभी-कभार युआन में। यह व्यवस्था कागज पर आकर्षक लगती है, 'डी-डॉलराइजेशन' का नारा भी सुहावना लगता है लेकिन व्यवहार में इसमें तीन बड़ी समस्याएं हैं, निष्क्रिय रुपया बैलेंस, दिरहम पर निर्भरता और राजनीतिक जोखिम। रूस के पास जमा रुपया इस्तेमाल न होने पर यह भारत के लिए राजनीतिक व आर्थिक सिरदर्द बनता है। असल में हम डॉलर से निकलकर एक और मध्यस्थ मुद्रा पर निर्भर हो रहे हैं, जो खुद पश्चिमी वित्तीय व्यवस्था से जुड़ी है। किसी भी नए प्रतिबंध, सैकेंडरी सैंक्शन या पेमेंट रूल बदलने पर पूरी व्यवस्था हिल सकती है। या तो दोनों देश किसी स्थायी, स्पष्ट और कानूनन सुरक्षित पेमेंट फ्रेमवर्क पर सहमत हों या फिर ऊर्जा-सौदों को ऐसे कानूनी कवर में लाया जाए, जो बार-बार भू-राजनीतिक तूफानों में न डगमगाये। अमेरिका-यूरोप एक तरफ, रूस-चीन धुरी दूसरी तरफ, दुनिया नए तरह की शीत युद्ध जैसी ध्रुवीयता की ओर बढ़ती दिख रही है। भारत ने अब तक सफलतापूर्वक रणनीतिक स्वायत्तता की राह अपनाई है, क्वॉड में अमेरिका-जापान-ऑस्ट्रेलिया के साथ बैठकर भी और ब्रिक्स तथा एससीओ में रूस-चीन के साथ साझेदारी निभाकर भी लेकिन ट्रंप टैरिफ और यूक्रेन युद्ध के बाद दबाव अब ठोस आर्थिक लागत में बदल चुका है। यही वह मोड़ है, जहां भारत को अपने लिए कुछ बुनियादी सिद्धांत स्पष्ट करने होंगे। ऊर्जा सुरक्षा अनिवार्य है पर किसी एक स्रोत पर 35-40 प्रतिशत निर्भरता जोखिम है, रक्षा-सहयोग महत्वपूर्ण है पर एक सप्लायर पर लॉजिस्टिक निर्भरता राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिम बन चुकी है।

देश दुनिया से

चीनी चुनौती के मुकाबले की क्षमता पर जोर

वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारतीय नौसेना के विध्वंसक आईएनएस राजपूत ने 3 दिसम्बर, 1971 को देर रात विशाखापट्टनम के पास गाज़ी पनडुब्बी पर हमला करके उसे डुबो दिया। इसमें सभी सवार पाकिस्तानी नौसैनिक मारे गए। इसके अगले दिन 4 दिसम्बर, 1971 की रात को ऑपरेशन ट्राइडेंट शुरू किया गया। इस अभियान में भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के कराची नौसैनिक अड्डे पर आक्रमण करके उसे नष्ट कर दिया। इसमें भी अनेक पाकिस्तानी नौसैनिकों की जानें चली गईं, लेकिन भारत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इस युद्ध की समाप्ति के बाद अगले वर्ष मई, 1972 में वरिष्ठ नौसेना अधिकारी सम्मेलन हुआ, जिसमें 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान भारतीय नौसेना की उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। उसके बाद से भारतीय नौसेना की युद्धक तैयारियां लगातार जारी हैं। ऑपरेशन सिंदूर में भी नौसेना ने अपनी युद्धक तैयारियों को प्रदर्शित करते हुए त्वरित तैयारी, आक्रामक युद्धाभ्यास और हथियारों के सटीक उपयोग के साथ पाकिस्तानी नौसेना को उसके बंदरगाहों के भीतर ही सीमित कर दिया था। उत्तरी हिन्द महासागर में 'कैरियर बैटल ग्रुप' की मौजूदगी ने दबाव बनाकर यह सुनिश्चित किया कि पाकिस्तानी नौसेना अपने तट के समीप या अपने बंदरगाहों के भीतर ही बनी रहे। 'कैरियर बैटल ग्रुप' वह नौसैनिक समूह है जिसमें एक या उससे अधिक विमानवाहक पोत के साथ-साथ अन्य विध्वंसक युद्धपोत, फ्रिगेट और पनडुब्बियां शामिल होती हैं। आज भी भारतीय नौसेना समुद्री मार्गों की सुरक्षा के साथ-साथ समुद्री डकैती और अन्य आपात स्थितियों में कार्रवाई करके अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रही है। नौसेना की मुख्य संरचना तीन कमांड मुख्यालयों में विभाजित है। इनमें पूर्वी नौसेना कमांड का मुख्यालय विशाखापट्टनम में है और यह बंगाल की खाड़ी में संचालन का नियंत्रण करती है। दूसरी पश्चिमी नौसेना कमांड का मुख्यालय मुम्बई में है और यह अरब सागर में संचालन का नियंत्रण करती है, और तीसरी दक्षिणी नौसेना कमांड का मुख्यालय कोच्चि में है और यह प्रशिक्षण व तकनीकी कार्यों का संचालन व नियंत्रण करती है। वर्तमान में पाकिस्तान और चीन की रक्षा तैयारियों को देखते हुए भारतीय नौसेना को अत्यंत आक्रामक बनाया जा रहा है। हिन्द महासागर क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए भारतीय नौसेना का मुख्य फोकस रणनीतिक रूप से चीन की बढ़ती मौजूदगी का मुकाबला करने पर है। भारत की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के संदर्भ में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने चार नवम्बर, 2025 को कहा था कि नौसेना में हर 40 दिन में एक नया स्वदेशी युद्धपोत या पनडुब्बी शामिल की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके बल का लक्ष्य सन 2035 तक 200 से अधिक युद्धपोतों और पनडुब्बियों का संचालन करना है। वर्तमान में भारतीय नौसेना तकरीबन 145 युद्धपोतों और पनडुब्बियों का संचालन कर रही है। भारतीय नौसेना में मानवरहित नौका शामिल की जा रही हैं। इसका नाम मातंगी रखा गया है। इन नौकाओं से नौसेना की निगरानी क्षमता काफी बढ़ जाएगी। इन नौकाओं का निर्माण स्वदेशी कंपनी सागर डिफेंस कर रही है। अभी चार बोट शीघ्र मिलने की प्रक्रिया चल रही है। ऐसी कुल 12 बोट बनाई जा रही हैं। ये नौकाएं 60 से 65 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल सकती हैं तथा इन्हें सेटेलाइट से संचालित किया जा सकता है। भारतीय नौसेना ने समुद्री डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जैसी स्मार्ट तकनीक के परीक्षण में सफलता हासिल कर ली है। बीते दिनों नौसेना के कमांडर्स सम्मेलन में वाइस चीफ ऑफ नेवल स्टाफ वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन ने बताया कि नौसेना की स्मार्ट तकनीक का परीक्षण सफल रहा है। इस परीक्षण में एक मॉडिफाइड जहाज पर 15,000 से ज्यादा सेंसर और एक कंप्यूटिंग नोड लगाए गए थे। लगभग दो वर्षों तक अरब सागर तथा बंगाल की खाड़ी में इसके परीक्षणों के बाद अब अगले वर्ष से बनाए जाने वाले प्रत्येक युद्धपोत, फ्रिगेट्स और डेस्ट्रायर में यह तकनीक लगी होगी। अंतरिक्ष से भी अब भारतीय नौसेना दुश्मन की हर हरकत पर नजर रख सकेगी। इसके लिए इसरो ने 2 नवम्बर, 2025 को भारतीय नौसेना के लिए सीएमएस-03 (जीसैट-7आर) कम्युनिकेशन सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। यह उपग्रह नौसेना का अब तक का सबसे एडवांस्ड उपग्रह है। इसकी मदद से नौसेना को समुद्र में बेहतर संचार सुविधा और समुद्री क्षेत्र की निगरानी में बड़ी मदद मिलेगी। समंदर में भारत की ताकत बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक युद्ध क्षमताओं से लैस स्वदेशी युद्धपोत तारागिरी को 28 नवम्बर, 2025 को मुम्बई स्थित मझगांव डाक शिप बिल्डिंग लिमिटेड (एमडीएल) में भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया। प्रोजेक्ट-17ए श्रेणी के युद्धपोतों में पी-17 शिवालिक श्रेणी की तुलना में अत्याधुनिक हथियार और सेंसर सिस्टम लगाए गए हैं। इसमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल, एमएफएसटीएआर राडार, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, रॉकेट और तारपीडो शामिल हैं। इससे पहले स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस माहे 24 नवम्बर, 2025 को भारतीय नौसेना में कमीशन किया गया। भारत का तीसरा स्वदेशी सर्वेक्षण पोत आईएनएस 'इक्षक' बीते 6 नवम्बर को भारतीय नौसेना में शामिल हो चुका है। अब भारतीय नौसेना के पास तीन ऐसे जहाज हो गए हैं।

आप का नजरिया

बाण गंगा के घाट से

कांगड़ा शहर में बाण गंगा के घाट पर आरती तक पहुंचा नजरिया बताता है कि इस पर्यटन स्थल की जरूरत क्या और अमानत क्या। आश्चर्य यह कि यह किस्तों में उपलब्ध पर्यटन है और यह भी तब जब शहीद कैप्टन शैलेश रियालच फाउंडेशन ने डेढ़ करोड़ व प्रशासन ने बाकी वित्तपोषण करके पर्यटन की संभावना को अमृत पिलाया। ऐसे में योजनाओं का फलक अगर सार्थक हो, तो ऐसे संकल्प भी पूरे होते हैं। आश्चर्य यह कि कांगड़ा को मिले पर्यटन के कैबिनेट रैंक की दृष्टि में इस स्थान के लिए कोई योजना सामने नहीं आई। बाण गंगा घाट पूरे बाइपास के साथ एक समागम स्थल, जल पर्यटन, झूला पुल और फूड मार्ट के अलावा पार्किंग व बजट टूरिस्ट के लिए विविध सुविधाओं से सुसज्जित होना चाहिए। कांगड़ा में पर्यटन राजधानी का संगम विकसित करने के लिए बाण गंगा पर एक बड़ी परियोजना के साथ रेखांकन होना चाहिए, ताकि यहां पर घाट पर्यटन के तहत गणेश विसर्जन और छठ पूजा जैसे समारोहों का आयोजन भी हो सके। हिल स्टेशन और धार्मिक नगरियों के बाहर और तमाम हाई-वे पर ऐसे स्थलों का विकास ही पर्यटकों को अधिक समय तक हिमाचल में रोक सकता है। प्रदेश के कृषि व बागबानी विश्वविद्यालयों की बंजर हो रही जमीन पर वनस्पति या फूल पार्क बनाने चाहिएं। पालमपुर के सीएसआईआर ने ट्यूलिप गार्डन की छोटी सी शुरुआत को बड़े पर्यटन का न्यौता दे दिया, लेकिन कई वर्ष पूर्व धर्मशाला में सात करोड़ की लागत से निर्मित ट्यूलिप गार्डन में एक फूल भी नहीं उगा। बेहतर होगा इसे भी किसी सामाजिक संस्था, बिजनेस संस्थान या होटल चेन को दे दिया जाए ताकि, किए गए व्यय का कोई सार्थक परिणाम भी आए। हाई-वे पर्यटन के रूप में हिमाचल के वन, कृषि, बागबानी, जलशक्ति, विद्युत, ट्रांसपोर्ट, मत्स्य, वन्य प्राणी, कला-संस्कृति व प्रदूषण बोर्ड को भी सम्मिलित करना होगा। इन सभी विभागों को अपनी कुछ परियोजनाओं के तहत पर्यटन परिसर या संभावनाएं जोड़ लेनी चाहिएं। वन विभाग तो बिना किसी बड़ी लागत के भी कई ऐसे चरागाह पेश कर सकता है, जहां यात्रियों का विश्राम एक सुखद एहसास होगा। प्रदेश का विपणन बोर्ड स्थानीय उत्पादों से पर्यटक को रू-ब-रू कराने के लिए हाट बाजार बना सकता है, तो ग्रामीण विकास मंत्रालय अपनी आर्थिकी के आउटलेट पेश कर सकता है। बेशक बाण गंगा घाट परियोजना के द्वार खुलने से पर्यटन को देखने का नया विकल्प मिला है, लेकिन घाट की परिकल्पना ने अभी एक चौथाई काम किया है। यहां जलशक्ति विभाग उपलब्ध पानी के अधिकार में अपनी नौका चला सकता है। एक छोटी सी बांध परियोजना के साथ नहरों का संचालन, लिफ्ट इरिगेशन से किसान को सिंचाई की सहूलियत और पीने के पानी से शहर की हिफाजत के साथ-साथ इस खड्ड के किनारों की मजबूती और प्रबंधन की दृष्टि से एक टापू बीच में विकसित हो सकता है। कांगड़ा मंदिर ट्रस्ट अगर इस घाट परियोजना का प्रमुख पार्टनर बने, तो हिमाचल में कई मिनी हरिद्वारों का निर्माण संभव है। इसी कड़ी में कालेश्वर महादेव मंदिर सौंदर्यीकरण के तहत खर्च हो रहे 25.42 करोड़ राशि से काफी आशा की जा सकती है। मुख्यमंत्री अगले एक साल में हर विभाग को कम से कम एक परियोजना के तहत पर्यटन विकास का लक्ष्य दें, तो प्रदूषण बोर्ड भी बीबीएन के एक्यूआई के सामने कम से एक मनोरंजन पार्क तो विकसित कर ही सकता है। चिकित्सा विभाग किसी पर्यटक स्थल के अस्पताल को पूरी तरह हैल्थ टूरिज्म से जोड़ सकता है। आयुर्वेद विभाग की पंचकर्म सुविधाओं में प्रोफेशनल स्किल जुड़ जाए, तो हिमाचल आने वाले सैलानी को आबोहवा के दरिया में जड़ी-बूटियों के उत्पादों में पंचकर्म का सान्निध्य देने में सफल होगा। खेल विभाग अपने दायरे में खेल पर्यटन का महत्त्व समझे तो राष्ट्रीय आयोजनों के अलावा विभिन्न खेलों के प्रशिक्षण को युवा पर्यटन गतिविधि बना सकता है।

कांगड़ा में पर्यटन राजधानी का संगम विकसित करने के लिए बाण गंगा पर एक बड़ी परियोजना के साथ रेखांकन होना चाहिए, ताकि यहां पर घाट पर्यटन के तहत गणेश विसर्जन और छठ पूजा जैसे समारोहों का आयोजन भी हो सके। हिल स्टेशन और धार्मिक नगरियों के बाहर और तमाम हाई-वे पर ऐसे स्थलों का विकास ही पर्यटकों को अधिक समय तक हिमाचल में रोक सकता है। प्रदेश के कृषि व बागबानी विश्वविद्यालयों की बंजर हो रही जमीन पर वनस्पति या फूल पार्क बनाने चाहिएं। पालमपुर के सीएसआईआर ने ट्यूलिप गार्डन की छोटी सी शुरुआत को बड़े पर्यटन का न्यौता दे दिया, लेकिन कई वर्ष पूर्व धर्मशाला में सात करोड़ की लागत से निर्मित ट्यूलिप गार्डन में एक फूल भी नहीं उगा। बेहतर होगा इसे भी किसी सामाजिक संस्था, बिजनेस संस्थान या होटल चेन को दे दिया जाए ताकि, किए गए व्यय का कोई सार्थक परिणाम भी आए। हाई-वे पर्यटन के रूप में हिमाचल के वन, कृषि, बागबानी, जलशक्ति, विद्युत, ट्रांसपोर्ट, मत्स्य, वन्य प्राणी, कला-संस्कृति व प्रदूषण बोर्ड को भी सम्मिलित करना होगा। इन सभी विभागों को अपनी कुछ परियोजनाओं के तहत पर्यटन परिसर या संभावनाएं जोड़ लेनी चाहिएं। वन विभाग तो बिना किसी बड़ी लागत के भी कई ऐसे चरागाह पेश कर सकता है, जहां यात्रियों का विश्राम एक सुखद एहसास होगा। प्रदेश का विपणन बोर्ड स्थानीय उत्पादों से पर्यटक को रू-ब-रू कराने के लिए हाट बाजार बना सकता है, तो ग्रामीण विकास मंत्रालय अपनी आर्थिकी के आउटलेट पेश कर सकता है।

कुछ अलग

ज्ञान की जीत

पंजाब के गुजरांवाला जिले के मुरारीवाला ग्राम में जन्मे होनहार बालक रामतीर्थ की अध्ययन में गहरी रुचि थी। सन 1891 में पंजाब विवि की बी.ए. परीक्षा में पूरे प्रांत में पहला स्थान पाने पर उन्हें 10 रुपये मासिक छात्रवृत्ति भी दी गई। उन्होंने सर्वोच्च अंक प्राप्त करके एमए की परीक्षा भी उत्तीर्ण की। फिर उसी कॉलेज में गणित के प्रोफेसर बने रामतीर्थ में वैराग्य की भावना जाग्रत हुई और 1901 में उन्होंने लाहौर छोड़कर टिहरी गढ़वाल के कोटी ग्राम में शाल्माली वृक्ष के नीचे ईश्वरीय साधना शुरू की। फिर वे प्रोफेसर रामतीर्थ से स्वामी रामतीर्थ बने। एक बार टिहरी रियासत के तत्कालीन नास्तिक नरेश कीर्तिशाह, स्वामी रामतीर्थ से वाद-विवाद करने आए। स्वामी रामतीर्थ की शांति, तात्विक ज्ञान और तर्कपूर्ण बातों के सामने नरेश की सारी शंकाएं निर्मूल हो गईं। नरेश, स्वामी रामतीर्थ के चरणों में गिर पड़े और आस्तिक हो गए। इसके बाद, उन्होंने स्वामी रामतीर्थ को जापान में होने वाले एक विश्व धर्म सम्मेलन में भेजा। स्वामी रामतीर्थ न केवल एक आदर्श विद्यार्थी और गणितज्ञ थे, बल्कि एक प्रेरणादायक समाज सुधारक, देशभक्त और तत्वज्ञ भी थे। दीपावली के दिन, स्वामी रामतीर्थ ने गंगा नदी में जलसमाधि ले ली।

दृष्टि कोण

अमेरिकी दबाव के बावजूद परवान चढ़ती दोस्ती

इस बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का 4 दिसंबर को दो दिन के वास्ते स्टेट विज़िट पर आना कई मायनों में महत्वपूर्ण है। फरवरी, 2022 में यूक्रेन में युद्ध आरंभ होने के बाद से पुतिन का यह पहला आधिकारिक आगमन होगा। पुतिन, पिछली बार यूक्रेन युद्ध से कुछ माह पहले, दिसंबर 2021 में भारत आए थे। रूसी राष्ट्रपति का रेड-कार्पेट वेलकम साउथ ब्लॉक में किया जाएगा, जहां 23वीं सालाना इंडिया-रूस शिखर बैठक होगी। भारत और रूस के बीच 'स्पेशल और प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' है, जिसके तहत एसयू-57 फ़ाइटर जेट और मिसाइल डिफ़ेंस शील्ड एस-500 के एडवांस्ड वर्शन की खरीद पर बातचीत होने की उम्मीद है। यह समझौता अमेरिका के साथ किसी भी ट्रेड डील को मुश्किल बना सकता है, जिसने मॉस्को से भारत के हथियारों की खरीद को पीछे धकेल दिया है। ठीक से देखा जाये, तो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शक्ति संतुलन सिद्धांत को अपनी विदेश नीति का हिस्सा बनाये रखना चाहते हैं, लेकिन ट्रंप का हठयोग इस मार्ग में बाधा पैदा कर रहा है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में खत्म होने वाले चार सालों में रूसी हथियारों की खरीद में काफी गिरावट के बावजूद मॉस्को भारत का सबसे बड़ा मिलिटरी हार्डवेयर सप्लायर बना हुआ है। भारत के पास 200 से ज़्यादा रूसी फाइटर जेट और एस-400 डिफेंस शील्ड की कई बैटरी हैं, जिनका इस्तेमाल मई में पाकिस्तान के साथ चार दिन की लड़ाई के दौरान किया गया था। रक्षा मंत्रालय के सूत्र बताते हैं, कि भारत की सेना के पास फाइटर जेट की कमी है, और सरकार

से इस कमी को पूरा करने के लिए रूस निर्मित एडवांस्ड फाइटर जेट खरीदने का आग्रह किया है। सूत्र यह भी बताते हैं, कि एसयू-57 जेट में लगी लंबी दूरी की मिसाइलें दक्षिण एशियाई देश को ज़्यादा विजुअल रेंज कैपेबिलिटी देंगी। हालांकि, रूस-भारत के बीच हुए समझौते को स्टेट ड्यूमा में मंजूरी मिलनी बाकी है। दो दिन की शिखर बैठक में, दोनों पक्ष डिफेंस कोऑपरेशन, न्यूक्लियर एनर्जी, हाइड्रोकार्बन, स्पेस, टेक्नोलॉजी और ट्रेड पर चर्चा करेंगे। चेन्नई स्थित मद्रास स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स के डायरेक्टर एनआर भानुमूर्ति के मुताबिक, भारत के लिए 93 मिलियन डॉलर के हथियारों के सौदे को वॉशिंगटन की मंजूरी, महीनों के ट्रेड टेंशन के बाद दोनों पक्षों के बीच रिश्तों में सुधार का संकेत है, और यह अगले साल प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप के नई दिल्ली दौरे की संभावित शुरुआत भी है। यूक्रेन शांति समझौते को आगे बढ़ाने के लिए एक हाई पावर्ड अमेरिकी डेलीगेशन मॉस्को में है। प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप के दूत नाम स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर इस हफ़्ते डील की कोशिश के लिए मॉस्को पहुंचे हैं। यूक्रेन में शांति से दिल्ली का फ़ायदा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल में भारत पर शुरू में 25 प्रतिशत इंपोर्ट टैरिफ लगाया था, फिर इसे बढ़ाकर 50 फीसद कर दिया। यह टैरिफ दिल्ली द्वारा रूसी तेल खरीदने पर पेनल्टी थी। उन्होंने कहा कि यह तेल खरीद यूक्रेन से युद्ध के वास्ते मॉस्को को आर्थिक मज़बूती दे रही थी। चेन्नई स्थित मद्रास स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स के डायरेक्टर एनआर भानुमूर्ति मानते हैं कि कई भारतीय तेल कंपनियों ने रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है, इसलिए आने वाले हफ्तों में भारत पर अमेरिकी टैरिफ कम होने की संभावना है। उनके बरक्स, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर में इंस्टिट्यूट ऑफ़ साउथ एशियन स्टडीज़ के सीनियर रिसर्च फेलो अमितेंदु पालित का मानना है कि अमेरिकी टैरिफ से भारत की अर्थव्यवस्था पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है, इसका असर सिर्फ़ जुलाई-सितंबर वाली तिमाही में महसूस हुआ। अमितेंदु ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड संबंध हाल ही में बेहतर हुए हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज युवाओं की बेरोजगारी दूर हो सकती हैं दिन अच्छा है फैशन डिजाईन मे करियर बना रहे हैं तो आज आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं. आपका कॉन्फिडेंस लेवल हाई रहेगा जिससे जोखिम भरे कामों में सफलता मिल सकती है. पैसों और बिजनेस के मामलों पर ध्यान देना होगा. सामाजिक सम्मान भी बढ़ सकता है. पारिवारिक संबंधों में सुधार के योग बन रहे हैं. आज सेहत के मामले मे खर्चा ज्यादा होगा ध्यान रखने की जरुरत है

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज भाग्य प्रबल हैं काम फटाफट बनेंगे और आप कन्स्ट्रक्शन मे कार्यरत हैं सरकारी उच्च अधिकारियों से विशेष सहयोग प्राप्त करेंगे. आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे. आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं. आपका पारिवारिक–जीवन आरामदायक परिवेश से खुश रहेगा और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रियता हासिल करेंगे. रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ आपके संबंध अधिक सौहार्दपूर्ण बनेंगे.स्वास्थ्य एकदम चुस्त रहेगा

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज छात्रों के लिए दिन अच्छा हैं आप को दूसरों की मदद करना चाहिए आप को भी उतना ही लाभ मिलेगा जॉब में प्रगति होगी. जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट गायब हो जाएगी. रिस्क लें सकते हैं किसी ऐसे इंसान का साथ पाने की कोशिश करें जो आपकी भावनाओं को समझता हो और आप उसकी. खर्चा ज्यादा होगा संतान पक्ष से बेफिक्री रहेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज शिवजी की पूजा करनी चाहिए जिससे आप की नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी, जिससे आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा. आज आप फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे, तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकट्ठे करने में आसानी होगी। ऑफिस में आज समय ज्यादा देना पडेगा जिससे रुका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाएगा नया बिजनेस शुरू करें तो फायदा होना तय है. आज स्वास्थ्य थोडा कमजोर रहेगा कुछ हल्का भोजन करना अच्छा रहेगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

छोटी कन्या को खिर का भोजन कराए जिससे आप का रुका हुआ पैसा मिलने के योग बनेंगे किसी से उधार पैसा भी लेना पड़ सकता है. आपकी कोशिशें सफल हो जाएगी. जो आपके लिए बहुत हद तक फायदेमंद हो सकती है. जीवनसाथी सेसहयोग मिलेगा. आज आपकी कोई इच्छा पूरी हो जाएगी. घर मे वैवाहिक प्रसंग का माहौल रहेगा नयी रिश्तेदारी बन सकती हैं मित्रों का सहयोग पूरा रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मिला झुला रहेगा कुछ काम भी बनेंगे कही पर काम अटकेगा भी परन्तु चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं कठिन समय के बाद आखिरकार आप अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ आराम कर सकते हैं. आप अपनी कड़ी मेहनत और श्रम के लिए इनाम की उम्मीद कर सकते हैं. आपको अपनी नौकरी में पदोन्नति मिलेगी. बेहतर होगा, प्रेम संबंधों को सार्वजनिक करने से बचना होगा आज ठंडी चिजों से परहेज करें गर्म भोजन गर्म तरल पदार्थ ही लें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा क्योंकि गले सम्बंधित तकलीफ बन सकती हैं ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज समय पर सभी काम हो जाएंगे जिससे आप की खुशी का ठिकाना नही रहेगा जिससे परिवार में भी उत्सव का वातावरण छाया रहेगा, जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा. छात्रों को नये कोर्स मे सफलता बनती हुई दिख रही हैं कला से जुड़े लोगों को तरक्की मिलेगी. किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा. किसी बड़े समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा.आप को काम से फुर्सत मिलते ही धार्मिक यात्रा करनी चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका दिन अच्छा रहेगा. आज आप रुठे हुए लोगों और बिगड़े हुए रिश्तों को मनाने की कोशिश करेंगे, हो सकता है कि रुठे हुए लोग मान भी जाएं. आज प्रतियोगी अपने करियर के लिए अपने सीनियर्स से परामर्श ले सकते हैं, साथ ही कुछ नए कोर्स की जानकारी भी लेते रहें .आज अविवाहित लोगों के लिए ,कोई रिश्ता आ सकता है. हो सकता है कि शादी फिक्स भी हो जाएं. इससे आपके रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेगी. आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अगर कुछ नया करना चाह रहें तो तकनीकी क्षेत्र मे भाग्य आजमाएं सफलता मिलेगी अगर नौकरी में हैं तो पदोन्नति की संभावना बन रही है. खुद का कोई बिजनेस है तो उस पर पूरा ध्यान रहेगा. बिजनेस और कामकाज से जुड़ी परेशानियां खत्म होंगी. फालतू भाग–दौड़ खत्म हो सकती है. आपके लिए दिन अच्छा रहेगा. घर और ऑफिस, दोनों जगह का माहौल आपके लिए खुशनुमा रहेगा.दिन भर की भागम–दौड के बाद शाम के समय थकान हो सकती हैं

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के पक्ष से आप बेफिक्र रहेंगे बच्चे अपने करियर के लिए अच्छी प्लानिंग करते हुए आगे बढेंगे आप को पारिवारिक सम्बन्ध मे मुश्किलें दिखाई दे रही हैं तो अपने वरिष्ठों से सहायता और मार्गदर्शन लेना चाहिए आप अपने कार्य स्थल पर प्रशंसा के पात्र रहेंगें, जो आपकी संतुष्टि को बढ़ाएगा. अगर किसी को प्रपोज़ करने की योजना है तो ऐसा करने के लिए यह एक आदर्श समय नहीं है.परिवार मे स्वास्थ्य सम्बन्धित परेशानी आप को टेंशन दे सकती हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज व्यापार के हिसाब से दिन लाभकारी हैं धन की तकलीफ दूर होगी कर्ज लेने की जरुरत नही पडेगी रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है. आज विवाहित पारिवारिक समस्याओं को जीवनसाथी से साझा करें तो हल जरूर निकलेगा. संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेगा. सेहत अच्छी रहेगी. संतान का सुख मिलगा. अगर आप नौकरी के लिए आवेदन या किसी छात्रवृत्ती के कागजों पर काम कर रहे हैं तो पूरी तरह से सतर्क रहें. सुबह योग करें प्राणायाम करें शाम को तरल और गर्म भोजन करें स्वास्थ्य रहेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज हनुमानजी को चूरमे का भोग लगाए कपूर आरती करें दिनजनो को मिष्ठान वितरित करें आपका दिन खुशियों से भरा होगा. काम–धंधे में आज आपका मन लगेगा. अगर आज किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है. किसी नयी जमीन से संबंधित कोई लेन–देन करने जा रहे हैं, तो बेहतर होगा कि पहले उसकी अच्छे से जांच–पड़ताल जरूर कर लें. लेकिन अपनों के सहयोग से आपकी परेशानी दूर हो जाएगी.शाम के वक्त बच्चों को साथ घूमने जा सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 दिसंबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 09:28 तक
नक्षत्र : मृगशिरा प्रातः 08:49 तक
योग : शुभ रात्रि 11:45 तक
करण : तैतिल प्रातः 11:10 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:22, सूर्यास्त 05:34 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:28, सूर्यास्त 05:52 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 05:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:22, सूर्यास्त 05:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : शनि वासरे अश्वत्थ पूजन विशेष

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा की धरती ने खेलों के जरिए देश को दिलाई विश्वस्तरीय पहचान : सैनी

सोनीपत, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोनीपत में स्थित राई स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा में आयोजित 'नेक्स्ट जेन स्पोर्ट्स मैनेजमेंट' विषय पर आधारित कांफ्रेंस में हिस्सा लिया और मुख्य मंच से अपने विचार साझा किए। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि इस कांफ्रेंस का उद्देश्य खेल क्षेत्र का सुस्पष्ट रोड मैप तैयार करना है, जो भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में खेलों की अहम भूमिका सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हरियाणा की धरती ने हमेशा खेलों के जरिए भारत को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई है। राज्य के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने यह भी कहा कि 2026 के राष्ट्रमंडल खेलों और 2028 ओलंपिक में हमारे खिलाड़ी पदक तालिका में शीर्ष पर रहेंगे।

सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 सालों में खेल क्षेत्र में भारत की प्रगति को सराहा। उन्होंने कहा कि 65 प्रतिशत युवा जनसंख्या वाले देश में अलग रणनीति की आवश्यकता है और इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर काम कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि स्पोर्ट्स मैनेजमेंट का भारतीयकरण चार 'एम' पर आधारित है- मॉडल, माइंडसेट, मैनेजमेंट, मोरल वैल्यूज और मॉडर्निटी। इन्हें अपनाकर

भारत अगले दशक में विश्व स्तर पर खेल प्रबंधन में नया मुकाम हासिल कर सकता है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि हर जिले में हाई परफॉर्मेंस सेंटर, पंचायत स्तर पर मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और मोबाइल ट्रेनिंग लैब्स के माध्यम से प्रतिभाओं को बढ़ावा दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि खेल अब सिर्फ खिलाड़ियों का विषय नहीं, बल्कि रोजगार का भी महत्वपूर्ण क्षेत्र बन चुका है। ग्रामीण और महानगर क्षेत्र में सुविधाओं के अंतर को अवसर में बदलना हरियाणा सरकार की प्राथमिकता है।

सैनी ने बताया कि पिछले 11 सालों में हरियाणा सरकार ने खेलों पर 989 करोड़ रुपए खर्च किए हैं, जबकि 2014-15 में यह बजट केवल 275 करोड़ रुपए था। इस वित्त वर्ष में खेल बजट 589 करोड़ 69 लाख रुपए निर्धारित किया गया है।

राज्य में वर्तमान में 3 राज्य स्तरीय खेल परिसर, 21 जिला खेल परिसर, 25 उपमंडल स्टेडियम, 163 राजीव गांधी ग्रामीण खेल परिसर, 245 ग्रामीण स्टेडियम, 382 इनडोर जिम, 10 स्विमिंग पूल, 11 सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक, 11 हॉकी एस्ट्रो टर्फ, 2 फुटबॉल सिंथेटिक सतह और 9 बहुउद्देशीय हाल कार्यरत हैं। इसके अलावा, 16 जिलों में जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय में सुविधा निर्माण का कार्य 3 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है।

मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि 15,634 खिलाड़ियों को खेल उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं और वर्तमान में प्रदेश में 1,489 खेल नर्सरी में 37,000 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं।

विवाहिता को धमकाने पर अंबाला कैंट के महेशनगर थाना स्टाफ को लगाई कड़ी फटकार

चंडीगढ़, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने विवाहिता की शिकायत पर पुलिस को आज कड़ी फटकार लगाई। महिला का आरोप था कि उसके पति के उसे छोड़कर जाने की शिकायत लेकर वह महेशनगर थाने गई, मगर वहां पर उलटा एक पुलिस कर्मी ने उसे धमकाते हुए अंदर बंद करने की बात कही। महिला की फरियाद पर गुस्साए मंत्री अनिल विज ने महेशनगर थाने एसएचओ को फोन कर उक्त पुलिस कर्मी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए तथा महिला की शिकायत पर शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। श्री विज आज अंबाला कैंट में अपने आवास पर अम्बाला छावनी विधानसभा क्षेत्र से आए लोगों की समस्याओं को सुन रहे थे।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज के समक्ष स्वास्थ्य विभाग में एचकेआरएन के तहत कर्मचारियों ने दो माह से तनख्वाह नहीं मिलने व पोर्टल पर नाम नहीं आने की शिकायत दी जिस पर ऊर्जा मंत्री ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया। ब्राह्मण माजरा निवासी युवक ने आरोप लगाया कि उसे थाईलैंड टूर पैकेज देने के नाम पर ट्रैवल एजेंसी ने उससे 50 हजार रुपए की धोखाधड़ी की। उसने कहा कि ने उसे टूर पैकेज दिया गया और न ही उसकी राशि वापस की गई। मामले में मंत्री अनिल विज ने पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए।

इधर, एयरफोर्स से रिटायर्ड कर्मी ने आरोप लगाया कि उसने डिफेंस कालोनी में मकान बनाने के लिए ठेकेदार को 50 लाख रुपए दिए थे, मगर ठेकेदार बीच में काम छोड़ भाग गया। न ही उसने उसे उसकी राशि वापस की और न ही काम पूरा किया। मंत्री अनिल विज ने पंजोखरा पुलिस को मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए।ऊर्जा मंत्री अनिल विज के समक्ष अम्बाला छावनी से आए युवक ने शिकायत देते हुए बताया कि उसकी बहन की हिसार में शादी हुई थी, मगर शादी के बाद उसकी बहन को परेशान किया जाने लगा।

धरने पर बैठे किसान की मौत के लिए सरकार जिम्मेदार : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि प्रदेश सरकार में मंत्री ही अपनी ससुराल के गांवों में भरा पानी अभी तक नहीं निकाल पाए हैं, इससे सरकार की किसानों के प्रति उदासीनता व संवेदनहीनता स्पष्ट है। दुष्यंत चौटाला वीरवार को हिसार में पत्रकारों से रूबरू थे। दुष्यंत चौटाला ने गांव बालसमंद में धरने पर बैठे किसान की मौत को लेकर सरकार को जिम्मेदार बताया और कहा कि पिछले ढाई महीने से सरकार न तो गांवों से बारिश और बाढ़ से भरे हुए पानी को निकालने की व्यवस्था कर पाई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आज भी हजारों एकड़ जमीन पर अगली फसल की बुआई नहीं हो सकी है और ना ही किसानों को मुआवजा मिला है, जिसके चलते किसान हताश और निराश हैं। वहीं पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने ये भी कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की इससे बदतर हालत क्या हो सकती है? आए दिन लूट, डकैती, फिरौती व अपहरण जैसी वारदातें हो रही है, वहीं मुख्यमंत्री हैं कि अपने ही राग अलाप रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के एक साल के कार्यकाल में एक भी नई योजना को प्रदेश में मुख्यमंत्री नहीं ला सके।

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि आज प्रदेश के खराब हालात साबित करते है कि प्रदेश की सरकार मुख्यमंत्री के हाथ में ना होकर केंद्र में बैठे नेता चला रहे हैं, जिन्हें प्रदेश की जनता से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने कहा कि जनहित योजनाओं से आमजन को अछूता करने वाली भाजपा सरकार केवल झूठी घोषणाएं कर आमजन को गुमराह कर रही है। दुष्यंत ने कहा कि मौजूदा हालात से समाज का हर वर्ग पीड़ित हैं।

उन्होंने प्रदेश की जनता से अपील करते हुए कहा कि आज प्रदेश में बदलाव लाने के लिए जजपा का साथ दें और जुलाना में होने वाले स्थापना दिवस समारोह में भारी संख्या में शामिल होकर सरकार की भ्रष्ट व दमनकारी नीतियों के खिलाफ महा हुंकार भर रैली को कामयाब बनाएं। जींद विश्वविद्यालय में छात्राओं के यौन शोषण के मामले के संबंध में पूछे गए सवाल पर दुष्यंत चौटाला ने कहा आज प्रदेश में हर यूनिवर्सिटी के अंदर बुरे हालात है। उन्होंने कहा कि रोहतक एमडीयू में तो विद्यार्थियों के भविष्य के साथ ही खिलवाड़ किया जा रहा है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि नैक रेटिंग रद्द होने के बावजूद भी सरकार को इसकी जानकारी नहीं दी गई। जेजेपी के डेलिगेशन के साथ गत दिन उन्होंने महामहिम राज्यपाल को इस विषय से अवगत कराया और ज्ञापन भी सौंपा। इससे पूर्व दुष्यंत चौटाला ने जुलाना रैली को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और विभिन्न गांवों का दौरा करके ग्रामीणों को रैली का न्योता दिया।

हरियाणा हित में चंडीगढ़ के मुद्दे पर चर्चा के लिए जल्द बुलाया जाए विशेष सत्रः भूपेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह ने मांग उठाई है कि प्रदेश सरकार को जल्द से जल्द विधानसभा का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। क्योंकि प्रदेश व केंद्र की बीजेपी सरकार मिलकर लगातार हरियाणा के हकों पर कुठाराघात कर रही है। एसवाईएल व भाखड़ा के मुद्दे पर धोखा देने के बाद, ये सरकार चंडीगढ़ पर भी हरियाणा के अधिकार को कमतर करने की कोशिश कर रही है। खुद केंद्र सरकार स्पष्ट नहीं कर पा रही कि चंडीगढ़ की मौजूदा स्थिति क्या है। क्या ये पंजाब-हरियाणा की साझा राजधानी रहेगी या पूरी तरह केंद्र शासित प्रदेश बन जाएगा? इन तमाम मुद्दों पर विधानसभा के भीतर चर्चा होनी चाहिए और बीजेपी को कांग्रेस के सवालों व जनता की आशंकाओं का जवाब देना चाहिए। हुड्डा ने कहा कि चंडीगढ़ और एसवाईएल को लेकर स्पष्ट है कि भाजपा सरकार हरियाणा के हकों की रक्षा करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। यह सरकार न तो नई विधानसभा के लिए जमीन ले पा रही है और न ही एसवाईएल का पानी। हरियाणा हित से जुड़े हरेक मसले पर भाजपा की नीति हमेशा ढुलमुल रही है।

सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद आज तक भाजपा हरियाणा को उसका हक का पानी नहीं दिला पाई है। वहीं, हरियाणा की राजधानी होते हुई भी, ये सरकार विधानसभा के लिए जमीन लेने में नाकाम हुई है।

गायत्री राठौड़ ने किया आरयूएचएस अस्पताल का निरीक्षण

जयपुर, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

रोगियों को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं सुगमता एवं सुलभता के साथ उपलब्ध करवाने तथा सवाई मानसिंह अस्पताल का मरीज भार कम करने के लिए आरयूएचएस अस्पताल में मानव संसाधन की कमी दूर की जाएगी। सुपर स्पेशलिटी सेवाओं के विस्तार की दिशा में कार्डियो, न्यूरो, यूरोलॉजी एवं गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी के लिए डेडीकेटेड सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक जल्द प्रांरभ किए जाएंगे। साथ ही, यहां उपलब्ध इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं सुविधाओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि रोगियों को शहर में उपचार के लिए एक और बेहतर विकल्प मिले। चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने शुक्रवार को आरयूएचएस अस्पताल के निरीक्षण के उपरांत उच्च स्तरीय बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में आउटडोर एवं इनडोर में रोगियों की संख्या बढ़ाने तथा उपलब्ध सुविधाओं का पूरा उपयोग करने के लिए एक्शन प्लान जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में निर्धारित ड्यूटी के अनुसार चिकित्सक एवं अन्य स्टाफ पूरे समय उपस्थित रहें। उन्होंने इसके लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रारंभ करने के भी निर्देश दिए। राठौड़ ने कहा कि अस्पताल में सुपर स्पेशलिटी सुविधाओं के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल में सुविधाओं के विस्तार के लिए आवश्यकतानुसार सीनियर रेजीडेंट की सेवाएं ली जाएं।

कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा कृषकों को पहुंचाएं : आयुक्त कृषि

जयपुर, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

कृषि आयुक्त चिन्मयी गोपाल ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देशित किया है कि केंद्र परिवर्तित योजनाओं और राज्य बजट घोषणाओं को जल्द से जल्द पूरा करते हुए योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा पात्र किसानों को दिया जाए जिससे प्रदेश का किसान आर्थिक रूप से मजबूत एवं खुशहाल बन सके। चिन्मयी गोपाल ने शुक्रवार को पंत कृषि भवन में वी.सी. द्वारा कृषि विभाग की योजनाओं की प्रगति के संबंध में बैठक ली तथा अधिकारियों को फील्ड में जाकर योजनाओं की जानकारी किसानों को देने व बजट घोषणाओं जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिये जिससे ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने बैठक में फार्म पोण्ड, डिग्गी, सिंचाई पाइप लाईन, कृषि यंत्र, तारबंदी, गौवर्धन जैविक उर्वरक योजना सहित केंद्रीय प्रवर्तित योजनाओं की जिलेवार वित्तीय प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी जिलों में उर्वरक आपूर्ति, प्रबंधन, वितरण, प्रधानमंत्री धन धान्य योजना, राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की प्रगति की भी समीक्षा की।

कृषि आयुक्त ने कहा कि रबी फसल के लिए यूरिया व डीएपी पर्याप्त मात्रा में है। उन्होंने उर्वरकों का वितरण पूर्ण पारदर्शिता के साथ करने, उर्वरकों की जमाखोरी और कालाबाजारी पर विभागीय अधिकारी मुस्तैदी से नजर रखने एवं टैगिंग करने वाले उर्वरक विक्रेताओं व विनिर्माओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

ब्राह्मण ही विश्व कल्याण की कामना करने वाला एकमात्र समाज : सुशील ओझा

पुष्कर (अजमेर), 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

ब्राह्मण ही एकमात्र ऐसा समाज है जो स्वयं की नहीं अपितु संपूर्ण विश्व के कल्याण और शांति की कामना परम पिता परमेश्वर से करता है। ओझा शुक्रवार को तीर्थराज पुष्कर में 8 मार्च से 19 अप्रैल तक होने वाले शत गायत्री पुनश्चरण महायज्ञ के भूमि पूजन समारोह में बोल रहे थे।

परम पूज्य स्वामी श्री प्रखर जी महाराज के सानिध्य में इस महायज्ञ का आयोजन भी विश्व व्यापी आतंकवाद का शमन,हिंदू राष्ट्र निर्माण एवं विश्व शांति की कामना को लेकर हो रहा है। ओझा इस आयोजन के संयोजक तथा राधेश्याम गुरुजी अध्यक्ष है। विप्र फाउंडेशन और प्रखर परोपकार मिशन ट्रस्ट प्रमुख सहयोगी की भूमिका में है। भूमि पूजन के इस कार्यक्रम में देशभर से विप्र समाज के दिग्गज जुटे। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा और राष्ट्रीय अध्यक्ष राधेश्याम गुरुजी के अलावा अयोध्या में निर्मित श्रीराम मंदिर के लिए सौ करोड़ रुपए के पत्थर प्रदान करने वाले प्रमुख भामाशाह नेमीचंद शर्मा, कानपुर से आए नरेंद्र शर्मा, विप्र फाउंडेशन जयपुर जोन के संगठन महामंत्री सतीश शर्मा सहित कई संत और महात्मा मौजूद थे।

प्रखरजी महाराज के नेतृत्व में आयोजित होने वाले शत गायत्री पुनश्चरण महायज्ञ में एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। देश के कई प्रख्यात संत महात्मा भी पहुंचेंगे। भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखर जी महाराज ने बताया कि शत गायत्री पुनश्चरण महायज्ञ में 27 करोड़ मंत्रों की आहुति दी जाएगी। इस महायज्ञ की खास बात यह है कि इसमें सारे यजमान भी ब्राह्मण होंगे और सारा खर्च भी ब्राह्मण ही वहन करेंगे।

भजनलाल शर्मा ने नहरी तंत्र के लिए दी 1,717 करोड़ के कार्यों की सौगात

श्रीगंगानगर, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार की किसान हितैषी नीतियां और योजनाएं प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य के बीज हैं। किसानों की समृद्धि हमारा लक्ष्य है और राजस्थान को विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाना हमारा संकल्प है। शर्मा शुक्रवार को श्रीगंगानगर के साधुवाली में गंग नहर शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 100 वर्ष पूर्व 5 दिसंबर 1925 को महाराजा गंगा सिंह जी ने रेगिस्तान को हरा-भरा बनाने के संकल्प के साथ गंग नहर का शिलान्यास किया था। उसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए हमारी सरकार ने गंग नहर के पुनरुद्धार हेतु 1 हजार 717 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी है। उन्होंने

कहा कि यह अवसर मरुस्थल को अन्न भंडार में बदलने की दूरदर्शी सोच का पर्व है। यह राजस्थान के सुनहरे भविष्य के निर्माण का एक सुनहरा पल है।

शर्मा ने कहा कि विकास विरासत के सम्मान के साथ ही, भविष्य के निर्माण का संकल्प है। इन विकास कार्यो से गंग नहर प्रणाली को नई मजबूती मिलेगी, जिससे किसान भाइयों के जीवन में नई समृद्धि आएगी। उन्होंने कहा कि 647 करोड़ रुपये से फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण से पानी की नियमित आपूर्ति में स्थिरता आएगी और पूरे नहर तंत्र की जीवन क्षमता बढ़ेगी। साथ ही, 300 करोड़ रुपये से बीकानेर कैनाल के पुनरुद्धार से सीधे तौर पर लाखों किसानों को लाभ मिलेगा। वहीं, प्रथम चरण में 695 करोड़ रुपये से गंग नहर प्रणाली के 3.14 लाख हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र का ऑटोमेशन भी होगा, जो कि राजस्थान की सिंचाई व्यवस्था का भविष्य है। इस ऑटोमेशन से पानी का वैज्ञानिक वितरण और रियल टाइम मॉनिटरिंग जैसे काम संभव हो सकेंगे। 75 करोड़ रुपये से क्षतिग्रस्त नहरों एवं नकारा खालों का भी पुनर्निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन कार्यों को अक्टूबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

शर्मा ने कहा कि नहरों से संबंधित विकास कार्य प्रदेश के सिंचाई क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। ये विकास कार्य किसानों की समृद्धि, युवाओं की उम्मीद और राजस्थान की प्रगति के लिए हमारी सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि हमने किसानों की समस्याओं को नजदीक से देखा और समझा है। किसानों की मुस्कान हमारे लिए नीति-निर्माण की दिशा तथा उनकी समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता है। सिंचाई के लिए पानी, बिजली, कृषि बीमा, उत्पाद के लागत-मूल्य, आधुनिक तकनीक सहित हर क्षेत्र में प्रदेश सरकार किसानों के साथ है।

यूपी : सीएम योगी का निर्देश, एफडीआई बढ़ाने को बढ़ाएं संवाद, तेज करें प्रयास

लखनऊ,05 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश में विदेशी निवेश को नई रफ्तार देने के लिए चल रहे प्रयासों की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए साफ कहा कि उत्तर प्रदेश अब सिर्फ निवेश की संभावना नहीं, बल्कि निवेश के भरोसे का राज्य बन गया है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर निवेशक के साथ संवाद लगातार बना रहना चाहिए और किसी भी स्तर पर देरी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि 'स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट' यही नए उत्तर प्रदेश की पहचान होनी चाहिए। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के सितंबर 2025 तक की अवधि में उत्तर प्रदेश को 683 मिलियन अमेरिकी डॉलर का विदेशी निवेश प्राप्त हुआ है और राज्य का कुल संचयी विदेशी निवेश अक्टूबर 2019 से अब 2,754 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि चालू अवधि में प्रदेश को 5,963 करोड़ रुपए का विदेशी निवेश प्रवाह मिला है, जो पिछले वर्षों की तुलना में तेज वृद्धि को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि एफडीआई-एफसीआई-फॉर्च्यून 500 नीति-2023 के तहत अब तक 11 निवेश आवेदकों ने 13,610 करोड़ रुपए के प्रस्ताव दिए हैं। इसके अलावा 22 आवेदनों के माध्यम से 17,810 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और 56 हजार करोड़ रुपए के निवेश से जुड़े 29 आवेदन पाइपलाइन में हैं। यह भी बताया गया कि जापान, अमेरिका, बेल्जियम, यूनाइटेड किंगडम, पोलैंड और सिंगापुर उत्तर प्रदेश के प्रमुख निवेश साझेदार बने हुए हैं।

सीएम को अवगत कराया गया कि जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, जर्मनी, फ्रांस, सिंगापुर और खाड़ी देशों के लिए बनाए गए विदेशी देश डेस्क लगातार सक्रिय हैं। दूतावासों, उच्चायोगों और व्यापार संघों से निरंतर संवाद चल रहा है। निवेशकों के साथ 100 से अधिक वन-टू-वन बैठकें हो चुकी हैं। जापान व्यापार संगठन और सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य मंडल के साथ होने वाले समझौते भी निवेश के ठोस अवसरों में बदले जा रहे हैं।खाड़ी सहयोग परिषद सेक्टर डेस्क की समीक्षा में बताया गया कि दिल्ली, नोएडा, मुंबई, लखनऊ और कानपुर में अब तक 6 गोलमेज बैठकें हो चुकी हैं, जिनसे 83 कंपनियों के साथ सीधा संवाद बना और करीब 5,000 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव सामने आए। सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और विनिर्माण क्षेत्र में सबसे अधिक रुचि दिखी, जबकि बैंकिंग, वित्त, बीमा, फार्मा, लाइफ साइंस, मीडिया और मनोरंजन क्षेत्रों को उच्च संभावनायुक्त बताया गया।

मुख्यमंत्री ने ललितपुर फार्मा पार्क को लेकर भी स्पष्ट निर्देश दिए कि इससे जुड़े अवसंरचना कार्यों में और तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि कई बड़ी दवा कंपनियों ने यहां निवेश में रुचि दिखाई है, ऐसे में उनसे लगातार संवाद बनाए रखा जाए और भूमि, बिजली, पानी जैसी सुविधाएं समय पर सुनिश्चित हों।

जापान डेस्क की समीक्षा में बताया गया कि डेंसो के ब्राउनफील्ड विस्तार परियोजना पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और दस्तावेजी प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। कांसाई फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री एसोसिएशन की 125 जापानी कंपनियों के साथ फॉलोअप चल रहा है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के सहयोग से ग्रीन हाइड्रोजन उत्कृष्टता केंद्र की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। टोयोटा समूह, सुमितोमो और मारुबेनी से निवेश को लेकर लगातार बातचीत जारी है। जापान डेस्क के अंतर्गत कुल 20,000 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा गया है।

ताइवान डेस्क को लेकर मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि यहां प्रयास और तेज किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि ताइवान के निवेशकों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखा जाए, केवल रोड शो तक सीमित न रहा जाए। बैठक में बताया गया कि 40 से अधिक कंपनियां चिन्हित की गई हैं और लगभग 100 करोड़ रुपए के निवेश की पाइपलाइन तैयार है।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना क्षेत्र को इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां एचसीएल-फॉक्सकॉन का 3,700 करोड़ रुपए का निवेश मजबूत आधार बनेगा। कानपुर को तकनीकी वस्त्र और स्पोर्ट्सवेयर केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना भी सामने रखी गई।दक्षिण कोरिया डेस्क की समीक्षा में बताया गया कि सैमसंग, एलजी, केएच वेटेक और ड्रीमटेक जैसी कंपनियों के साथ निवेश को लेकर बातचीत आगे बढ़ चुकी है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स का गौतमबुद्ध नगर में करीब 850 करोड़ रुपए का विस्तार प्रस्तावित है, जबकि लोट्टे समूह का लगभग 400 करोड़ रुपए का निवेश प्रक्रियाधीन है। मुख्यमंत्री ने कोरियाई कंपनियों के लिए भी संवाद और सुविधाकरण को और मजबूत करने के निर्देश दिए।

सिंगापुर डेस्क के अंतर्गत टेमासेक, सरकारी निवेश कोष, पीएसए, डीबीएस, कैपिटललैंड-असेंडास, केपेल और सेम्बकॉर्प जैसे निवेशक यूपी में लगातार रुचि दिखा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सभी विदेशी डेस्क द्वारा नियमित अंतराल पर राउंड टेबल बैठकें होती रहनी चाहिए। उन्होंने इन्वेस्ट यूपी की टीम से कहा कि हर निवेशक के साथ एकल संपर्क बिंदु तय हो, ताकि उसे प्रणाली में भटकना न पड़े।मुख्यमंत्री ने उद्योगों को गति देने के लिए 'प्लग एंड प्ले' मॉडल पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि निवेशक को पहले दिन से तैयार अवसंरचना मिलेगी, तो वह तेजी से काम शुरू कर सकेगा और यही मॉडल उत्तर प्रदेश को अन्य राज्यों से आगे ले जाएगा।राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां कंपनियों के कॉरपोरेट और मुख्यालय खोलने के लिए उन्हें प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण को लेकर यह भी निर्देश दिए कि वहां आवश्यक मानव संसाधन की कमी न रहे।

गाजियाबाद: एक घर में भीषण धमाके से एक गंभीर रूप से घायल, अवैध तरीके से बना रहा था पटाखा

गाजियाबाद,05 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र के एक मकान में हुए जोरदार धमाके से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। धमाका इतना भीषण था कि मकान की छत और दरवाजे उड़ गए, जबकि आसपास के घर भी जोरदार कंपन से हिल उठे। किराए के मकान में दानिश नाम का युवक आतिशबाजी बनाने का काम कर रहा था। हादसे के दौरान अचानक ब्लास्ट हो गया, जिसमें दानिश गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, दानिश ही घर में अवैध रूप से पटाखे तैयार कर रहा था। हादसे में घर के अन्य सदस्यों को मामूली चोटें आई हैं। उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह खतरे से बाहर है।धमाके की आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी, जिसके बाद स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए और पूरे मामले की जानकारी पुलिस, दमकल विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई। सूचना मिलने पर आला अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। दमकल विभाग ने स्थानीय लोगों की सहायता से आग पर काबू पा लिया और इलाके में शांति व्यवस्था कायम है।

सहायक पुलिस आयुक्त लिपि नगायच ने बताया कि दानिश द्वारा बिना अनुमति मकान में पटाखे बनाने का कार्य किया जा रहा था, जो कानूनन अपराध है। इस मामले में थाना मसूरी पुलिस की ओर से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन यह पता लगाने में जुटा है कि कहीं इस क्षेत्र में अवैध आतिशबाजी बनाने के अन्य ठिकाने तो नहीं हैं। साथ ही घटना स्थल पर मौजूद विस्फोट में उपयोग किए गए रसायनों तथा सामग्री को जब्त कर लिया गया है।

उन्होंने बता कि पूरे मामले पर दनिश से भी पूछताछ की जाएगी जिससे और स्थानों का पता चल सके और इसके साथ कितने लोग इसमें जुड़े थे, इसकी भी जांच की जा रही है।स्थानीय निवासियों ने ऐसे अवैध पटाखा निर्माण पर कड़ी रोक लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि ऐसे कारखाने न सिर्फ कानून के खिलाफ हैं, बल्कि पूरे इलाके की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा भी पैदा करते हैं। प्रशासन ने भी आश्वासन दिया है कि अवैध पटाखा निर्माण पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

नगर विकास मंत्री पहुंचे मऊ,पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को सौंपे स्वीकृति पत्र

प्रधानमंत्री का लक्ष्य, देश में कोई परिवार न रहे बेघर : शर्मा

लखनऊ, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा पहुंचे मऊ और विक्ट्री इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-2 अंतर्गत 232 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए। बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने सपनों के घर की दिशा में मिली इस महत्वपूर्ण स्वीकृति पर हर्ष और आभार व्यक्त किया। मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि देश का कोई भी परिवार बिना आवास के न रहे। इसी संकल्प को साकार करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना को तीव्र गति और पारदर्शिता के साथ लागू किया जा रहा है। योजना गरीबों के जीवन में स्थिरता, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने का माध्यम है। प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रथम चरण में उत्तर प्रदेश में15 लाख मकान प्रदान किए गए, जो इस योजना की ऐतिहासिक सफलता दर्शाते हैं। मऊ में अब तक 18,171 आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनसे हजारों परिवारों को अपने स्वयं के घर का सपना पूरा करने में मदद मिली है। इनमें से दो-हरीघाट क्षेत्र के 534 लाभार्थियों को भी आवास प्रदान किए गए, जो क्षेत्रीय विकास और सामाजिक उत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। योजना सिर्फ चहार दीवारों तक सीमित नहीं है बल्कि सामाजिक सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और जीवन की गुणवत्ता में सुधार का व्यापक अभियान है। लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार निरंतर प्रयासरत है कि हर जरूरतमंद तक योजना का लाभ समय से पहुंचे और कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रह जाए। श्री शर्मा ने अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस योजना को धरातल पर सफलतापूर्वक लागू कराने में सहयोग दिया।

एसआईआर में तहसील रामसनेही घाट ने मारी बाजी,अपर्णा यादव ने की तारीफ

लखनऊ,05 दिसंबर (एजेंसियां)। निर्वाचन आयोग ने एसआईआर के लिए एक सप्ताह का समय बढ़ा दिया है। बीएलओ से लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी ही नही पूरा प्रशासनिक अमला अभियान की सफलता में जुटा है। सबसे खास बात, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं में भी गणना प्रपत्र भरने और दाखिल करने में रुचि देखी जा रही है। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण फॉर्म जमा करने की आखिरी तारीख 11 दिसंबर हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तो विधायकों भी जुटने को कह दिया है। जिला बाराबंकी लखनऊ के सबसे निकट का जनपद है। यहां के कलेक्टर यानि जिला निर्वाचन अधिकारी शशांक त्रिपाठी के दिशा निर्देशन में अभियान चल रहा है। बाराबंकी की तहसील रामसनेहीघाट के सब डिविजनल मैजिस्ट्रेट अनुराग सिंह की बेहतरीन मॉनिटरिंग का नतीजा है कि जिले में आरएसघाट तहसील एसआईआर फार्म भरवाने में अव्वल आई है। एसडीएम अनुराग सिंह का कहना है कि जो काम प्यार और सलीके से समझाने से हो सकता है, उसमें डांट डपट का क्या मतलब है।ये टीम वर्क है, जिसमें हम आगे बढ़ रहे हैं। हमारे कर्मचारियों का मनोबल ऊंचा रहेगा तो वे खुद बढ़चढ़कर काम को अंजाम देंगे। यह साफ दिख रहा है। हमने एसआईआर को प्राथमिकता दिए जाने के निर्देश दिए। काम अच्छा हो रहा है। आयोग ने जो समय बढ़ाया, उससे और सहूलियत मिली है। बीएलओ से लेकर टीम के सभी लोग मिलजुलकर लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव बाराबंकी दौरे पर पहुंची थी, उन्होंने भी आरएसघाट में चल रही एसआईआर की खुलकर तारीफ की।

एसआईआर को लेकर बीजेपी विधायक ने चलाया घर-घर सम्पर्क अभियान

लखनऊ,05 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ उत्तर विधानसभा विधायक डॉ नीरज बोरा एवं समाजसेविका बिंदु बोरा ने मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान एसआईआर के अंतर्गत कैपिटल पब्लिक स्कूल जाकीपुरम गार्डन क्षेत्र में बूथ संख्या 364 एवं फैजुल्लागंज में बूथ संख्या 270 पर घर घर जाकर एसआईआर की महत्वता से जनमानस को अवगत कराते हुए इस संपूर्ण अभियान को सफल बनाने हेतु जनसंपर्क किया। भाजपा कार्यकर्ता गली-मोहल्ले में जाकर लोगों को अपने बूथ के बीएलओ से संपर्क करने और एसआईआर फार्म भरने का संदेश दे रहे हैं।

विधायक डॉ नीरज बोरा ने बताया कि एस आई आर के फार्म बीएलओ द्वारा ज़्यादातर वितरित किया जा चुका हैं ।

एसआईआर के नाम पर देश को गुमराह कर रहा विपक्ष : केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज,05 दिसंबर (एजेंसियां)। एसआईआर को लेकर सियासत कम होने का नाम नहीं ले रही है। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग देश को गुमराह करने के लिए गलत बयान दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मीडिया से बात करते हुए कहा, देश की सबसे बड़ी अदालत ने भी यह साफ कर दिया है कि अगर बीए-लओ पर काम का बोझ ज्यादा है, तो राज्य सरकार को और मैनपावर देनी होगी। मैंने खुद अपना एसआईआर का फॉर्म भरा है और बीएलओ से बात की है; ऐसा कुछ नहीं है, सब लोग आराम से काम कर रहे हैं। उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखि-लेश यादव और ममता बनर्जी लगातार गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं। एक तरफ तो उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को एसआईआर के कैंपेन में लगा रखा है और दूसरी तरफ वे इसका खुलेआम विरोध कर रहे हैं। इन लोगों का एक ही मकसद है कि देश की जनता को गुमराह करना है।

केशव प्रसाद मौर्य ने जनता से अपील करते हुए कहा कि जनता इनके बहकावे में न आए और एसआईआर में सहयोग करे। इससे देश में सही से चुनाव हो सकता है और दूसरी जगह से आए लोग मतदान नहीं कर पाएंगे, जिससे अच्छी सरकार चुनने का मौका देश की जनता को ही मिलेगा। मतदाता सूची शुद्धिकरण का यह अभियान लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए बेहद आवश्यक है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा पर की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, बिहार चुनाव नतीजों के बाद राहुल गांधी ने वहां एक तालाब में डुबकी लगाई थी और उसके बाद भी उन्हें सिर्फ छह विधायक ही मिल पाए। 2020 के चुनावों में जीते उनके कई विधायक इस बार हार गए। उस हार के बाद से ही राहुल गांधी और अखिलेश यादव सहित कई नेता निराश हैं, इसीलिए वे ऐसे बेतुके बयान देते रहते हैं।

उन्होंने कहा कि मैं बस इतना कहूंगा कि रूस के राष्ट्रपति, जो भारत के सबसे अच्छे और सबसे भरोसेमंद दोस्त हैं, भारत आए हैं, और हम उनका स्वागत करते हैं।

बता दें कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा था कि भारत के संबंध सबके साथ हैं। विपक्ष का नेता एक दूसरा परिप्रेक्ष्य देता है। भारत का हम भी प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन सरकार नहीं चाहती कि विपक्ष के लोग बाहर के लोगों से मिलें। ऐसा करके सरकार परंपरा की अनदेखी कर रही है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव: 2027 के असेम्बली इलेक्शन का होगा 'रिहर्सल'

कोई गठबंधन नहीं, हर दल 'एकला'चलने को तैयार सपा छोड़ सकती है मैदान

लखनऊ 5 दिसंबर।त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव उत्तर प्रदेश की पॉलिटिक्स में बड़ा अहम रोल निभाने वाले हैं।इस बार पंचायत चुनाव में कोई गठबंधन नहीं होने जा रहा है। समाजवादी पार्टी इस चुनाव से दूरी बनाकर चलने वाली है। यह बात दावे के साथ कहना शायद अभी मुश्किल है लेकिन पार्टी लीडरों के रूख इशारा जरूर कर रहे हैं। पंचायत चुनाव में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी साथ नहीं होंगे। पार्टी का यह फैसला यूपी कांग्रेस नेताओं और राहुल गांधी के बीच हुई मीटिंग के बाद आया है।कांग्रेस के यूपी इंचार्ज अविनाश पांडे ने कहा कि पार्टी आने वाले पंचायत चुनाव अकेले लड़ेगी।समाजवादी पार्टी पहले ही यूपी पंचायत चुनाव लड़ने से पीछे हट चुकी है। सिर्फ कांग्रेस ही नहीं, बल्कि एनडीए गठबंधन के साथी अपना दल एस, निषाद पार्टी, आरएलडी और सुभासपा ने भी ऐलान किया है कि वे भाजपा से अलग होकर पंचायत चुनाव लड़ेंगे। सवाल उठता है कि उत्तर प्रदेश में पार्टियां पंचायत चुनाव अलग-अलग क्यों लड़ना चाहती हैं?उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच होंगे और इसका प्रोसेस शुरू हो चुका है। उत्तर प्रदेश में ग्राम प्रधानों का टर्म 26 मई 2026 को खत्म हो रहा है, जबकि ब्लॉक प्रमुखों का टर्म 19 जुलाई 2026 को और जिला पंचायत अध्यक्षों का टर्म 11 जुलाई 2026 को खत्म हो रहा है।इलेक्शन कमीशन ने उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायत मेंबर, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत मेंबर बीडीसी, ब्लॉक प्रमुख, जिला पंचायत मेंबर और जिला पंचायत अध्यक्षों के चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। राज्य में लगभग 57 हजार 694 ग्राम पंचायतें हैं जहां ग्राम प्रधान और पंचायत मेंबर चुने जाएंगे। 74 हजार 345 बीडीसी सदस्यों के लिए चुनाव होने हैं, जो फिर ब्लॉक प्रमुखों का चुनाव करेंगे। 3,011 जिला पंचायत सदस्य सीटें हैं, जो फिर जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव करेंगी। सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पर मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की मौजूदगी में यूपी कांग्रेस नेताओं के साथ मीटिग के दौरान तय हुआ कि कांग्रेस यूपी पंचायत चुनाव अकेले लड़ेगी। यूपी कांग्रेस इंचार्ज अविनाश पांडे ने कहा, कांग्रेस यूपी पंचायत चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। कांग्रेस अकेले चुनाव लड़कर राजनीतिक ताकत का अंदाजा लगाना चाहती है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी अभी भी 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन के पक्ष में हैम उत्तर प्रदेश में योगी सरकार से लेकर केंद्र की मोदी सरकार तक अनुप्रिया पटेल की अपना दल और जयंत चौधरी की आरएलडी शामिल हैं। संजय निषाद की निषाद पार्टी और ओम प्रकाश राजभर की सुभासपा उत्तर प्रदेश में भाजपा के साथ गठबंधन में हैं। सरकार के सहयोगी हैं लेकिन भाजपा के चारों सहयोगी दलों ने उत्तर प्रदेश में आने वाले पंचायत चुनाव लड़ने का फैसला किया है।अनुप्रिया पटेल से लेकर जयंत चौधरी और संजय निषाद तक ने अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। भाजपा की सहयोगी निषाद पार्टी के चीफ संजय निषाद और अपना दल एस की अनुप्रिया पटेल ने कई महीने पहले ही साफ कर दिया था कि उनकी पार्टी पंचायत चुनाव अकेले लड़ेगी। एनडीए के चारों सहयोगी दलों ने भाजपा से साफ कह दिया है कि वे आने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अकेले लड़ेंगे।

यूपी पंचायत चुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव की रिहर्सल माना जा रहा है। पंचायत चुनाव अकेले लड़कर पार्टियों का मकसद पॉलिटिकल ताकत का अंदाजा लगाना और कार्यकर्ताओं की चुनाव लड़ने की इच्छा पूरी करना है। 2027 से पहले अपनी मोल-भाव की ताकत बढ़ाना है। पंचायत चुनाव पार्टी सिंबल पर नहीं लड़े जाते लेकिन पार्टी जिला पंचायत सदस्य सीटों पर अपने नेताओं को उतारती रही है। अलायंस में रहते हुए पॉलिटिकल पार्टियों के लिए पंचायत चुनाव में अपने कार्यकर्ताओं को उतारना नामुमकिन था, इसलिए उन्होंने अकेले लड़ने की स्ट्रेटेजी अपनाई है। इस तरह पॉलिटिकल पार्टियों को अपने कार्यकर्ताओं को चुनाव लड़ाकर अपने संगठन की ताकत का अंदाजा हो जाता है।उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव के सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि इसके ठीक बाद पंचायत चुनाव होंगे। उत्तर प्रदेश की दो-तिहाई विधानसभा सीटें ग्रामीण इलाकों से आती हैं, जहां पंचायत चुनाव होते हैं। राजनीतिक पार्टियां राजनीतिक ताकत का अंदाज़ा लगाने के लिए पंचायत चुनावों का इस्तेमाल करती हैं। उत्तर प्रदेश में औसतन चार से छह जिला पंचायत सदस्य एक विधानसभा क्षेत्र बनाते हैं। सभी पार्टियां अपनी ताकत का अंदाज़ा लगाना चाहती हैं। जिला पंचायत सदस्यों को मिले वोटों के आधार पर राजनीतिक पार्टियों को अपनी हैसियत का अंदाज़ा होता है। 2022 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनावों की तुलना में उनके संभावित वोट शेयर का भी पता चलता है। अपना दल का उत्तर प्रदेश में असर है, जहां पार्टी की मुख्य रूप से कुर्मी समुदाय के बीच मज़बूत पकड़ है। पंचायत चुनावों का इस्तेमाल वोटों के तालमेल को एडजस्ट करने के लिए किया जाता है। राजनीतिक पार्टियां भी इसे समझती हैं और क्षेत्रवार और जातिवार फैक्टर के आधार पर अपनी भविष्य की रणनीतियों का अंदाज़ा लगाती हैं। उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव के आधार पर 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक ज़मीन हासिल करना चाहता है, इसलिए सभी पार्टियों ने, चाहे उनका कोई भी गठबंधन हो, राजनीतिक कसरत शुरू कर दी है।पंचायत चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने वालों का 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए रास्ता साफ हो जाएगा। कई पंचायत जीतने वालों को पार्टी विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बना सकती है। इस रणनीति को राजनीतिक मोलभाव की ताकत बढ़ाने के लिए माना जा रहा है। गठबंधन के सहयोगियों की रणनीति कितना काम आएगी, विधानसभा चुनाव के वक्त पता चलेगा।

एशियन कप आर्म रेसलिंग के लिए टीम इंडिया की कप्तान बनीं ओनम गाम्नो

नई दिल्ली, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

प्रो पंजा लीग ने एशियन कप आर्म रेसलिंग चैम्पियनशिप के लिए टीम इंडिया की कप्तान के रूप में अरुणाचल प्रदेश की ओनम गाम्नो और उपकप्तान के रूप में छत्तीसगढ़ के पैरा-एथलीट श्रीमंत झा को नियुक्त किया है। श्रीमंत झा पैरा-आर्म रेसलिंग के जाने-माने खिलाड़ी हैं, जो टीम में समावेश और प्रेरणा के प्रतीक माने जा रहे हैं।

पैरा आर्म रेसलिंग के जाने-माने खिलाड़ी श्रीमंत झा को उपकप्तान नियुक्त किया गया

यह नियुक्ति उस समय हुई है, जब अरुणाचल प्रदेश हाल की घटनाओं के चलते देशभक्ति की भावना से सराबोर है। 27 वर्षीय कप्तान ओनम गाम्नो अरुणाचल प्रदेश के ईस्ट सियांग जिले के मेबो थाना क्षेत्र के नगोपोक गांव की रहने वाली हैं। वह देश की सबसे सफल आर्म रेसलर्स में से एक हैं। उन्होंने 2024 में मुंबई में हुए एशियन कप में एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज, 2025 की नेशनल आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज और 2023 की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते थे। उनकी उपलब्धियां पूर्वोत्तर के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

उपकप्तान श्रीमंत झा हाल ही में हंगरी पैरा आर्म रेसलिंग वर्ल्ड कप में रजत पदक जीत चुके हैं। विशेष रूप से सक्षम खिलाड़ियों के लिए वह दृढ़ संकल्प और संघर्ष की मिसाल हैं। उनकी उपस्थिति टीम के नेतृत्व में नई ऊर्जा और मजबूती का संचार करती है। कप्तान ओनम गाम्नो ने कहा, 'भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात है। मेरा हर कदम देश के नाम है। मैं पूरी ताकत से खेलूंगी और तिरंगे को गौरवान्वित करूंगी।'

पीपुल्स आर्म रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (पीएएफआई) की अध्यक्ष और एशियन आर्म रेसलिंग फेडरेशन (एएएफ) की उपाध्यक्ष प्रीति झंगियानी ने कहा, 'ओनम गाम्नो और श्रीमंत झा का चयन भारतीय आर्म रेसलिंग की ताकत, कौशल और जज़्बे का प्रतीक है। ओनम का नेतृत्व और श्रीमंत की प्रेरणादायक यात्रा हमारे मूल्यों—दृढ़ता और एकता—का प्रतिनिधित्व करती है।'

इन नियुक्तियों से न केवल टीम इंडिया की प्रतिस्पर्धात्मक उम्मीदों को बल मिला है, बल्कि यह भी स्पष्ट होता है कि आर्म रेसलिंग एक समावेशी और तेजी से बढ़ता हुआ खेल बन चुका है। पूर्वोत्तर और विशेष रूप से सक्षम समुदाय दोनों का प्रतिनिधित्व करने वाले ये खिलाड़ी खेल जगत में विविधता, अवसर और उत्कृष्टता की नई मिसाल कायम कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

स्पिन की कमी के कारण लय पकड़ने में मदद मिली: जैक क्रॉली

ब्रिसबेन। ऑस्ट्रेलिया द्वारा ब्रिसबेन टेस्ट से अनुभवी स्पिनर नाथन लायन को बाहर करने के फैसले ने इंग्लैंड के ओपनर जैक क्रॉली की बल्लेबाजी को आसान बना दिया। क्रॉली ने स्वीकार किया कि पूरी तरह तेज़ गेंदबाज़ी आक्रमण का सामना करते हुए उन्हें अपनी लय पाने में मदद मिली। गाबा में खेले जा रहे पिंक-बॉल टेस्ट के पहले दिन कई मौकों पर ऑस्ट्रेलिया को लायन की कमी खली। दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड 9 विकेट पर 325 रन बनाकर मजबूत स्थिति में रहा। बिना स्पिन खेले ऑस्ट्रेलिया अपनी ओवर-रेट में आठ ओवर पीछे रह गई, जिससे डब्ल्यूटीसी अंक कट सकते हैं। गेंद की हालत बिगड़ने के बाद जोफ्रा आर्चर और जो रूट ने अंतिम विकेट के लिए 61 रनों की अहम साझेदारी कर ऑस्ट्रेलियाई पेसरों को छका दिया। यह जोड़ी मूल्यवान दिन की रोशनी में शुक्रवार को आगे बल्लेबाजी करने उतरेगी। इससे पहले क्रॉली ने 76 रन बनाए, जो ऑस्ट्रेलिया में उनका दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है, जबकि रूट (135*, नाबाद) ने 30 पारियों बाद ऑस्ट्रेलियाई धरती पर शतक जड़ा। क्रॉली ने कहा कि पर्थ में खराब बल्लेबाजी के कारण दबाव में चल रही इंग्लैंड टीम को ऑस्ट्रेलियाई टीम में लायन का नाम न देखकर हैरानी हुई। स्टार्क को छोड़कर सभी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज़ दाएं हाथ के मध्यम गति के पेसर थे। नीसर, कैमरन ग्रीन, स्कॉट बोलैंड और ब्रेंडन डॉगेट ने मिलकर 249 रन देकर सिर्फ दो विकेट लिए, जबकि स्टार्क ने 6/71 लेकर अधिकांश नुकसान किया। क्रॉली ने माना कि गेंदबाज़ी में विविधता न होने से बल्लेबाजी आसान हुई। दिन के खेल के बाद क्रॉली ने पत्रकारों से बातचित में कहा, 'चारों सीमरों के खिलाफ एक लय हासिल हो जाती है। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, बल्लेबाजी आसान होती गई।' वहीं मिचेल स्टार्क ने हालांकि हमले में विविधता की कमी को लेकर चिंता जताने से इनकार किया। उन्होंने कहा, 'गति सबकुछ नहीं है। यही संयोजन हमने इस हफ्ते चुना है।' उन्होंने कहा कि लायन के बिना भी उन पर किसी अतिरिक्त दबाव की भावना नहीं थी।

अंडर-19 महिला क्रिकेट चैंपियनशिप के लिए राजस्थान की उपकप्तान बनी तनिका

दौसा। तनिका शर्मा अंडर-19 महिला क्रिकेट चैंपियनशिप में राजस्थान टीम की उप-कप्तान बनायी गयी हैं। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि दोसा जिले की तनिका के उप-कप्तान बनने से जिले का सम्मान बढ़ा है। उनके चयन पर जिला संघ ने बधाई दी है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा इस आयोजित इस अंडर-19 महिला क्रिकेट चैंपियनशिप के लिए राजस्थान टीम को इंदौर में मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ की टीम से 4 अभ्यास मैच खेलने हैं। इसके बाद टीम त्रिवेंद्रम जाएग, जहां राजस्थान का पहला मुकाबला 19 दिसंबर को बड़ौदा से होगा। इस ग्रुप में राजस्थान के अलावा बड़ौदा, असम, गुजरात और दिल्ली की टीम शामिल है, जिसमें वन-डे मैच खेले जाएंगे।

531 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने बनाये 212/4

क्राइस्टचर्च। शाई होप और जस्टिन ग्रिव्स की अच्छी बल्लेबाजी से वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन अपनी दूसरी पारी में 4 विकेट पर 212 रन बना लिए थे। अब उसे जीत के लिए अंतिम दिन 319 रन और बनाने हैं। वेस्टइंडीज को इस मैच में जीत के लिए 531 रन का बड़ा लक्ष्य मिला है। लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं। टीम ने 72 रनों के अंदर ही अपने शीर्ष चार बल्लेबाजों को खो दिया पर इसके बाद होप और ग्रिव्स ने अच्छी बल्लेबाजी कर पारी संभाली। होप और ग्रिव्स ने पांचवें विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी बनायी। होप ने इस दौरान 183 गेंद पर 1 छक्के और 15 चौकों की सहायता से 116 रन बनाये। वहीं ग्रिव्स 143 गेंद पर 6 चौकों की सहायत से 55 रन बनाकर खेल रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड ने कप्तान टॉम लैथम के 145 और रचिन रवींद्र के 176 रनों की सहायता से अपनी दूसरी पारी में 8 विकेट पर 466 रन बनाये। वहीं वेस्टइंडीज की ओर से केमार रोच ने 5, ओजे शिल्ड्स ने 2 और जायडन सिल्स ने 1 विकेट लिया। पहली पारी में मिली 64 रन की बढ़त के आधार पर न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को जीत के लिए 531 रन का लक्ष्य दिया। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 231 रन बनाये। वहीं वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 167 रन बनाये थे।

केआईयूजी 2025 : एलपीयू के सरताज तिवाना ने मानसिक थकान और पिता की बीमारी से उबरते हुए 50 मीटर राइफल 3पी में जीता गोल्ड

जयपुर, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) के निशानेबाज सरताज तिवाना ने पिछले एक साल से पिता की गंभीर बीमारी और मानसिक थकान का सामना करते हुए भी अपने जज़्बे और मेहनत से खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) 2025 में 50 मीटर राइफल थ्री-पोज़ीशन का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने टीम इवेंट में भी एलपीयू को गोल्ड दिलाया।

मास्टर्स इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के अंतिम वर्ष के छात्र सरताज जानते थे कि राजस्थान में हो रहे केआईयूजी 2025 उनके लिए सीनियर नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप से पहले आत्मविश्वास वापस पाने का महत्वपूर्ण अवसर है। 23 वर्षीय सरताज ने दबाव को पीछे छोड़ते हुए शानदार प्रदर्शन कर अपना गोल्डन स्ट्रीक बरकरार रखा।

उन्होंने कहा, 'आज का परिणाम वही है जिसकी मैंने कल्पना की थी। पिछले एक साल में कई बदलावों से गुजर रहा था। नेशनल चैंपियनशिप से पहले ऐसा माइलस्टोन मिलना बेहद उत्साहजनक है। यह मेरे लिए यूनिवर्सिटी गेम्स में चौथी बार था और मैं हर बार पोडियम पर रहा हूं- इस रिकॉर्ड को टूटने नहीं देना चाहता था।' सरताज ने बोर्डिंग स्कूल में शूटिंग शुरू की थी और तब से वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। वर्ष 2023 में उन्होंने एशियन चैंपियनशिप में सिल्वर, वर्ल्ड चैंपियनशिप में चौथा स्थान और वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में ब्रॉन्ज जीता। पिछले साल जुलाई में उनके सपनों को बड़ा झटका लगा, जब उनके पिता कुलतेज तिवाना को न्यूमोनाइटिस और 'लंग चिकनपॉक्स' जैसी दुर्लभ समस्या के कारण वेंटिलेटर पर रखना पड़ा। इस कारण सरताज को दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज स्थित नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस छोड़कर मोहाली लौटना पड़ा। पिता की गंभीर हालत ने उनके मानसिक संतुलन और अभ्यास पर गहरा असर डाला। वे नियमित रूप से प्रैक्टिस नहीं कर पा रहे थे और जब करते भी थे, तो मन पिता की चिंता में उलझा रहता था। इसके बावजूद उन्होंने अपनी खेलो इंडिया स्कॉलरशिप की मदद से ट्रेनिंग जारी रखी, क्योंकि परिवार इलाज में भारी खर्च उठा रहा था। अब पिता की सेहत में सुधार होने के बाद सरताज फिर से मानसिक और शारीरिक मजबूती पर ध्यान दे रहे हैं, क्योंकि इसी महीने होने वाले सीनियर नेशनल्स से एशियन गेम्स 2026 के लिए टीम चयन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। केआईयूजी 2025 उनके लिए बड़ी परीक्षा थी— और वे उससे शानदार तरीके से सफल होकर निकले। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसा इंसान हूं जो मेहनत करना कभी नहीं छोड़ता, चाहे नतीजा कैसा भी हो। हर किसी के जीवन में मुश्किल दौर आते हैं और मैं भी उसी दौर से गुजरा हूं। अब कुछ बेहतर है और उम्मीद है कि आगे और अच्छा प्रदर्शन करूंगा।

तीसरे एकदिवसीय में भी शतक लगा सकते हैं विराट, विशाखापत्तनम में रहा है शानदार रिकार्ड

विशाखापत्तनम। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार को विशाखापत्तनम में होने वाले तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में भी शतक लगा सकते हैं। कोहली ने सीरीज के पहले दोनों एकदिवसीय में शतक लगाये हैं। ऐसे में अब उनके तीसरे मैच में भी शतक लगाकर हैट्रिक की उम्मीद जतायी जा रही है। विराट का विशाखापत्तनम के मैदान पर शानदार रिकॉर्ड रहा है। विराट ने इस सीरीज की शुरुआत से ही अच्छी बल्लेबाजी की है। रांची में खेले गए पहले एकदिवसीय में उन्होंने शतक लगाया था। तब उन्होंने 120 गेंद पर 135 रन रन बनाये थे। इसके बाद रायपुर में खेले गए दूसरे एकदिवसीय में विराट ने 93 गेंद पर 102 रन की पारी खेली। ऐसे में माना जा रहा है कि वह शानदार लय में हैं और शनिवार को खेले जाने वाले तीसरे मैच में भी बड़ी पारी खेल सकते हैं। गौरतलब है कि पविराट का नाम विशाखापत्तनम में सबसे ज्यादा रन और शतक बनाने वाले बल्लेबाज है। पिछले आंकड़ों को देखें तो विराट ने साल 2011 से साल 2023 के बीच यहां खेले 7 एकदिवसीय मैचों में 3 शतक और 2 अर्धशतक लगाते हुए 587 रन बनाए हैं। वहीं साल 2011 से 2023 के बीच यहां खेले 7 एकदिवसीय मैचों में 3 शतक और 2 अर्धशतक लगाते हुए 587 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 97.83 रन का है।

हेजलवुड को रिहैब के दौरान नई चोट, एड़ी में 'लो-ग्रेड' इंजरी से एशेज में वापसी संदिग्ध

ब्रिस्बेन, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड एक बार फिर चोट की वजह से मुश्किल में पड़ गए हैं। हैमस्ट्रिंग इंजरी से उबरने की प्रक्रिया के दौरान उन्हें अब 'लो-ग्रेड अकिलीस इंजरी' हुई है। इसके बाद एशेज सीरीज़ के बचे हुए मुकाबलों में उनकी उपलब्धता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

गाबा में जारी डे-नाइट टेस्ट के दूसरे दिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने हेज़लवुड की फिटनेस को लेकर आधिकारिक अपडेट जारी किया।

बयान में कहा गया, 'जोश हेज़लवुड ने इस सप्ताह अपनी हैमस्ट्रिंग चोट से रिकवरी के दौरान अकिलीस में दर्द की शिकायत की। यह लो-ग्रेड समस्या है और अगले सप्ताह उनसे दोबारा रनिंग और बॉलिंग शुरू करने की उम्मीद है।'

हालांकि हेज़लवुड के ठीक होने का स्पष्ट टाइमलाइन तय नहीं है और यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उनकी एड़ी की समस्या कितनी जल्दी सुधरती है। गौरतलब है कि हेज़लवुड पिछले महीने शेफ़ील्ड शील्ड में न्यू साउथ वेल्स की तरफ से खेलते हुए हैमस्ट्रिंग चोटिल हुए थे। शुरुआती स्कैन में सब सामान्य था, लेकिन दोबारा जांच में चोट की पुष्टि हुई, जिसके चलते वे एशेज सीरीज़ के पहले दो टेस्ट मैचों से बाहर हो गए। इस सप्ताह उन्हें ब्रिस्बेन आकर टीम के साथ रिकवरी जारी करनी थी, लेकिन दर्द बढ़ने पर यह यात्रा रद्द कर दी गई। वे फिलहाल सिडनी में ही रहेंगे, जिससे उनके बचे हुए मैचों में खेलने की संभावना कमजोर हो गई है। पहले ऐसा माना जा रहा था कि हेज़लवुड 17 दिसंबर से एडिलेड में होने वाले तीसरे टेस्ट से वापसी कर सकते हैं और उन्होंने रेड-बॉल बॉलिंग पर केंद्रित सत्र भी शुरू किया था, लेकिन ताज़ा चोट ने उनकी वापसी को फिर अनिश्चित बना दिया है। अब आशंका है कि वह चौथे टेस्ट से पहले उपलब्ध नहीं होंगे और यदि पूरा एशेज मिस करते हैं, तो यह 2014 में डेब्यू के बाद पहली बार होगा जब वह किसी एशेज में एक भी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे।

हेडन की बेटी ने शतक लगाने के लिए रुट का आभार जताया, अपने शर्मिंदगी से बचाया

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ही नहीं उनकी बेटी ने भी इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रुट के शतक पर खुशी जतायी है। हेडन की बेटी ग्रेस ने रुट के शतक को लेकर सोशल मीडिया में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। ग्रेस इसलिए भी खुश हैं क्योंकि इससे उनके पिता हेडन भी एक अजीब सी मुसीबत से जो बच गये। हेडन ने हाल ही में कह दिया था कि अगर रुट इस एशेज सीरीज में शतक शतक नहीं लगा पाते हैं तो वह बिना कपड़ों के मैदान में दौड़ेंगे। अब जबकि रुट ने शतक लगा दिया है तो हेडन इस परेशानी से बच गये हैं। रूट इससे पहले तक ऑस्ट्रेलिया में एक भी टेस्ट शतक नहीं लगा पाये थे। गुरुवार को उन्होंने गाबा में उस कमी को भी पूरा कर लिया। उनके शतक के बाद ग्रेस ने सोशल मीडिया में अपनी सेल्फी के साथ अपनी बात रखी। उसमें उन्होंने लिखा, 'रूट,शुक्रिया। आपने हम सबकी आंखों को बचा लिया।' ग्रेस का संकेत अपने पिता हेडन के उसी वादे की ओर था जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर रुट मौजूदा एशेज सीरीज में बिना शतक नहीं बना पाते हैं तो वह मैदान में बिना कपड़ों के दौड़ंगे। रुट ने शतक लगाकर हेडन को शर्मिंदगी से बचा लिया है।

केंद्रीय मंत्री मांडविया ने ऐतिहासिक घुड़सवार पदक विजेताओं को किया सम्मानित

नई दिल्ली, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को एफईआई एशियन इक्वेस्ट्रियन (घुड़सवारी) चैंपियनशिप 2025 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम को सम्मानित किया। पटाया में हुए इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट से छह सदस्यीय भारतीय दल ने टीम और व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं में कुल 5 पदक जीतकर देश के लिए इतिहास रच दिया।

इवेंटिंग में आशीष लिमये ने व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक और टीम इवेंट में रजत पदक अपने नाम किया। ड्रेसाज में श्रुति बोरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन रजत पदक हासिल किए—दो व्यक्तिगत और एक टीम इवेंट में। टीम के अन्य सदस्य शशांक सिंह कटारिया व शशांक कनमुड़ी (इवेंटिंग) और दिव्याकृति सिंह व गौरव पुंडीर (ड्रेसाज) थे।

एथलीटों को सम्मानित करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि भारत अब उन खेलों में भी सफलता हासिल कर रहा है, जिनमें पहले वैश्विक स्तर पर हमारी उपस्थिति बेहद सीमित थी। उन्होंने कहा, 'यह 10 साल पहले वाला भारत नहीं है। पिछले दशक में हमारे खेल इकोसिस्टम में जबरदस्त बदलाव आया है। सरकार खिलाड़ी और उसके पदक के बीच आने वाली हर बाधा को दूर करेगी। हम भारत में इक्वेस्ट्रियन के लिए अनुकूल स्पोर्ट्स व्यवस्था तैयार करेंगे ताकि खिलाड़ियों को विदेश में प्रशिक्षण के लिए न जाना पड़े।'

मंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि सरकार एक साल के भीतर देश में एक क्वारंटाइन सेंटर स्थापित करेगी, जो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए घोड़ों की आवाजाही में लंबे समय से आ रही समस्या का समाधान करेगा।

तीन रजत पदक विजेता श्रुति बोरा ने मंत्री के त्वरित कदमों की सराहना की। उन्होंने कहा, 'जैसे ही हमने अपनी चिंताएं साझा कीं, उन्होंने तुरंत इक्वाइन डिज़ीज़-फ्री ज़ोन पर काम शुरू करने के निर्देश दिए।

प्रीमियर लीग: मागासा के देर से किए गोल ने बचाई वेस्ट हैम की लाज, मैनचेस्टर यूनाइटेड से 1-1 से ड्रा खेला

मैनचेस्टर, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने गुरुवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में वेस्ट हैम यूनाइटेड से 1-1 से ड्रा खेला। उसे प्रीमियर लीग में पाँचवें स्थान पर पहुँचने का मौका गंवाना पड़ा। इस नतीजे के साथ ही वेस्ट हैम अभी भी रिलीगेशन ज़ोन में बना हुआ है।

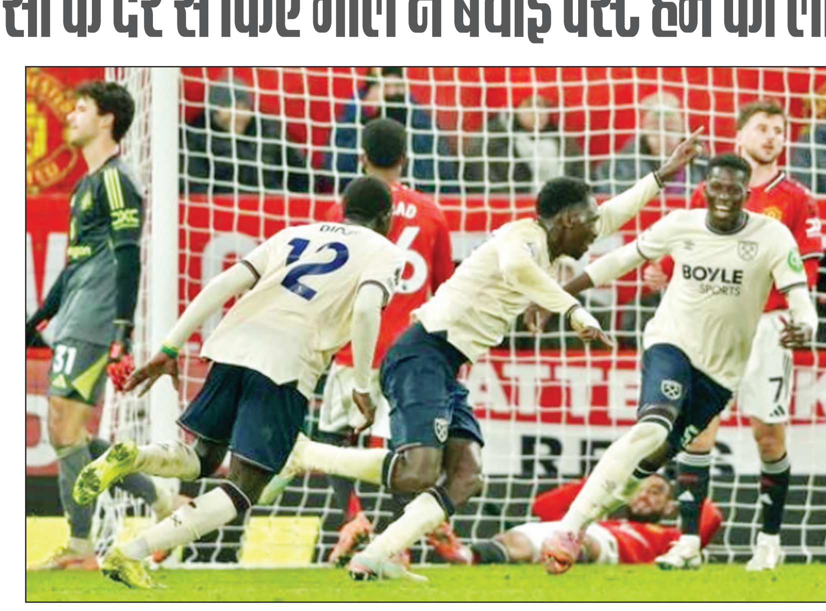

पहले हाफ में दोनों टीमों का खेल बेहद फीका रहा और कोई भी गोल नहीं हो सका। 58वें मिनट में दीओगो डालोट ने गोल दागकर मैनचेस्टर यूनाइटेड को बढ़त दिलाई। लेकिन मैच खत्म होने से सात मिनट पहले वेस्ट हैम के सऊंगौतू मागासा ने शानदार बराबरी गोल कर दिया, जिसके बाद अंतिम सीटी पर यूनाइटेड प्रशंसकों की ओर से हूटिंग सुनाई दी।

अंक तालिका में मैनचेस्टर यूनाइटेड 22 अंकों के साथ आठवें स्थान पर है, जबकि वेस्ट हैम 12 अंकों के साथ 18वें स्थान पर बना हुआ है और 17वें स्थान पर मौजूद लीड्स यूनाइटेड से दो अंक पीछे है।

मैच की शुरुआत के पहले आधे घंटे में वेस्ट हैम ने गेंद पर अच्छा नियंत्रण रखा लेकिन कोई वास्तविक खतरा नहीं बना सके। इसके बाद यूनाइटेड ने लय पकड़ी। ब्रायन मब्यूमो के दूर से लगाए गए लूपिंग शॉट को गोलकीपर अल्फोंस अरियोला ने शानदार तरीके से बार के ऊपर पहुंचाया।

आमद डायलो ने बॉक्स में गेंद भेजी, जिस पर जोशुआ ज़िर्कज़ी ने थाई से शॉट लगाया, लेकिन आरोन वान-बिसाका ने गोललाइन पर शानदार बचाव किया। कुछ ही देर बाद ब्रूनो फर्नांडिस का शॉट पोस्ट के बाहर से निकल गया।

अपने पूर्व क्लब के खिलाफ खेल रहे वान-बिसाका ने वेस्ट हैम की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए कई अहम टैकल किए और टीम को पहले हाफ में गोल खाने से बचाया।

दूसरे हाफ में मागासा ने एक बार साइड नेटिंग में शॉट लगाया, लेकिन आखिरकार 58वें मिनट में यूनाइटेड को बढ़त मिल गई। कासेमीरो के शॉट का डिफ्लेक्शन डालोट को मिला और उन्होंने घूमते हुए गेंद को अरियोला के पार भेज दिया।

मैच लगभग यूनाइटेड की संकीर्ण जीत की ओर बढ़ता दिख रहा था, लेकिन जारोड बोवेन के हेडर को मजरौई ने गोललाइन पर रोका। रिबाउंड पर मागासा ने जोरदार शॉट लगाकर बराबरी दिला दी।

अंतिम मिनटों में दोनों टीमें विजयी गोल की तलाश में सक्रिय दिखीं, लेकिन फर्नांडिस दो मौकों पर चूक गए। कमजोर प्रदर्शन की वजह से मैनचेस्टर यूनाइटेड को आखिरकार निराशाजनक ड्रॉ से ही संतोष करना पड़ा।

अनिल अंबानी पर ईडी की कार्रवाई 1,120 करोड़ की संपत्तियां अटैच

मुंबई, 05 दिसंबर (एजेंसियां) । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी समूह से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 से अधिक संपत्तियों, फिक्स्ड डिपॉजिट, बैंक बैलेंस और अनक्वोटेड निवेशों को अस्थायी रूप से अटैच कर दिया है। इन संपत्तियों का मूल्य लगभग 1,120 करोड़ रुपए है। यह कार्रवाई रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएसएफएल), रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) और यस बैंक धोखाधड़ी से संबंधित है। अटैच

आरएचएफएल, आरसीएफएल और यस बैंक धोखाधड़ी से संबंधित मामला

की गई संपत्तियों में रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की 7 प्रॉपर्टी, रिलायंस पावर लिमिटेड की 2 प्रॉपर्टी और रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की 9 प्रॉपर्टी शामिल हैं। इसके अलावा विभिन्न कंपनियों के एफडी, बैंक बैलेंस और अनक्वोटेड निवेश भी शामिल हैं। ईडी पहले ही आरकॉम, आरसीएफएल और आरएसएफएल के मामलों में 8,997 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियां कुर्क कर चुका है।

नई कार्रवाई के बाद समूह की कुल अटैच की गई संपत्तियां 10,117 करोड़ रुपए तक पहुंच गई हैं। ईडी ने पाया कि 2017-2019 के दौरान यश बैंक ने आरएचएफएल में 2,965 करोड़ और आरसीएफएल में 2,045 करोड़ रुपए निवेश किया, जो बाद में एनपीए में बदल गए। आरएचएफएल और आरसीएफएल ने कुल11,000 करोड़ रुपए से अधिक का सार्वजनिक धन प्राप्त किया, जिसे जटिल वित्तीय मार्गों के जरिए समूह कंपनियों तक पहुंचाया गया। जांच में यह भी सामने आया कि सेबी नियमों का उल्लंघन करते हुए रिलायंस निप्पन म्यूचुअल फंड सीधे निवेश नहीं कर सकता था, लेकिन धन यश बैंक के माध्यम से समूह कंपनियों तक पहुंचा। 2010-2012 के बीच समूह ने देशी-विदेशी बैंकों से बड़े ऋण लिए, जिनमें से 40,185 करोड़ रुपए बकाया रहे और 9 बैंकों ने इसे धोखाधड़ी करार दिया।

न्यूज ब्रीफ

स्मॉलकैप फंड्स लौटे निवेशकों की नजर में, नए ईटीएफ और एनएफओ लॉन्च

नई दिल्ली। स्मॉलकैप इक्विटी फंड्स एक बार फिर निवेशकों की रुचि का केंद्र बन गए हैं। हाल ही में कई फंड हाउस ने इस श्रेणी में नए फंड और ईटीएफ लॉन्च किए हैं। डीएसपी निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड और उसका ईटीएफ सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध है। इसी महीने हेलिओस और सैमको के सक्रिय रूप से प्रबंधित स्मॉलकैप एनएफओ बंद हो चुके हैं। इसके अलावा, ग्रो एएमसी और मिरे एएमसी के ईटीएफ की ट्रेडिंग भी शुरू हो चुकी है। अब इस श्रेणी में कुल 58 फंड्स हैं, जिनका एसेट अंडर मैनेजमेंट लगभग 3.86 लाख करोड़ रुपए है। पिछले एक महीने में स्मॉलकैप फंड्स ने कमजोर प्रदर्शन किया है। औसतन ये फंड्स 5.4 प्रतिशत की गिरावट के साथ पीछे रहे, जबकि बड़े पूंजी (लार्ज कैप) फंड्स ने 5.4 प्रतिशत का लाभ दर्ज किया। इसके बावजूद विशेषज्ञ दीर्घकालिक निवेशकों के लिए इसे बेहतर अवसर मान रहे हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि पिछले साल की तेजी का असर खत्म हो चुका है और मूल्यांकन सामान्य स्तर पर आ गए हैं, जिससे यह खंड दीर्घकालिक निवेशकों के लिए मजबूत दिखता है। उनके अनुसार स्मॉलकैप फंड्स लंबी अवधि में विकास की मजबूत संभावनाएं प्रदान करते हैं और उभरती उद्योग की अग्रणी कंपनियों तक निवेशकों को पहुंचाते हैं। स्मॉलकैप फंड्स में कम से कम 65 प्रतिशत निवेश स्मॉलकैप कंपनियों में करना अनिवार्य है। ये कंपनियां बाजार पूंजीकरण रैंकिंग 251 या उससे नीचे की होती हैं और बड़े पूंजी वाली कंपनियों की तुलना में अधिक विविधता और जोखिम वाली होती हैं।

सरकार आईडीबीआई बैंक का करेगी निजीकरण, जुटाएगी 64 हजार करोड़

मुंबई। भारत सरकार ने आईडीबीआई बैंक की मैजॉरिटी हिस्सेदारी बेचने में तेजी दिखाई है। योजना के अनुसार सरकार 30.48 फीसदी हिस्सेदारी और एलआईसी 30.24 फीसदी हिस्सेदारी तथा प्रबंधन नियंत्रण निजी निवेशकों को बेचकर लगभग 64,000 करोड़ रुपये जुटाएगी। सूत्रों के अनुसार बोली प्रक्रिया की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं और संभावित निवेशकों के साथ बातचीत चल रही है। आइडीबीआई बैंक में रुचि दिखाने वाले प्रमुख निवेशकों में कोटक महिंद्रा बैंक, एमिरेट्स एनबीडी और फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स शामिल हैं। विशेष रूप से कोटक महिंद्रा बैंक फिलहाल बोली में सबसे आगे माना जा रहा है। सरकारी एजेंसी इस महीने ही औपचारिक रूप से बोली प्रक्रिया शुरू कर सकती है। कई वर्षों तक घाटे में रहने वाला आईडीबीआई बैंक अब निवेशकों के लिए आकर्षक बन चुका है। बैंक ने अपने एनपीए कम किए और आक्रामक वसूली तथा पूंजीगत सहायता के चलते लाभ में लौट आया है। इस साल बैंक के शेयरों में लगभग 30 फीसदी वृद्धि हुई, जिससे इसका बाजार मूल्य 1 ट्रिलियन रुपये (11.6 बिलियन डॉलर) से अधिक हो गया।

इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में उतरने जा रही विनफास्ट

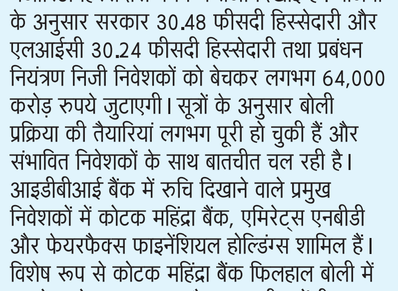

नई दिल्ली। भारत में विनफास्ट कंपनी अपनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी कर रही है। कंपनी तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में उतरने जा रही है। विनफास्ट का कहना है कि वह 2026 के अंत तक भारत में अपना पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करेगी। इसके लिए पहले से ही फीजिबिलिटी स्टडी चल रही है, ताकि उसके ग्लोबल पोर्टफोलियो में मौजूद मॉडल्स में से भारत के लिए उपयुक्त विकल्प चुने जा सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विनफास्ट कई इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचती है, जिनमें फेलिज, कलारा नीयो, ईवीओ ग्रांड, वीरो एक्स, वेंटो एस और थीयोन एस जैसे मॉडल शामिल हैं। इनमें साइड-माउंटेड और हब-माउंटेड दोनों तरह की मोटर मिलती हैं, जो 60 से 99 द्धद्बश्चद्ध तक की स्पीड देने में सक्षम हैं। बैटरी रेंज मॉडल के अनुसार लगभग 160 किलोमीटर तक जाती है। हालांकि ये आंकड़े फिलहाल वियतनाम बाजार के लिए हैं और भारतीय आवश्यकताओं के आधार पर इनमें बदलाव किया जा सकता है।

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने एक दिन में कमाए 95,000 करोड़

नई दिल्ली, 05 दिसंबर (एजेंसियां) । घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। हालांकि मौद्रिक नीति का ऐलान होने के बाद बाजार की चाल में तेजी आ गई। मौद्रिक नीति में ब्याज दरों में कटौती का शेयर बाजार ने दिल खोल कर स्वागत किया। इसी वजह से दिन के कारोबार में कई बार मुनाफा वसूली की कोशिश होने के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी बनी रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.52 प्रतिशत और निफ्टी 0.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, फाइनेंशियल और आईटी सेक्टर के शेयरों में लगातार तेजी बनी रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, डिफेंस, हेल्थकेयर, एफएमसीजी और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों पर दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में मिला-जुला कारोबार होता रहा। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 1 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़कर 470.80 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 469.85 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 95 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,328 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,816 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,326 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 186 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,834 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,152 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,682 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर बढ़त के साथ और 6 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 38 शेयर हरे निशान में और 12 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 139.84 अंक की कमजोरी के साथ 85,125.48 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के बाद ये सूचकांक फिसल कर 85,078.12 अंक के स्तर पर आ गया। सुबह 10 बजे तक इस सूचकांक की चाल में मामूली उतार चढ़ाव होता रहा। इसके बाद रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने का ऐलान करने के साथ ही शेयर बाजार की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 718.60 अंक उछल कर 531.40 अंक की मजबूती के साथ 85,796.72 अंक के स्तर पर पहुंच गया। आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई मामूली बिकवाली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 85 अंक फिसल कर 447.05 अंक की बढ़त के साथ 85,712.37 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 33.95 अंक टूट कर 25,999.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक थोड़ी देर में ही लुढ़क कर 25,985.35 अंक के स्तर पर आ गया। सुबह 10 बजे तक इस सूचकांक की चाल ऊपर नीचे होती रही। इसके बाद मौद्रिक नीति का ऐलान होते ही इस सूचकांक ने कुलांचे भरना शुरू कर दिया। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 217.25 अंक उछल कर 168.85 अंक की तेजी के साथ 26,202.60 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे खिसक कर 152.70 अंक की बढ़त के साथ 26,186.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस 3.23 प्रतिशत, एसबीआई 2.47 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 2.31 प्रतिशत, अदानी एंटरप्राइजेज 2.14 प्रतिशत और बजाज फाइनेंस 1.84 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, इंटर ग्लोब एवियशन 1.21 प्रतिशत, एटरनल 1.13 प्रतिशत, टीएमपीवी 0.80 प्रतिशत, ट्रेंट लिमिटेड 0.78 प्रतिशत और सन फार्मास्यूटिकल 0.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

इंडिगो सीईओ बोले-समय पर उड़ानें शुरू करना मुश्किल

नई दिल्ली, 05 दिसंबर (एजेंसियां) ।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने शुक्रवार सुबह यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। एयरपोर्ट ने बताया कि तकनीकी और ऑपरेशनल समस्याओं के कारण कई घरेलू उड़ानों में देरी और रद्द होने की स्थिति उत्पन्न हुई है। यात्रियों से कहा गया है कि वे एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति सीधे एयरलाइन से जांच लें। एयरपोर्ट की ऑन-ग्राउंड टीमें एयरलाइंस और अन्य साझेदारों के साथ मिलकर स्थिति को सामान्य करने का प्रयास कर रही हैं।

अधिकारियों ने यात्रियों से धैर्य और सहयोग बनाए रखने की अपील की है। एयरपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा परिस्थितियों में उड़ानों का शेड्यूल बदल सकता है। इसलिए यात्रियों को यात्रा से पहले अपनी

यात्रियों को सलाह, यात्रा से पहले अपनी फ्लाइट स्टेटस की पुष्टि एयरलाइन वेबसाइट से जरूर कर लें

फ्लाइट स्टेटस की पुष्टि एयरलाइन की वेबसाइट, मोबाइल ऐप या ग्राहक सेवा के जरिए करनी चाहिए। एयरपोर्ट पर भीड़भाड़ को देखते हुए समय से पहले पहुंचना और आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करना जरूरी है। एयरपोर्ट ने सभी यात्रियों का सहयोग और धैर्य के लिए धन्यवाद भी दिया। इंडिगो एयरलाइन ने गुरुवार को 550 से अधिक उड़ानें रद्द कीं। यह लगातार तीसरा दिन था जब उड़ान रद्द या देर होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। एयरलाइन के सीईओ ने कहा कि ऑपरेशनल चुनौतियों को दूर करने के लिए टीमें काम कर रही हैं, लेकिन स्थिति सामान्य होने में समय लग सकता है। रद्द उड़ानों के कारण एयरपोर्ट पर लंबी कतारें और निराशा देखने को मिली। इंडिगो ने भी यात्रियों से एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जांचने की अपील की।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत-रूस....

मोदी ने कहा कि फर्टिलाइजर, सिरामिक्स, सीमेंट, मैन्युफैक्चरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग के कई अवसर हैं।

मोदी ने कहा कि आज भारत किफायती और कुशल इलेक्ट्रिक वाहन, दोपहिया वाहन और सीएनजी मोबिलिटी सॉल्यूशंस में वैश्विक नेता बन चुका है।

मोदी ने कहा कि रूस उन्नत सामग्री का बड़ा उत्पादक है। दोनों देश मिलकर ईवी निर्माण, ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स और वायरलेस मोबिलिटी टेक्नोलॉजी में साझेदारी कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इस साझेदारी से न केवल दोनों देशों की जरूरतें पूरी होंगी, बल्कि यह ग्लोबल साउथ, खासकर अफ्रीका के विकास में भी योगदान देगा।

मोदी ने कहा कि भारत ने डिफेंस और स्पेस सेक्टर्स को निजी कंपनियों के लिए खोल दिया है, जिससे नए अवसर पैदा हुए हैं। अब इसी तरह सिविल-न्यूक्लियर सेक्टर में भी निजी भागीदारी के लिए दरवाजे खोले जा रहे हैं। मोदी ने कहा कि यह सिर्फ प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि सोच में बदलाव है। इन सुधारों का लक्ष्य एक विकसित भारत बनाना है।

मोदी ने आगे सहयोग बढ़ाने के लिए कुछ प्रमुख सुझाव भी रखे। उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में वे और राष्ट्रपति पुतिन पूर्ण क्षमता का उपयोग करने पर सहमत हुए हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आईएनएसटीसी (इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर), नॉर्दर्न सी रूट और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक कॉरिडोर पर तेजी से काम आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इन रूट्स के विकसित होने से ट्रांजिट टाइम कम होगा, लागत घटेगी और कारोबार के लिए नए बाजार खुलेंगे।

मोदी ने सुझाव दिया कि डिजिटल टेक्नोलॉजी की मदद से कस्टम, लॉजिस्टिक्स और रेगुलेटरी सिस्टम को वर्चुअल ट्रेड कॉरिडोर के जरिए जोड़ा जा सकता है। इससे कस्टम क्लियरेंस तेज होगी, कागजी प्रक्रियाएं कम होंगी और माल ढुलाई और सुगम हो जाएगी।

मोदी ने कहा कि उन्होंने और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब डॉलर से ऊपर ले जाने का लक्ष्य तय किया है। लेकिन बातचीत और मौजूदा संभावनाओं को देखते हुए उन्हें लगता है कि यह लक्ष्य 2030 से पहले ही पूरा हो जाएगा।

मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच टैरिफ और नॉन-टैरिफ बाधाओं को तेजी से कम किया जा रहा है, जिससे व्यापार और निवेश का रास्ता और आसान होगा।

पीएम मोदी ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में भारत में जितनी तेजी से बदलाव हुए हैं, वैसी गति पहले कभी नहीं देखी गई। 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफार्म' के सिद्धांत पर चलते हुए भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि जीएसटी में सुधार और कम्प्लाइंस कम करने जैसे कदम, देश में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को और बेहतर बनाने के लिए उठाए गए हैं।

फोरम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का इतने बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ आना एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने सभी का गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि इस मंच से जुड़कर अपने विचार साझा करना उनके लिए खुशी की बात है।

मोदी ने पुतिन का आभार जताते हुए बताया कि भारत और यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत शुरू हो चुकी है।

मोदी ने कहा कि बिजनेस हो या कूटनीति, किसी भी साझेदारी की नींव भरोसा होती है। यही भरोसा भारत-रूस संबंधों की सबसे बड़ी ताकत है, जो दोनों देशों के संयुक्त प्रयासों को दिशा और गति देता है।

पुतिन ने कहा कि वे भारत और रूस के बीच बहुआयामी आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

पुतिन ने बताया कि आज हुई बैठकों के बाद दोनों देशों ने आर्थिक सहयोग को बढ़ाने के लिए एक अहम दस्तावेज पर सहमति बनाई है। उन्होंने कहा कि रूसी कंपनियां भारत से विभिन्न तरह के सामान और सेवाओं की खरीद बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

पुतिन ने भरोसा दिलाया कि भारत और रूस के बीच व्यापार बढ़ाने से जुड़े हर नए प्रयास और पहल को रूस पूरी तरह समर्थन देगा।

पुतिन ने कहा कि रूस और भारत लंबे समय से भरोसेमंद व्यापारिक साझेदार हैं और दोनों देशों के बीच कारोबार लगातार तेजी से बढ़ रहा है।

पुतिन ने बताया कि पिछले तीन साल में द्विपक्षीय व्यापार में रिकॉर्ड 80% की बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल भारत-रूस व्यापार 64 अरब डॉलर पर पहुंच गया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के पास बड़े कंज्यूमर मार्केट हैं और व्यापार तथा निवेश को और बढ़ाने के लिए बहुत व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

पुतिन ने पीएम मोदी की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत पूरी तरह स्वतंत्र और स्वायत्त नीति अपना रहा है और इसके अच्छे नतीजे भी मिल रहे हैं।

पुतिन ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। उन्होंने 'मेक इन इंडिया' जैसी पहल को भारत की आर्थिक सफलता की बड़ी वजह बताया।

पुतिन ने कहा कि इन नीतियों की वजह से भारत तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बन रहा है और आईटी व दवा उद्योग में भारत दुनिया में अग्रणी स्थान पर पहुंच चुका है।

इंडिया-रूस बिजनेस फोरम में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि उनकी टीम सिर्फ तेल और गैस पर बात करने या सौदे करने के लिए भारत नहीं आई है। उन्होंने कहा कि रूस भारत के साथ हर क्षेत्र में रिश्ते और व्यापार बढ़ाना चाहता है।

पुतिन के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बार निजी बातचीत में कहा है कि भारत में कई सेक्टर में बड़ी संभावनाएं हैं, लेकिन दोनों देशों ने इनका पूरा फायदा अभी तक नहीं उठाया है।

पुतिन ने कहा कि यही वजह है कि इस बिजनेस फोरम का आयोजन किया गया है, ताकि दोनों देश नए क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ा सकें और मौकों का बेहतर इस्तेमाल कर सकें।

रूस में पढ़ाई के लिए भारतीय छात्रों का रास्ता आसान

दिल्ली में रसियन एजुकेशन एजेंसी का पहला ऑफिस खोला गया है। यह एजेंसी सिनर्जी कॉर्पोरेशन और इन्नोप्राक्टिका इंडिया का जॉइंट प्रोजेक्ट है। इसका मकसद भारतीय छात्रों को हायर एजुकेशन के लिए रूस में ज्यादा से ज्यादा मौके देना है।

इन्नोप्राक्टिका की फर्स्ट डिप्टी सीईओ नतालिया पोपोवा ने कहा कि अब ज्यादा भारतीय छात्र रूसी शिक्षा की ओर आकर्षित होंगे। उन्होंने बताया कि भारत से कई छात्र पहले भी रूस में पढ़ाई कर चुके हैं और सफल करियर बना चुके हैं।

नतालिया पोपोवा के मुताबिक, रूस में पढ़ने वाले भारतीय छात्र आगे चलकर दोनों देशों की इनोवेशन और टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री के बीच पुल का काम कर सकते हैं और हाई-टेक कंपनियों को एक साथ जोड़ने में मदद करेंगे।,

पुतिन के भारत दौरे पर चीनी मीडिया ने लिखा

चीन की मीडिया ने पुतिन के भारत दौरे पर लिखा है कि यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। ट्रम्प बार-बार भारत पर दबाव डाल रहे हैं कि वह रूस से तेल खरीदना बंद करे।

चीन की सरकारी एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, बाहरी विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को अपनी ऊर्जा जरूरतों के कारण रूस के साथ यह सहयोग तोड़ना मुश्किल है।

ग्लोबल टाइम्स अखबार ने चीन की फॉरेन अफेयर्स यूनिवर्सिटी के ली हैडोंग के हवाले से लिखा कि रूस और भारत दोनों पर अमेरिका और पश्चिमी देशों की पाबंदियां और दबाव के कामयाब होने की संभावना बहुत कम है।

फुदान यूनिवर्सिटी के दक्षिण एशिया विशेषज्ञ लिन मिनवांग ने कहा कि रूस लंबे समय से भारत की विदेश नीति में एक तरह का 'स्ट्रैटेजिक सेफ्टी नेट' रहा है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय हालात जिस तेजी से बदल रहे हैं, उसमें यह साफ नहीं है कि भारत भविष्य में भारत-रूस रिश्ते को कितनी दूर तक आगे बढ़ाना चाहेगा।

4 दिन में 1200....

के बाद यात्रियों का सामान ट्रॉलियों में जमा रहा। यात्रियों को सामान वापस लेने में लंबा इंतजार करना पड़ा।

हैदराबाद: यहां 32 उड़ानें रद्द हुई हैं। उड़ान कैंसिल होने और देरी के कारण देश भर में हजारों यात्री परेशान है।

बेंगलुरुः बेंगलुरु102 फ्लाइट्स रद्द हुई हैं। यहां भी लोग एयरपोर्ट पर घंटों इंतजार कर वापस लौटते देखे गए।

केंद्र सरकार ने देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो को फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन के नए नियमों से राहत दे दी है। सरकार ने अपना वह आदेश तत्काल वापस ले लिया है, जिसके तहत पायलटों समेत अन्य क्रू को हर सप्ताह लगातार 48 घंटे का वीकली रेस्ट देना अनिवार्य किया गया था।

डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के नए नियमों में वीकली रेस्ट और छुट्टियों को अलग-अलग मानने का प्रावधान था। यह नियम पायलटों और अन्य क्रू के थकान को कम करने के लिए बनाया गया था। हालांकि, अब क्रू को पहले की तरह हर 7 दिनों में लगातार 36 घंटे का आराम मिलेगा।

इंडिगो ने गुरुवार को डीजीसीए से फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन के नियमों से 10 फरवरी 2026 तक छूट देने की अपील की थी। कंपनी ने आश्वासन दिया था कि तीन महीने के भीतर उसकी परिचालन स्थिति फिर से सामान्य हो जाएगी।

डीजीसीए ने 1 नवंबर से पायलटों और अन्य क्रू मेंबर्स के काम से जुड़े नियमों में बदलाव किए हथे। इसे फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नाम दिया गया है। इन्हें दो चरणों में लागू किया गया। पहला चरण 1 जुलाई को लागू हुआ।

वहीं 1 नवंबर से दूसरा चरण लागू हुआ। नए नियमों में यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए पायलटों और क्रू को पर्याप्त आराम देने पर जोर दिया गया है। इस कारण एयरलाइन कंपनियों के पास पायलटों और क्रू मेंबर्स की अचानक कमी पड़ गई है। डीजीसीए ने बताया कि नवंबर में इंडिगो की कुल 1,232 उड़ानें कैंसिल की गईं, जिनमें एफडीटीएल नियमों के कारण 755 उड़ानें शामिल हैं।

पान मसाला पर....

की वृद्धि हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने लोकसभा में कांग्रेस सदस्य दीपेंद्र हुड्डा के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि इस तरह के मामलों में एक दिन में परिवर्तन नहीं आता है और समय लगता है।

- द्रमुक के वरिष्ठ नेता टी आर बालू ने तमिलनाडु में एक दरगाह के निकट स्थित मंदिर में 'कार्तिगई दीपम' से जुड़ा मुद्दा शुक्रवार को लोकसभा में उठाया और मद्रास उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश पर टिप्पणी की, जिस पर सत्तापक्ष ने तीखी आपत्ति जताई। बालू ने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नाम लिए बगैर आरोप लगाया कि एक दल द्वारा सांप्रदायिक टकराव की स्थित पैदा की जा रही है। उन्होंने इस मामले में फैसला देने वाले न्यायाधीश को एक संगठन से जोड़कर उनका उल्लेख किया। इस पर सदन में हंगामा शुरू हो गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि बालू असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकते।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 06 दिसंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

एनएमडीसी ने आईआईटी कानपुर के साथ समझौता पर हस्ताक्षर किए

हैदराबाद, 5 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने उद्योग-शैक्षणिक सहयोग को मजबूत बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं । इस पहल के तहत एनएमडीसी के प्रचालनों में साइबर सुरक्षा के क्षेत्रों में नई पहल की सुविधा प्रदान करने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) सहित आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा दिया जाएगा । इस समझौता ज्ञापन पर एनएमडीसी की ओर से श्री सत्येंद्र राय, अधिशासी निदेशक (डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन) और प्रोफेसर अशोक डे, डीन, आर एंड डी, आईआईटी कानपुर ने प्रो. मनिंद्र अग्रवाल, निदेशक, आईआईटी कानपुर, एनएमडीसी के वरिष्ठ अधिकारियों और आईआईटी कानपुर के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी के माध्यम से एनएमडीसी साइबर सुरक्षा जोखिम आकलन; नीति, शासन और अनुपालन समर्थन; आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) एकीकरण और उन्नयन, सुरक्षा संचालन और घटना प्रतिक्रिया, क्षमता निर्माण और ज्ञान साझा करना और संयुक्त अनुसंधान और नवाचार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में आईआईटी कानपुर के साथ काम करेगा। इसके अतिरिक्त, एनएमडीसी और आईआईटी कानपुर संयुक्त रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेंगे, अनुसंधान गतिविधियां करेंगे, पायलट परियोजनाएं चलाएंगे और प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट समाधान का सामूहिक रूप से विकास करेंगे ।

अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएमडीसी ने इस साझेदारी पर कहा, यह समझौता ज्ञापन एनएमडीसी के व्यापक परिचालन पारिस्थितिकी तंत्र में आईआईटी कानपुर की उन्नत अनुसंधान क्षमताओं को समाहित करेगा । यह सहयोग हमें अपनी डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने, परिचालन इंटेलिजेंस में सुधार करने और एनएमडीसी के लि एक सुरक्षित और भविष्य के अनुरूप तकनीकी आधार बनाने में मदद करेगा । यह समझौता ज्ञापन डिजिटल रूप से मजबूत और भविष्य के लिए तैयार खनन संगठन बनने की एनएमडीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है ।

छठ पूजा सम्मान समारोह की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 5 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रविवार 7 दिसंबर को छठ पूजा सम्मान समारोह के लिए संघाध्यक्ष आरपी सिंह की अध्यक्षता में बैठक बुलाया गया । उसमें निर्णय लिया गया की 4:00 बजे को मसाबटैंक स्थित महेश्वरी कंपलेक्स में छठ पूजा घाट प्रभारीयों का संस्था के प्रेरणा स्रोत श्री वी के सिंह साहब द्वारा सम्मान किया जाएगा । मेधावी छात्रों को सम्मानित करने के लिए संस्था के महासचिव श्री राजीव चौबे द्वारा सभी एरिया प्रेसीडेंटों को अपने-अपने एरिया से नाम देने के लिए सुझाव दिए और नई केंद्रीय समिति के गठन के लिए भी सभी से विचार विमर्श किया गया । उपस्थित सभी सदस्यों ने कई सुयोग्य नाम का सुझाव दिया ।इस अवसर पर जन सेवा संघ के अध्यक्ष आर पी सिंह, उपाध्यक्ष गोविंद तिवारी, महासचिव राजीव चौबे, कोषाध्यक्ष बिनीत सिंह, श्री पि पि पांडेय, श्री एल एम चौधरी उपस्थित हुए ।

आयुर्वेदिक रथ यात्रा ने राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान का दौरा किया

हैदराबाद, 5 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
25 दिसंबर से 28 दिसंबर 2025 तक बेंगलुरु में आयोजित होने वाले दूसरे आयुर्वेद विश्व शिखर सम्मेलन के दौरान सात राज्यों में आयुर्वेद रथ यात्रा को बढ़ावा देने के लिए आयुर्वेद रथ आज दोपहर भारत सरकार के आयुष मंत्रालय का राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, गड्डीअन्नारम, हैदराबाद पहुंचा। इस अवसर पर संस्थान की प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. गोली पेंचला प्रसाद एवं कार्यकारी समिति ने धन्वंतरि पूजा कार्यक्रम कासंचालन किया और राजस्व बोर्ड कॉलोनी के निवासियों ने भी इसमें भाग लिया। इसके बाद उन्होंने आयुर्वेदिक रथ यात्रा जारी रखी।

सीएसआईआर-आईआईसीटी में हिंदी पखवाड़ा सम्पन्न

हैदराबाद, 5 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सीएसआईआर - आईआईसीटी में हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन दिनांक 05 दिसम्बर 2025 को किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. टी. जे. रेखारानी की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही संस्थान के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी और प्रशासन नियंत्रक श्री एम. आनंद कुमार जी भी मौजूद थे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में भारत में हिंदी अनिवार्य आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि हिंदी समस्त भारतीय भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ती है। हिंदी सीखकर आप अपनी बात अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचा सकते हैं। हिंदी के वैश्विक परिदृश्य से परिचय कराते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया 137 विश्वविद्यालयों में हिंदी के विभाग हैं। यहां तक कि जापान के विख्यात विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग 100 साल पुराना है।

इस अवसर पर निदेशक ने कहा कि हिंदी में क्षेत्रीय से राष्ट्रीय बनाती है। तेलुगु, तमिल, कन्नड़ा, मलयालम आदि भाषाओं के साहित्यकार हिंदी अनुवाद के माध्यम से पूरे देशभर में पढ़े जाते हैं। उन्होंने लोगों के अत्यधिक लाभ के लिए वैज्ञानिक चिंतन में भी हिंदी को एक प्रमुख भाषा के रूप में अपनाने की आवश्यकताओं पर बल दिया एवं संस्थान के सभी कार्मिकों को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलाई। कार्यालय के प्रशासन नियंत्रक ने संस्थान के द्वारा हिंदी में किए गए महत्वपूर्ण कार्यक्रमों से लोगों को परिचय दिलाते हुए कहा कि आईआईसीटी में चल रहे हिंदी प्रशिक्षण केंद्र का लाभ दूसरे संस्थान भी उठा रहे हैं। माननीय संसदीय राजभाषा समिति के द्वारा भी राजभाषा कार्यान्वयन में हमारे प्रयासों की सराहना की गई।

कार्यक्रम के अंत में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं और संस्थान में हिंदी में वर्षभर में सबसे अधिक कार्य करनेवाले कार्मिकों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और शोध छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हिंदी अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार के द्वारा किया गया। श्री आदर्श कुमार, हिंदी अनुवादक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-8 व महिला वर्ग खेलों का समापन कल

हैदराबाद, 5 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीरवी फ्रेन्डस् क्लब हैदराबाद द्वारा आयोजित सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के 8 वें संस्करण के सेमीफाइनल व फाइनल मुकाबले तथा महिला वर्ग के खेलों के बाद समापन समारोह कल रविवार 7 दिसंबर को सीरवी समाज क्रिकेट ग्राउंड अलियाबाद में आयोजित किया जाएगा। फ्रेन्डस् क्लब के सुरेश सैंणचा ने बताया कि सीरवी समाज प्रीमियर लीग-8 का तथा इस प्रतियोगिता के साथ महिला वर्ग के खेलो में 7 दिसंबर को प्रातः 7.15 को प्रतियोगिता मुख्य प्रायोजक वाहिनी पाइप्स* हेमराज सैणचा टुमकुर, ट्राफी प्रायोजक बुधाराम , गौतम काग, बीरमगुड़ा,मैन ऑफ द मैच, प्रायोजक तुलसाराम सिन्दड़ा चिल्कानगर सीरवी समाज मल्लापुर बडेर अध्यक्ष, टॉस का बॉस प्रायोजक राजुराम ओमप्रकाश,हापूराम बर्फा रायल गोल्ड पॉट मार्केट सिकंदराबाद, अंपायर प्रायोजक आर एस सिल्वर पॉट मार्केट घेवरराम, संजय, गोविन्दराम, महेन्द्र देवेन्द्र, विशेष योगदान जी पी एंटरप्राइसेज आर पी रोड़ अशोक पाण्डे व समाज के गणमान्य तथा मुख्य अतिथियों की उपस्थिति में होंगा। क्रिकेट प्रतियोगिता मे कुल 24 टीमें भाग लिया। जिसमें माताजी इलेवन बिरमगुड़ा ,करमनघाट वॉरियार, एल बी नगर ,संगारेड्डी, शमशाबाद , अस्टिक मेडचल ,कापरा ग्रेट फाइटर, बालनगर , सिकंदराबाद क्लब, आईजी फ्रेंड्स क्लब, सैनिकपुरी, टी एम जी टाइटन्स,अलवाल , सीरवी टाईगर,लींगम्मपल्ली, शंकरपल्ली ,इनमे से 4 टीमों के बिच सेमीफाइनल मुकाबले सिकंदराबाद क्लब व आईजी फ्रेंड्स क्लब, दुसरा मुकाबले मेडचल अस्टिक व करमनघाट वॉरियार कल खेले जाएंगे इनमें से जीतने वाली टीमों के मध्य फाइनल मुकाबला 12.30 बजें से खेला जाएगा।

टीमों क्रिकेट प्रतियोगिता के साथ साथ महिला वर्ग के खेल होंगे। महिला वर्ग के सभी खेल सीरवी क्रिकेट ग्राउंड अलियाबाद में आयोजित हों रहे हैं यह प्रतियोगिता सिरवी फ्रेंड्स क्लब हैदराबाद तेलंगाना द्वारा आयोजित की जा रही है। भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की जाएगी। सभी मैचों का लाईव प्रसारण युट्युब चैनल पर किया जाएगा। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सीरवी फ्रेन्डस् क्लब के सभी सदस्यों का विशेष सहयोग रहेगा।

कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी द्वारा होगा। लाइव सीधा प्रसारण बी आर एस राजस्थानी चैनल पर होगा।सभी सीरवी बन्धुओं से निवेदन है इस प्रतियोगिता मे अपना तन-मन-धन से सहयोग करके प्रतियोगिता को सफल बनावे।

मिधानि में राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 5 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्यरत मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मिधानि के तत्वावधान में उप महाप्रबंधकों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. बी. बालाजी, प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार), मिधानि द्वारा स्वागत वक्तव्य के साथ हुआ। उन्होंने हिंदी कार्यशाला की आवश्यकता, उसके उद्देश्य तथा राजभाषा के संवैधानिक महत्व पर प्रकाश डाला।कार्यशाला का प्रथम सत्र आरसीआई-डीआरडीओ, हैदराबाद के सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ. काज़िम अहमद द्वारा लिया गया। डॉ. अहमद ने राजभाषा नीति, संवैधानिक प्रावधान एवं कार्यान्वयन के लक्ष्य विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियम, 1976 की प्रमुख धाराओं की व्याख्या करते हुए केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों को दैनिक कार्य में हिंदी के प्रयोग के लिए प्रेरित किया।

द्वितीय सत्र में दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद के अनुवाद अधिकारी श्री शिरीष अवस्थी ने हम मानव और हमारा प्राकृतिक विकास विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने रामचरितमानस की चौपाई-पृथ्वी, जल, पावक, गगन, समीरा; पंच तत्त्व तें बनै शरीरा-का संदर्भ देते हुए पंचतत्त्व सिद्धांत और मानव शरीर की संरचना पर सरल एवं वैज्ञानिक विवेचन प्रस्तुत किया। सत्र के दौरान उन्होंने एक्युप्रेशर की व्यावहारिक तकनीकों का प्रदर्शन किया। सिरदर्द, पाचन समस्या, तनाव, गर्दन दर्द आदि सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं में तत्काल राहत देने वाले विभिन्न बिंदुओं की पहचान और उपयोग विधि समझाई। प्रतिभागियों ने भी उत्साहपूर्वक अभ्यास किया। व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों ने अनेक प्रश्न पूछे, जिनका श्री अवस्थी ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। यह सत्र अत्यंत जीवंत, संवादपरक और प्रेरणादायक रहा।

कार्यशाला का समापन प्रतिभागियों द्वारा हिंदी में कार्य करने की शपथ ग्रहण करने के साथ हुआ। कार्यशाला के सफल आयोजन में कनिष्ठ कार्यपालक (छणड) श्रीमती डी.वी. रत्ना कुमारी, हिंदी अनुवादक श्री विकास आजाद, तथा डाक अनुभाग के कर्मी श्री जयपाल का उल्लेखनीय योगदान रहा।

गोशामहल मंदिर में ताली योगा सिखाते हुए भाजपा नेता सपना गुप्ता, रिंकल गुप्ता, रचना गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, आस्था,अनु, पूनम, सुमन, अन्य।

विजयपुरा का रहने वाला आदमी बेंगलूरु में मेट्रो ट्रैक पर कूदा, मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में नम्मा मेट्रो की पर्पल लाइन पर मैसूरु रोड और चल्लाघट्टा के बीच सुबह सेवाएं बाधित हो गईं, जब शुक्रवार को केंगेरी स्टेशन पर कथित तौर पर एक आदमी ट्रैक पर कूद गया और उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान विजयपुरा के देवरा हिप्परागी के रहने वाले शांतगौड़ा पुलिस पाटिल (38) के रूप में हुई है। यह घटना सुबह करीब 8.20 बजे हुई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पास के एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने मैसूरु रोड और चल्लाघट्टा के बीच सेवाएं निलंबित कर दीं और सेवाएं केवल मैसूरु रोड मेट्रो स्टेशन तक ही चलाईं। बीएमआर-सीएल टीम ने पुलिस और पैरामेडिकल टीमों के साथ मिलकर शव को ट्रैक से हटाया। ज्ञान भारती और चल्लाघट्टा के बीच सेवाएं सुबह 9.40 बजे

बहाल कर दी गईं। अधिकारियों को उस आदमी के पास से कुछ पहचान पत्र मिले, जिससे मृतक की पहचान हुई। दक्षिण पश्चिम डिवीजन के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक के बारे में और जानकारी जुटाई जा रही है। इस कदम के पीछे का कारण अभी पता नहीं चला है। मृतक के परिवार को सूचित कर दिया गया है और आगे की जांच जारी है। अधिकारी ने बताया कि ट्रैक साफ करने के लिए स्टेशन पर एक पुलिस टीम तैनात की गई थी। घटना के कुछ मिनट बाद ही शव को निकाल लिया गया। ट्रेन सेवाएं लगभग एक घंटे तक रुकी रहीं, जिससे पर्पल लाइन पर कई स्टेशनों पर सैकड़ों यात्री फंस गए। चूंकि यह रुकावट पीक आवर्स के दौरान हुई, इसलिए कई यात्रियों को अपने ऑफिस, स्कूल और कॉलेज पहुंचने के लिए वैकल्पिक परिवहन का सहारा लेना पड़ा, खासकर उन स्टेशनों पर जहां ट्रेनें नहीं चल रही थीं। हाल के वर्षों में बेंगलूरु मेट्रो नेटवर्क पर इसी तरह की घटनाएं हुई हैं। सबसे हालिया मामला 4 अक्टूबर का है, जब विधान सौधा में काम करने वाले 40 वर्षीय एक क्लर्क ने कथित तौर पर नाडाप्रभु केम्पेगौड़ा (मैजेस्टिक) मेट्रो स्टेशन पर ट्रैक पर कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी। उसे समय रहते बचा लिया गया था। इन बार-बार होने वाली रुकावटों ने बीएमआरसीएल पर ऐसे हादसों को रोकने और बिना किसी रुकावट के संचालन सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा रेलिंग और प्लेटफॉर्म सुरक्षा बैरियर लगाने में तेजी लाने का दबाव बढ़ा दिया है। फरवरी 2024 में, यात्रियों द्वारा जानबूझकर और गलती से बिजली के ट्रैक पर उतरने की बार-बार होने वाली घटनाओं के बाद, बीएमआरसीएल ने केम्पेगौड़ा इंटरचेंज पर प्लेटफॉर्म सुरक्षा रेलिंग लगाईं। तब से, मेट्रो अधिकारी दूसरे ज्यादा भीड़ वाले स्टेशनों पर इन उपायों की असरदारता का मूल्यांकन कर रहे हैं। मैजेस्टिक और नई खुली येलो लाइन के अलावा, इसी तरह की रेलिंग सिर्फ बिजी आर.वी. रोड इंटरचेंज पर लगाई गई हैं। दूसरे स्टेशनों पर न तो रेलिंग हैं और न ही प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर हैं। हालांकि, बीएमआरसीएल ने आने वाले कॉरिडोर, जिसमें पिंक लाइन, ब्लू लाइन फेज 2ए (सेंट्रल सिल्क बोर्ड-के.आर. पुरा), और ब्लू लाइन फेज 2बी (के.आर. पुरा-एयरपोर्ट) के तहत एलिवेटेड एयरपोर्ट सिटी स्टेशन शामिल हैं, में पीडीएल लगाने के लिए एक टेंडर दिया है।

कोर्ट ने एमबीबीएस और बीडीएस कोर्स के लिए तीसरे राउंड की प्रोविजनल अलॉटमेंट लिस्ट रद्द की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अकादमिक वर्ष 2025-26 के लिए बाकी बची लगभग 900 अंडर-ग्रेजुएट मेडिकल और डेंटल सीटों पर एडमिशन को लेकर अनिश्चितता खत्म करते हुए, कर्नाटक हाई कोर्ट की तीन जजों की स्पेशल बेंच ने एमबीबीएस और बीडीएस कोर्स में एडमिशन के लिए काउंसलिंग के तीसरे राउंड की प्रोविजनल अलॉटमेंट लिस्ट, जो 24 अक्टूबर को पब्लिश हुई थी, को रद्द कर दिया और कर्नाटक एग्जाम अथॉरिटी (केईए) को कोर्ट द्वारा बताए गए तरीके के अनुसार तीसरे राउंड की प्रक्रिया नए सिरे से शुरू करने का निर्देश दिया। जस्टिस बी.एम. श्याम प्रसाद, एम.आई. अरुण और टी.एम. नदाफ की तीन जजों की बेंच ने शुक्रवार को सर्वसम्मत फैसला सुनाया, जब 19 नवंबर को एक डिवीजन बेंच द्वारा दिए गए अलग-अलग फैसले के बाद याचिकाओं को कोर्ट में भेजा गया था। फैसले की कॉपी अभी जारी नहीं हुई है। केईए को 17 दिसंबर तक काउंसलिंग पूरी करने का निर्देश देते हुए, स्पेशल बेंच ने नेशनल मेडिकल कमीशन को केईए के माध्यम से विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में अलॉट किए गए उम्मीदवारों की लिस्ट को स्वीकार करने का निर्देश दिया, भले ही एडमिशन की आखिरी तारीख तय समय सीमा पार कर गई हो। बेंच ने याचिकाकर्ता-एमबीबीएस सीट के उम्मीदवारों को आंशिक राहत दी, जिन्होंने एमबीबीएस कोर्स में खाली सीटों को भरने के लिए काउंसलिंग के तीसरे राउंड में सीटों के अलॉटमेंट में केईए द्वारा अपनाए गए तरीके पर सवाल उठाया था। प्रबंधन कोटा के तहत खाली सीटों सहित एमबीबीएस कोर्स की लगभग 900 खाली सीटों का अलॉटमेंट 26 अक्टूबर से याचिका लंबित होने के कारण रुका हुआ है। बेंच का गठन जस्टिस जयंत बनर्जी और जस्टिस के.वी. अरविंद की डिवीजन बेंच द्वारा अलग-अलग फैसला सुनाए जाने के बाद किया गया था। जबकि जस्टिस बनर्जी ने तीसरे राउंड की प्रोविजनल अलॉटमेंट लिस्ट को रद्द कर दिया था और केईए को स्टेट ऑफ यूपी बनाम भावना तिवारी मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार तीसरे राउंड की प्रक्रिया नए सिरे से शुरू करने का निर्देश दिया था, जस्टिस अरविंद ने केईए को प्रोविजनल लिस्ट के आधार पर आगे बढ़ने की अनुमति दी थी।

हावेरी में भगवा शॉल-हिजाब विवाद फिर से शुरू

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में भगवा शॉल-हिजाब विवाद फिर से शुरू हो गया है। हावेरी जिले के अक्की अलूर में सी.जी. बेल्लाड गवर्नमेंट फर्स्ट ग्रेड कॉलेज में कुछ छात्राएं हिजाब पहनकर क्लास में आ रही थीं, जिसके विरोध में कुछ छात्र भगवा शॉल पहनकर क्लास में आए। छात्र 4 दिसंबर को भगवा शॉल पहनकर क्लास में आए थे। उस दिन कोई दिक्कत नहीं हुई क्योंकि लेक्चरर और अधिकारियों ने उन्हें भगवा शॉल पहनने पर कोई आपत्ति नहीं की, और छात्र क्लास अटेंड करने के बाद घर चले गए। सूत्रों के मुताबिक शुक्रवार को वे अपने बैग में शॉल लेकर आए, जिससे अधिकारियों को उनसे बात करनी पड़ी। विरोध में, 4 दिसंबर को महिला छात्रों सहित लगभग 50 छात्र भगवा शॉल पहनकर क्लास में आए थे। कुछ छात्रों ने नाम न बताने की शर्त पर दावा किया कि उन्हें शॉल पहनने के लिए मजबूर किया गया क्योंकि उनकी बात नहीं सुनी जा रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस झगड़े के कारण छात्रों को कॉलेज में मोबाइल फोन लाने से रोक दिया गया है, और पिछले कुछ दिनों में रेगुलर चेकिंग बढ़ गई है। कॉलेज अधिकारियों ने कहा है कि छात्र, कॉलेज के अंदर आने के बाद, हिजाब हटा देते हैं और रेगुलर यूनिफॉर्म पहनकर क्लास अटेंड करते हैं। यह सिर्फ इसलिए हुआ क्योंकि 3 दिसंबर को दो छात्राएं हिजाब पहनकर क्लास में आई थीं, जिसके बाद 4 दिसंबर को कुछ अन्य छात्र भगवा शॉल पहनकर आए। प्रिंसिपल वीरेश कुम्मूर के अनुसार, इस मुद्दे को बातचीत से सुलझाया जा रहा है।

एक ही कार्यक्रम में अलग-अलग पहुंचे मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री

एक-दूसरे के बारे में जानकारी ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड के लिए बने नए भवन के उद्घाटन के लिए हालांकि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री अलग-अलग पहुंचे, लेकिन उन्होंने एक-दूसरे के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया शुक्रवार को मांड्या जिले में विभिन्न विकास कार्यों के उद्घाटन और शिलान्यास में भाग लेने के लिए रवाना होने वाले थे। इसी वजह से सिद्धरामैया तय समय पर कार्यक्रम में पहुंचे। बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। इसी दौरान सिद्धरामैया ने पूछा कि क्या डीसीएम नहीं आए। एमबी पाटिल ने कहा कि उपमुख्यमंत्री देर से आएंगे। एमबी पाटिल ने उपमुख्यमंत्री के आने तक कुछ देर इंतजार करने की सलाह दी। जब मुख्यमंत्री कार्यालय में बैठने के लिए सहमत हुए, तो वरिष्ठ विधायक आरवी देशपांडे ने सुझाव दिया कि डीके शिवकुमार आएंगे और इसका उद्घाटन करेंगे। अत्यधिक मौसम की स्थिति के कारण, उन्हें मांड्या जिले तक हेलीकॉप्टर के बजाय सड़क मार्ग से यात्रा करनी है। समय की कमी के कारण डीके शिवकुमार की अनुपस्थिति में मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री के जाने के बाद पहुंचे डीके शिवकुमार ने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री नहीं आए। आरवी देशपांडे ने कहा कि समय हो गया था इसलिए वह चले गये। डीके शिवकुमार ने कहा कि उभय शुलोपारी के बाद वह उस घर में रहते थे जो केआईएडीबी के लिए बने नए कार्यालय के बगल में था। उन्होंने ये भी बताया कि उनकी शादी एक ही घर में हुई है। कार्यक्रम में भले ही मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री अलग-अलग आये, लेकिन उन्होंने एक-दूसरे से पूछताछ कर अपना सौहार्द बनाये रखा। पहले जब सत्ता के लिए परोक्ष लड़ाई होती थी तो इतनी नजदीकियां देखने को नहीं मिलती थीं। ऐसा लग रहा है कि डिनर पार्टी के बाद दोनों के बीच रिश्ते बेहतर हो गए हैं।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों को देखते हुए मुख्यमंत्री का बदलाव असंभव?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस आलाकमान ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को संदेश भेजा है कि एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने संदेश दिया है कि कांग्रेस पार्टी के भविष्य और अगले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों को देखते हुए मुख्यमंत्री का बदलाव असंभव है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि मैं और डीके शिवकुमार सत्ता साझेदारी और कैबिनेट फेरबदल सहित लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की बात सुनेंगे। डीके शिवकुमार ने भी इसे मंजूरी दे दी। दो नाश्ते के बाद मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के बीच खींचतान शांत होती दिख रही है और अब एक जाना-पहचाना माहौल बन गया है।

सभी नेता पार्टी संगठन और निकट भविष्य में होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस बीच, सिद्धरामैया की असमंजस पर आलाकमान ने राहत जताई। बताया जा रहा है कि मेंगलूरु पहुंचे एआईसीसी महासचिव के.सी.वेणुगोपाल ने परोक्ष रूप से सिद्धरामैया को संदेश दिया कि आप अपना काम जारी रखें और चिंता न करें। देश में कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश ही ऐसे राज्य हैं जहां कांग्रेस का

शासन है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान ने हिसाब लगाया है कि अगर नेतृत्व परिवर्तन से कर्नाटक में सत्ता चली गई तो देश को बड़ा नुकसान होगा। फिलहाल हाईकमान ने तीनों राज्यों में यथास्थिति जारी रखने का फैसला किया है। इससे पहले राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब और अन्य राज्यों में वैकल्पिक नेतृत्व का प्रयोग कर कांग्रेस अपने हाथ जला चुकी है। जीतने योग्य राज्य हार गए। कहा जा रहा है कि कांग्रेस में इस बात का डर है कि अगर कर्नाटक में डीके शिवकुमार के दबाव में नेतृत्व परिवर्तन हुआ तो अहिंदा वर्ग कांग्रेस से अलग हो जाएगा। देश में कांग्रेस के पास एक मजबूत अहिन्द नेता का अभाव है। सिद्धरामैया की पहचान एक अहिंदा नेता के रूप में की गई और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबिंबित करने के प्रयास किए गए। कहा जा रहा है कि अगर ऐसे में उन्हें बदला गया तो इससे कांग्रेस को भारी नुकसान होगा। इसके अलावा सिद्धरामैया एक अच्छे प्रशासक और आर्थिक मामलों के अनुभवी हैं। पंचखत्री ने देश में कहीं और की तरह पंचखत्री परियोजनाओं को कुशलतापूर्वक लागू करके एक विश्व रिकॉर्ड बनाया है। अगर सिद्धरामैया को बदला गया तो डर है कि राज्य की वित्तीय व्यवस्था भी बदल जाएगी। इससे एक असहाय स्थिति पैदा हो सकती है जहां कांग्रेस पार्टी अपने चुनावी वादे पूरे नहीं कर सकती। कहा जा रहा है कि इसका असर अगले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों पर पड़ने की आशंका है। असम, केरल, पुदुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव मई और जून 2026 में होने हैं। इन राज्यों में कुल 824 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव कांग्रेस के लिए अस्तित्व का सवाल है। कर्नाटक में कुल 224 विधानसभा क्षेत्र हैं, हिमाचल प्रदेश में 68, तेलंगाना में 119, कर्नाटक को छोड़कर कांग्रेस किसी भी बड़े राज्य में जीत हासिल नहीं कर पाई है। कांग्रेस के लिए कर्नाटक में एक स्थिर और विकास-समर्थक प्रशासन देना, निकट भविष्य में असम और पुदुचेरी को फिर से जीतने के लिए, तमिलनाडु में सहयोगी पार्टी को सत्ता में लाने और सरकार के साथ साझेदारी जारी रखने और केरल और पश्चिम बंगाल में अपनी उपस्थिति बनाए रखने के लिए यह अनिवार्य है। इसी वजह से कहा जा रहा है कि आलाकमान स्तर पर इस बात पर चर्चा चल रही है कि कर्नाटक राज्य में नेतृत्व परिवर्तन जैसी कोई बात नहीं होनी चाहिए। यह संदेश मुख्यमंत्री सिद्धरामैया तक पहुंचा दिया गया है। बताया जा रहा है कि डीके शिवकुमार को मनाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन डीके शिवकुमार लगातार राहुल गांधी से मिलकर स्पष्टीकरण मांगने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी के दौरे के लिए समय नहीं देने की बात ने केसी वेणुगोपाल के संदेश की पुष्टि कर दी है। आलाकमान ने चेतावनी दी है कि यदि जनवरी और मार्च की समय सीमा तय कर राज्य में भ्रम पैदा करने की कोशिश की गई तो सख्त कार्रवाई अपरिहार्य है। केसी वेणुगोपाल जब मेंगलूरु पहुंचे तो मिथुन राय और उनके समर्थकों ने डीके डीके के नारे लगाए। सिद्धरामैया की ओर से नारे लगाने वाले विधान परिषद सदस्य इवान डिसूजा को भी नोटिस जारी किया गया है। इसके जरिए हाईकमान ने संकेत दे दिया है कि वह अनुशासन को लेकर मैदान में उतरेंगे।

सांसद ने केंद्र से कुंडापुरा-चिक्कमगलूरु राज्य राजमार्ग को एनएच घोषित करने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी-चिक्कमगलूरु के सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने केंद्र सरकार से अगुम्बे और श्रृंगेरी के माध्यम से कुंडापुरा और चिक्कमगलूरु के बीच राज्य राजमार्ग 27 के एक हिस्से को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया है।

पुजारी ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे एक पत्र में कहा, प्रस्ताव को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय से पहले ही सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है, औपचारिक घोषणा लंबित है। 28 नवंबर को उडुपी की यात्रा के दौरान मोदी को सौंपे गए एक पत्र में सांसद ने बताया कि 170 किलोमीटर की दूरी को एनएच के रूप में अपग्रेड किए जाने पर कनेक्टिविटी बढ़ाने के माध्यम से कर्नाटक के तटीय और पश्चिमी घाट क्षेत्रों में काफी मदद मिलेगी। पुजारी ने कहा कि उडुपी, शिवमोग्गा और चिक्कमगलूरु जिलों में कोटेश्वर, हलाडी, सोमेश्वर और अगुम्बे के माध्यम से कुंडापुरा-श्रृंगेरी एसएच एक एनएच के रूप में अपग्रेड होने पर तटीय-आंतरिक कनेक्टिविटी को काफी मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि इससे सोमेश्वर, अगुम्बे, श्रृंगेरी और आसपास के क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही कृषि और वाणिज्यिक वस्तुओं की आवाजाही में भी मदद मिलेगी।

इसी तरह, अगलगंडी, जयापुरा, बालेहोन्नूर और अल्दुर के माध्यम से एसएच 27 का श्रृंगेरी-चिक्कमगलूरु (नादीपुर) खंड, एनएच के रूप में अपग्रेड होने पर बेंगलूरु और आसपास के क्षेत्रों से तीर्थस्थल श्रृंगेरी तक कनेक्टिविटी मजबूत करेगा। सांसद ने कहा कि यह विस्तार पश्चिमी घाट, श्रृंगेरी जैसे धार्मिक केंद्रों और बालेहोन्नूर जैसे वाणिज्यिक और कॉफी केंद्रों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी रहा है। पुजारी ने कहा कि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, आर्थिक विकास और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए उन्नयन महत्वपूर्ण है क्योंकि मार्ग प्रमुख शहरों, आर्थिक क्षेत्रों, ऐतिहासिक केंद्रों और कृषि क्षेत्रों को जोड़ते हैं। राज्य राजमार्ग, जिसका रखरखाव वर्तमान में कर्नाटक लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है, की चौड़ाई विभिन्न स्थानों पर 5 मीटर से 7 मीटर तक है। कुछ हिस्सों में, राजमार्ग में सुधार देखा गया है, जिसमें उडुपी जिले में कोटेश्वर, हलाडी और गोलियांगडी और चिक्कमगलूरु जिले में श्रृंगेरी के पास शामिल हैं। वर्तमान मानसून सीजन के दौरान चिक्कमगलूरु जिले में एल्दुर और बालेहोन्नूर के बीच बिटुमेन सड़क की लगभग अनुप-स्थिति के कारण, मोटर चालकों को चिक्कमगलूरु और श्रृंगेरी के बीच गाड़ी चलाने में कठिनाई हुई।

चुनाव प्रबंधन सुचारू रूप से किया जाए : दीपक तिवारी

आसिफाबाद,05 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएँ), जिला शिक्षा अधिकारी दीपक तिवारी ने कहा कि द्वितीय आम पंचायत चुनाव सुचारू रूप से संपन्न कराए जाएँ। शुक्रवार को उन्होंने तिरयानी मंडल केंद्र में स्थापित चुनाव सामग्री वितरण केंद्र का दौरा किया, व्यवस्थाओं एवं अभिलेखों का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को चुनाव संबंधी कार्यों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन हेतु कई सुझाव दिए। चूँकि नामांकन पत्र दाखिल करने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है, इसलिए उन्होंने अधिकारियों को चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार नामांकन पत्रों की जाँच करने और चुनाव आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंडल केंद्र स्थित मंडल महिला समाख्या भवन के प्रबंधन, महिला स्वयं सहायता समूहों की गतिविधियों की समीक्षा की जाए तथा बचत समूहों की वित्तीय गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता योजनाओं का समुचित क्रियान्वयन कर महिलाओं के आर्थिक विकास के प्रयास किए जाएँ। उन्होंने प्रधानमंत्री जन मन योजना के अंतर्गत मंडल केंद्र में स्थापित आंगनवाड़ी केंद्र का दौरा किया और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली महिलाओं, बच्चों और किशोरियों के कल्याण के लिए समय पर मेनू के अनुसार पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए, गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया जाए और समय पर चिकित्सा जाँच की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास की समय-समय पर निगरानी की जाए और विकासात्मक अक्षमताओं वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें सामान्य स्थिति में लाने के लिए कदम उठाए जाएँ। उन्होंने कहा कि पीवीटीजी (विशेषकर जोखिमग्रस्त आदिवासी समूह) के लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का समुचित लाभ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मंडल के रछा कन्नेपल्ली गाँव के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक सरकारी स्कूलों का दौरा किया और छात्रों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं, रजिस्टरों, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता और परिवेश का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए, बुनियादी सुविधाएँ प्रदान की जाएँ और कक्षाओं और परिवेश को स्वच्छ रखा जाए। उन्होंने माना ऊरु-माना बाड़ी कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को कई सुझाव दिए। इसके बाद, उन्होंने गाँव में चल रहे इंदिराम्मा आवास निर्माण कार्यों का अवलोकन किया और कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गरीबों को प्रदान किए जा रहे इंदिराम्मा आवासों को शीघ्र पूरा किया जाए और लाभार्थियों को जागरूक किया जाए ताकि वे निर्धारित क्षेत्र में आवास बना सकें। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ, अधिकारी विकास कार्यों की प्रगति पर समन्वय स्थापित कर कार्य करें और यह सुनिश्चित करें कि पात्र लाभार्थियों को कल्याणकारी लाभ प्रदान किए जाएँ।

इस कार्यक्रम में संबंधित अधिकारियों एवं अन्य लोगों ने भाग लिया।

मंचेरियाल जिले के एक गांव में वार्ड सदस्यों को नामांकन दाखिल न करने की धमकी

चुनावों के संचालन को लेकर कोई संदेह है?

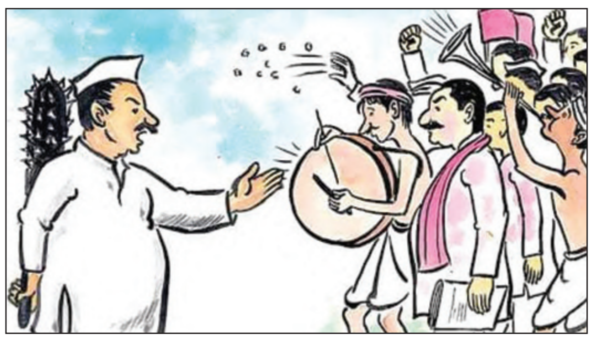

मंचेरियाल,05 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिन अधिकारियों पर सरपंच और वार्ड सदस्य के चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कराने की ज़िम्मेदारी है उन्हें विपरीत तरीके से काम करने और एक पार्टी का पक्ष लेने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है दांडेपल्ली मंडल के ओल्ड ममीदिपल्ली से सरपंच पद के लिए नामांकन दाखिल करने वाली गुर्राला माधवी को जबरन वापस लेने की कोशिश और सोशल मीडिया पर पुलिस और चुनाव अधिकारियों की संलिप्तता वाले वीडियो ने पूरे राज्य में सनसनी फैला दी है खबर है कि पार्टी के नेताओं ने इस ग्राम पंचायत जहाँ पहले चरण का चुनाव होना है में सत्तारूढ़ दल के समर्थन से मैदान में उतरे उम्मीदवार को एकजुट करने की पूरी कोशिश की है इसी क्रम में नामांकन वापस लेने की समय सीमा दोपहर 3 बजे समाप्त होने के बावजूद सरपंच पद की उम्मीदवार गुर्राला माधवी को शाम 4 बजे के बाद नामांकन केंद्र पर वापस जाने के लिए मजबूर किया गया।

यह जानते हुए भी कि यह नियमों के विरुद्ध है अधिकारी उन्हें शाम 4.20 बजे पिछले दरवाजे से नामांकन कक्ष में ले गए इस घटना से जुड़े तमाम वीडियो सामने आने के बाद जिले में स्थानीय निकाय चुनावों की पारदर्शिता पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है इसी तरह पता चला है कि हाजीपुर मंडल के एक गाँव में वार्ड सदस्य के रूप में नामांकन दाखिल करने आए लोगों को कुछ नेताओं ने धमकाया है उस गाँव में सरपंच पद का चुनाव लड़ रहे एक नेता ने कहा कि पार्टी नेताओं के अलावा किसी ने भी उस गाँव में वार्ड सदस्य के रूप में नामांकन दाखिल नहीं किया क्योंकि उन्हें चेतावनी दी गई थी कि राशन कार्ड रद्द कर दिए जाएँगे और घर नहीं दिए जाएँगे और उन पर जो वहाँ सरपंच पद का चुनाव लड़ रहे हैं अपना नामांकन वापस लेने का दबाव भी बनाया जा रहा है उन्होंने लोगों से अपील की कि अगर उनका नाम सामने आता है तो कृपया सुनिश्चित करें कि उनका नाम सामने न आए इस बात पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है कि क्या यह स्थिति केवल इन दो गाँवों में है या अन्य गाँवों में भी है इस बात की आलोचना हो रही है कि जिन अधिकारियों पर पारदर्शी चुनाव कराने की ज़िम्मेदारी है वे इस तरह एक पार्टी से जुड़े हुए हैं यह मांग की जा रही है कि ज़िले के उच्च अधिकारियों के साथ-साथ राज्य चुनाव आयोग भी उन दोषियों के खिलाफ़ कार्रवाई करे जिन्होंने पथमामिदिपल्ली की घटना को गंभीरता से नहीं लिया।

मतदान एवं अतिरिक्त मतदान अधिकारियों का प्रथम यादृच्छिकीकरण पूर्ण : दीपक तिवारी

आसिफाबाद,05 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी ने बताया कि द्वितीय आम पंचायत चुनाव के संदर्भ में मतदान एवं अतिरिक्त मतदान अधिकारियों का प्रथम यादृच्छिकीकरण पूर्ण हो गया है। शुक्रवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर के वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में सामान्य चुनाव पर्यवेक्षक श्रीनिवास की उपस्थिति में मतदान एवं अतिरिक्त मतदान अधिकारियों का प्रथम यादृच्छिकीकरण किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला अपर कलेक्टर ने कहा कि जिले में तीन चरणों में होने वाले सरपंच एवं वार्ड सदस्यों के चुनाव हेतु मतदान एवं अतिरिक्त मतदान अधिकारियों के यादृच्छिकीकरण की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार मतदान अधिकारियों का आवंटन कर दिया गया है और अधिकारी जिले में शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए समन्वय से कार्य करें।

इस कार्यक्रम में आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव, जिला पंचायत अधिकारी बिक्षापति, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लक्ष्मीनारायण, एनआईसी प्रभारी श्रीकांत ने भाग लिया।

फॉक्सो मामले में आरोपी को 35 साल की कैद और 50,000 रुपये के जुर्माने की सजा

आसिफाबाद,05 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला पुलिस अधीक्षक नितिका पंत ने बताया कि जिला प्रधान एवं सत्र न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एम.वी. रमेश ने नाबालिग लड़की के अपहरण, उसके साथ अभद्र व्यवहार और बलात्कार के प्रयास के मामले में आरोपी को 35 साल की कैद और 50,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है।

शिकायत के अनुसार, शिकायतकर्ता की बेटी (उम्र: 16 वर्ष) निज़ामाबाद के एक निजी कॉलेज में पढ़ती थी। निज़ामाबाद के कांतेश्वर कॉलोनी निवासी साई चरण रेड्डी (उम्र: 25 वर्ष) उसे यह कहकर परेशान करता था कि वह उससे प्यार करता है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसने उसकी बेटी का अपहरण किया, उसके साथ अभद्र व्यवहार किया और उसके साथ बलात्कार का प्रयास किया। इस घटना पर 03 अप्रैल 2013 को आसिफाबाद टाउन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। प्रथम जाँच अधिकारी एसआई साधिक पाशा, द्वितीय जाँच अधिकारी शेख सलीमा (डीएसपी, कागजनगर) और तृतीय जाँच अधिकारी सुरेश बाबू (डीएसपी, कागजनगर) मामले की जाँच के लिए ज़िम्मेदार थे। अदालत में एफओसीएसओ के लोक अभियोजक एम. श्रीनिवास ने मज़बूत दलीलें पेश कीं, जबकि अदालत के सुनवाई अधिकारी और सीडीपीओ राम सिंह (एएसआई) ने सहयोग किया।अदालत ने सबूतों और जाँच रिपोर्ट की जाँच के बाद आरोपी को 35 साल के कठोर कारावास और 50,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई।जिला आईपीएस नितिका पंत ने पीड़िता को न्याय दिलाने के उनके प्रयासों के लिए वर्तमान आसिफाबाद टाउन सीआई बालाजी वरप्रसाद, आसिफाबाद एएसपी चित्तरंजन आईपीएस और अन्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी।

बाघों का आतंक लोगों में दहशत

मंचेरियाल,05 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के कन्नेपल्ली मंडल के आनंदपुर गाँव के बाहरी इलाके में बड़े तालाब के पास फसल के खेतों में बाघ के बड़े पैरों के निशान देखे जाने के बाद लोग दहशत में है गुरुवार सुबह वन अधिकारी मौके पर पहुँचे और पुष्टि की कि ये एक बड़े बाघ के पैरों के निशान थे कुशनापल्ली के वन अधिकारी दयाकर ने आनंदपुर, मेटपल्ली, नायडूपेटा, लिंगाला, जक्कपल्ली, नगरम, सुरराम, बुय्याराम, बोम्मेना और अन्य गाँवों के लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी दी है कुशनापल्ली वन रेंजर दयाकर ने सलाह दी कि ऐसी स्थिति है।

कि बाघ वेमनपल्ली की सीमा से लगे जक्केपल्ली, जिल्लेडा, बुय्याराम, बामेना, नगराम और सुरराम जैसे गाँवों की ओर आ रहा है और लोगों को अकेले जंगल की ओर नहीं जाना चाहिए और जंगल के बाहरी इलाके में खेतों में जाने वालों को समूहों में जाना चाहिए अधिकारियों ने गुरुवार को जक्केपल्ली में जागरूकता अभियान चलाया उन्होंने लोगों से बाघ को किसी भी तरह से नुकसान न पहुँचाने और उसके पगचिह्न दिखाई देने पर तुरंत सूचित करने को कहा उन्होंने कहा कि यह बाघ हाल ही में इस इलाके में आया है और जंगल में लगे सीसीटीवी कैमरों में भी नहीं कैद हुआ है।

विद्यालयों में आधारभूत संरचना विकास कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाएँ : दीपक तिवारी

आसिफाबाद,05 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएँ), जिला शिक्षा अधिकारी दीपक तिवारी ने कहा कि जिले के सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना विकास कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाएँ। शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के सभाकक्ष में सड़क, भवन, पंचायती राज, शिक्षा, आदिम जाति कल्याण विभाग, अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों और ई.डब्ल्यू.आई.डी.सी. अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ सरकारी विद्यालयों में आधारभूत संरचना विकास पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला अपर कलेक्टर ने कहा कि अधिकारी विद्यार्थियों को बिना किसी असुविधा के सरकारी विद्यालयों में सम्पूर्ण आधारभूत संरचना सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि जिले के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों में पेयजल, बिजली, छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय, अतिरिक्त कक्षों का निर्माण, विद्यालय भवनों की मरम्मत और अन्य विकास कार्य पूर्ण कर उन्हें उपयोग में लाया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण आयोग कार्यक्रम के अंतर्गत स्वीकृत विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण कार्य में तेजी लाकर उन्हें शीघ्र पूरा किया जाए।

इस कार्यक्रम में अभियांत्रिकी अधिकारी, संबंधित अधिकारी एवं अन्य लोग शामिल हुए।

ईवीएम गोदाम में सुरक्षा के कड़े इंतजाम : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद,05 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला निर्वाचन अधिकारी, कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिले में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के भंडारण वाले गोदाम में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएँगे। शुक्रवार को जिला अपर कलेक्टर (राजस्व) एम. डेविड ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जिला मुख्यालय स्थित ईवीएम गोदाम का दौरा किया और सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला निर्वाचन अधिकारी, कलेक्टर ने कहा कि पुलिस कर्मियों के साथ समन्वय में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन गोदाम में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएँगे और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से 24 घंटे निगरानी की जाएगी। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को लगातार सतर्क रहने के निर्देश देते हुए कई सुझाव दिए।

कार्यक्रम में निर्वाचन विभाग के अधिकारी, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी और अन्य लोग शामिल हुए।

ऐप के माध्यम से छात्रों को दिए जाने वाले पौष्टिक भोजन की निगरानी : युवराज मरमट

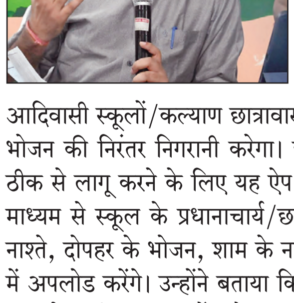

आसिफाबाद,05 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक बयान में कहा गया है कि आईटीडीए पल्स ऐप, एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए) के अधिकार क्षेत्र में आने वाले आदिलाबाद जिले के आदिलाबाद, निर्मल, मंचेरियल, कुमरमभीम आसिफाबाद जिलों के आदिवासी स्कूलों/कल्याण छात्रावासों में छात्रों को दिए जाने वाले पौष्टिक भोजन की निरंतर निगरानी करेगा। छात्रों के लिए समान आहार मेनू को ठीक से लागू करने के लिए यह ऐप लॉन्च किया गया है और इस ऐप के माध्यम से स्कूल के प्रधानाचार्य/छात्रावास कल्याण अधिकारी सुबह के नाश्ते, दोपहर के भोजन, शाम के नाश्ते और रात के खाने की तस्वीरें ऐप में अपलोड करेंगे। उन्होंने बताया कि अभी तक ऐप के माध्यम से तस्वीरें अपलोड की जा रही हैं और इन तस्वीरों और विवरणों की नियमित रूप से निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस ऐप में यदि कोई समस्या आती है, तो उसका समय-समय पर समाधान किया जाएगा और फोटो अपलोड करने के बाद, परियोजना अधिकारी पेशी स्वयं भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन निगरानी करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानाचार्यों/छात्रावास कल्याण अधिकारियों द्वारा एआई के माध्यम से अपलोड की गई खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की निगरानी की जाएगी और अगले शैक्षणिक वर्ष से इसे पूरी तरह से लागू करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

बीआरएस पार्टी ने अपनी ताकत, एकता और जनसमर्थन का प्रदर्शन किया

मदनूर,05 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंडल केंद्र में बीआरएस पार्टी ने एक बार फिर अपनी ताकत, एकता और जनसमर्थन का प्रदर्शन किया है। जुक्कल के पूर्व विधायक हनमंत शिंदे के शानदार नेतृत्व और मार्गदर्शन में, बीआरएस की ओर से मदनूर सरपंच पद की उम्मीदवार रजतवार ईश्वरम्मा का नामांकन दाखिल समारोह शुक्रवार को भव्य रूप से आयोजित किया गया। मंडल केंद्र की मुख्य सड़कों से गाजे बाजे के साथ एक विशाल रैली निकाली, जिसमें बैंड बाजा और बड़े पैमाने पर पटाखे फोड़कर विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। सैकड़ों कार्यकर्ताओं, ने प्रशंसकों, महिलाओं और युवाओं ने रैली में भाग लिया और बीआरएस उम्मीदवार के समर्थन में एकजुट हुए। मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए जुक्कल के पूर्व विधायक हनमंत शिंदे ने कहा- मदनूर के विकास के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता होना चाहिए, उन्होंने आगे कहा कि, ईश्वरम्मा एक ऐसी नेता है जो मदनूर का विकास के लिय काम कर सकती है।

शी टीम हमेशा आपके साथ है : उषारानी

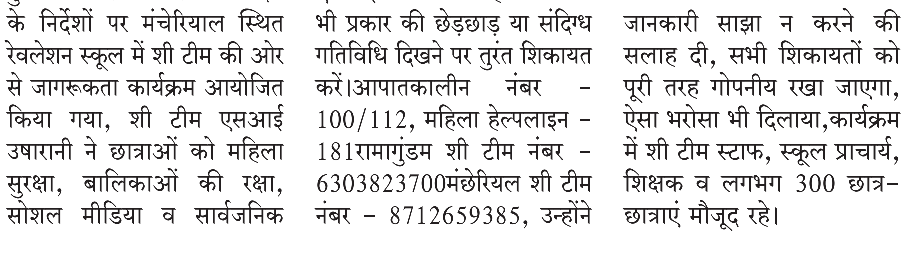

मंचेरियाल,05 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।रामगुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा के निर्देशों पर मंचेरियाल स्थित रेवलेशन स्कूल में शी टीम की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, शी टीम एसआई उषारानी ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, बालिकाओं की रक्षा, सोशल मीडिया व सार्वजनिक स्थानों पर होने वाले उत्पीड़न की रोकथाम पर मार्गदर्शन दिया, एसआई उषारानी ने कहा कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत शिकायत करें।आपातकालीन नंबर - 100/112, महिला हेल्पलाइन - 181।रामागुंडम शी टीम नंबर - 6303823700।मंचेरियल शी टीम नंबर - 8712659385, उन्होंने छात्राओं से सोशल मीडिया पर अनजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करने और निजी जानकारी साझा न करने की सलाह दी, सभी शिकायतों को पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा, ऐसा भरोसा भी दिलाया,कार्यक्रम में शी टीम स्टाफ, स्कूल प्राचार्य, शिक्षक व लगभग 300 छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

शुभ लाभ Classifieds — FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Bheem Singh Hidol father of Ravi Kumar Hidol, Resident of Village-Bhaduri, Post-Kursanda, Teh-Sadabad, District-Hathras, Uttar Pradesh-281306, have changed my name from BHEEM SINGH HIDOL to BHEEMSEN and my date of birth is 08-08-1962 vide affidavit dated 04-12-2025 before Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, SADHANA spouse of Service No.IC - 42650P Colonel (Retd) PRAFULLA KUMAR, Resident of Villa No.84, Villa Springs, Near MB Dargah, Vill:Kowkoor, PO:Bolarum, Teh:Alwal, Dist:Medchal Malkajgiri, Telangana-500010 have changed my name from SADHANA to SADHANA KUMAR vide affidavit dt:05-12-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, ASIFA (old Name), W/o. SHAIK VAZIR, R/o. H.No.1-1-108, Haji Pura, Town & Mandal, KORUTLA, Pincode: 505326, Dist. JAGTIAL, Telangana State, India, have changed my name to ASIFA BEGUM, W/o. SHAIK VAZIR. Here after my name is known as ASIFA BEGUM, W/o. SHAIK VAZIR

बीआरएस शासन के दौरान विपक्षी नेताओं को सम्मान नहीं दिया गया : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 05 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को दावा किया कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान विपक्षी दलों के नेताओं को आधिकारिक कार्यक्रमों में उचित सम्मान और प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया।

कांग्रेस सरकार की दूसरी वर्षगांठ समारोह के तहत आदिलाबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह विकास पहलों पर बिना किसी राजनीतिक पूर्वाग्रह के काम कर रहे हैं, जिसमें केंद्र के साथ समन्वय में काम करना भी शामिल है।

उन्होंने बताया कि आदिलाबाद की विधायक पायल शंकर और सांसद गोडम नागेश, जो भाजपा से हैं, को कार्यक्रम में बोलने का अवसर दिया गया।

रेड्डी ने पूछा, मैं तेलंगाना के चार करोड़ लोगों से इस बारे में सोचने की अपील करता हूँ। क्या उस सरकार के दस सालों के दौरान विपक्षी दलों के नेताओं को मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों में शामिल होने की इजाज़त थी? अगर कोई विपक्षी दल का नेता शामिल होता भी था, तो क्या उसे एक मिनट भी बोलने की इजाज़त थी?

उन्होंने याद किया कि बीआरएस कार्यकाल के दौरान उन्हें सचिवालय जाने से रोक दिया गया था, तथा दावा किया कि एक बार पुलिस ने उन्हें परिसर से बाहर निकाल दिया था।उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस का शासन लोकतंत्र के सिद्धांतों के खिलाफ है और उनकी सरकार लोकतांत्रिक मानदंडों के अनुसार काम कर रही है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू ने मदद का आश्वासन दिया और घोषणा की कि आदिलाबाद में हवाई अड्डे की स्थापना का काम एक साल में शुरू होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा, मैं भले ही कांग्रेस से हूँ, और हम सत्ता में हैं। मैंने कल दिल्ली में मोदी जी से आदिलाबाद में हवाई अड्डा बनाने और केंद्र का सहयोग लेने के लिए बात की।

उन्होंने आदिलाबाद में भारतीय सीमेंट निगम की बंद कंपनी को निजी निवेश के माध्यम से पुनः खोलने के लिए प्रयास जारी रखने तथा इस उद्देश्य के लिए केंद्र से बात करने का भी वादा किया।

बीआरएस और उसके अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव पर तीखा हमला करते हुए रेड्डी ने कहा कि गोदावरी पर बीआर अंबेडकर प्राणहिता चेवेल्ला परियोजना, जिसे मूल रूप से अविभाजित आंध्र प्रदेश में वाईएस राजशेखर रेड्डी सरकार द्वारा आदिलाबाद जिले के तुम्मिडीहेट्टी में प्रस्तावित किया गया था, का नाम बदलकर कलेश्वरम कर दिया गया और पिछली बीआरएस सरकार ने इसे करीमनगर जिले में स्थानांतरित कर दिया।

हमें उम्मीद थी कि तेलंगाना के गठन के बाद परियोजनाएँ तेज़ी से पूरी होंगी... उन्होंने (केसीआर) परियोजना को रद्द कर दिया। मुझे नहीं पता कि उनका इरादा क्या था... उन्होंने (परियोजना के लिए) नाम, जगह और अनुमान बदल दिए।

रेड्डी के अनुसार, इस परियोजना को कालेश्वरम सिंचाई परियोजना के रूप में पुनः ब्रांडेड किया गया, जिसका निर्माण एक लाख करोड़ रुपये की लागत से किया गया था, लेकिन यह तीन वर्षों में ही ध्वस्त हो गई, तथा आदिलाबाद को पानी उपलब्ध कराने में विफल रही।

उन्होंने आश्वासन दिया कि यह परियोजना, जिसे वाई.एस. राजशेखर रेड्डी के कांग्रेस शासनकाल के दौरान तुम्मिडीहेट्टी में बनाने का प्रस्ताव था, मूल डिजाइन के अनुसार ही बनाई जाएगी।केसीआर पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि गलत तरीके से अर्जित धन के कारण उनके परिवार में उथल-पुथल मची हुई है। उन्होंने दावा किया कि राव की बेटी, बेटा और परिवार के अन्य सदस्य अलग-अलग दिशाओं में जा रहे हैं।उन्होंने कहा, पैसे को लेकर विवाद के अलावा उनके परिवार में कोई अन्य विवाद नहीं है।

केंद्र सरकार तेलंगाना के मूसी रिवरफ्रंट प्रोजेक्ट और दिल्ली एयरपोर्ट की गड़बड़ी पर तेज़ी से काम कर रही

हैदराबाद, 05 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
केंद्र सरकार ने गुरुवार को संसद में दो बड़े मुद्दों पर बात की – तेलंगाना का महत्वाकांक्षी मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट और दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हाल ही में हुई एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी – दोनों जवाब राज्य की पहलों को सपोर्ट करने और राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने में केंद्र की भूमिका को दिखाते हैं। मल्काजगिरी के सांसद एटाला राजेंदर द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए, केंद्र ने साफ किया कि तेलंगाना सरकार द्वारा शुरू किया गया मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट, हैदराबाद में क्लाइमेट रेजिलिएंस को बढ़ाने के मकसद से एक बदलाव लाने वाली शहरी पहल के तौर पर देखा जा रहा है।

इस प्रोजेक्ट का मकसद प्रदूषण से निपटना, बाढ़ को कम करना और शहरी विकास को सस्टेनेबिलिटी के साथ जोड़ते हुए इकोलॉजिकल बैलेंस को बहाल करना है। ग्राम पंचायत चुनाव शुरू होने पर 13,000 से ज़्यादा उम्मीदवार मैदान में हैं आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि शहरी प्लानिंग मुख्य रूप से संविधान की 12वीं अनुसूची के तहत शहरी स्थानीय निकायों राज्य शहरी विकास प्राधिकरणों की जिम्मेदारी है। हालांकि, केंद्र सरकार योजनाओं, मिशनों और सलाह के जरिए राज्यों के प्रयासों में मदद करती है। मूसी रिवरफ्रंट प्लान चेक्ग- की 2021 की 'नदी-केंद्रित शहरी नियोजन दिशानिर्देशों' के अनुसार तैयार किया जा रहा है, जो जलवायु परिवर्तन पर विचार, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील ज़ोनिंग और मनोरंजक स्थानों पर जोर देता है। हैदराबाद भारत के बढ़ते ट्रैवल लैंडस्केप को दिखाता है तेलंगाना सरकार ने एक मास्टर प्लान तैयार किया है और विभिन्न योजनाओं के तहत केंद्र से सहायता मांगी है, साथ ही फंडिंग के लिए बहुपक्षीय एजेंसियों से भी संपर्क किया है। 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर के आईबीआरडही लोन के लिए विश्व बैंक को एक प्रारंभिक प्रोजेक्ट रिपोर्ट (पीपीआर) सौंपी गई है, जिसे चेक्ग- की बाहरी सहायता प्राप्त परियोजना (ईएपी) समिति ने सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है, जो 1.5 लाख करोड़ रुपये के तकनीकी मूल्यांकन के अधीन है, जो फंडिंग चुनौतियों के पैमाने को दिखाता है। पुलिस स्टेशन की सीमा के अंदर हवाला कैश जब्त किया। 2.0 के तहत, ग्रेटर हैदराबाद के लिए 3,849.10 करोड़ रुपये की तीन सीवरेज परियोजनाओं को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है, जिसमें 972 एमएलडही सीवेज ट्रीटमेंट क्षमता और 4.92 लाख नए कनेक्शन शामिल हैं।

केंद्र ने वित्तीय और तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से राज्यों का समर्थन करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, खासकर शहरी कमजोरियों जैसे कि खराब जल निकासी प्रणालियों के कारण हैदराबाद की सड़कों पर हाल ही में आई बाढ़ के मद्देनजर। एक और जवाब में, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने नवंबर 2025 की शुरुआत में दिल्ली एयरपोर्ट पर सॉफ्टवेयर में आई खराबी पर चिंताओं को दूर किया। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने पुष्टि की कि एयर ट्रैफिक सर्विस मैसेज को प्रोसेस करने में ज़्यादा देरी के कारण 6 से 8 नवंबर के बीच ऑपरेशन बाधित हुए, जिससे 397 तय पैसेंजर फ्लाइट्स में देरी हुई। इस खराबी से फ्लाइट प्लान, ज़रूरी क्लीयरेंस और एयर डिफेंस अप्रूवल सहित एरोनॉटिकल फिक्स्ड टेलीकम्युनिकेशन नेटवर्क (एएफटीएन) मैसेज की डिलीवरी प्रभावित हुई। हालांकि एयरलाइंस को देरी के कारण अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ा, सरकार ने कहा कि सटीक वित्तीय नुकसान का पता लगाना संभव नहीं है। पुलिस चुनाव में होने वाली अव्यवस्था के डर को दूर करने के लिए मार्च कर रही ऐसी घटना दोबारा न हो, इसके लिए सुधारात्मक उपाय शुरू किए गए हैं।

बेगम बाजार राधे राधे द्वारा अन्नदान हुआ अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल,राजकुमारी अग्रवाल,महेश अग्रवाल,अनिल भाई,गोविंद राम पचेरिया,अरुण विजयवर्गी,विनोद तोषनीवाल,रितेश गुप्ता,पन्नालाल जीमीना अग्रवाल,लता गोयल,नीलम विजयवर्गी,पूजा सांघी,शर्मिला अग्रवाल।

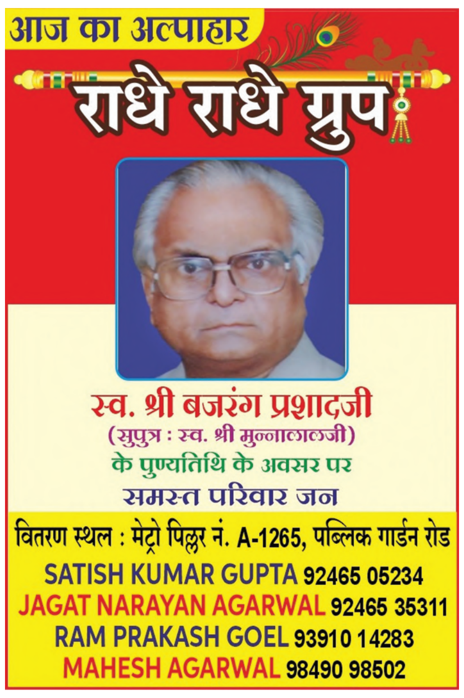

नामपल्ली सेवा राधे राधे द्वारा अन्नदान हुआ अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल,सुनीता अग्रवाल,महेश गुप्ता,सुशील गुप्ता,शीतल गुप्ता,जयप्रकाश सारदा,रोहित अग्रवाल,सुमन अग्रवाल,रवि शर्मासंदीप अग्रवाल,मनीष अग्रवाल,ई-जगन चंपापेट,कैलाश चंद केडिया,निर्मला केडिया,संजय गोयल,नंदकिशोर अग्रवाल,गौरव गोयल,भरखा गोयल,महेश अग्रवाल,प्रीतिका अग्रवाल,प्रवीण अग्रवाल,शिल्पा अग्रवालअन्य सदस्य राधे राधे ।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- | Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj,
Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। – प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 51212002029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

कुत्ते के हमले में घायल बालक के परिवार को एक लाख की सहायता

हैदराबाद, 05 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बालक के परिवार को सरकार की आपात मदद लक्ष्मण कुमार

हैदराबाद, एससी, एसटी और दिव्यांग कल्याण मंत्री ए. लक्ष्मण कुमार ने कुत्ते के हमले में गंभीर रूप से घायल बालक के परिवार को आपात मदद के तौर पर एक लाख रुपये का चेक दिया। उन्होंने नीलोफर अस्पताल में इलाजरत बालक की मिजाजपुर्सी की। लक्ष्मण कुमार ने आश्वासन दिया कि पीड़ित परिवार को एक इंदिरम्मा आवास भी दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि बालक को एक स्पेशल स्कूल में एडमिशन दिलाकर पढ़ाई की जिम्मेदारी सरकार लेगी। उन्होंने कहा कि बालक को दिव्यांग पहचान पत्र तुरंत जारी कर दिया गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि बालक की योग्यता के अनुसार दिव्यांग पेंशन दी जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.